सुविचार

रिश्तों में याद रखने और भूलने के बीच संतुलन की आवश्यकता होती है।

-रॉबर्ट फ्रॉस्ट

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Wednesday, 11 December 2024 ● Year : 02 ● Issue : 318 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com | E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Tamannaah Bhatia's Mocha Mousse... 12

SHARE

संसेक्स	:	81,510.05
निफ्टी	:	24,610.05

SARAFA

सोना	:	7,385
चांदी	:	104.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

प्रोटेम स्पीकर स्टीफन मरांडी ने इस पद के लिए आए प्रस्तावों को पढ़ा और किया एलान

दूसरी बार अध्यक्ष बने रबींद्रनाथ महतो

सीएम हेमंत सोरेन और भाजपा विधायक बाबूलाल मरांडी आसन तक लेकर गए

बधाई देते हुए दिल खोलकर मुख्यमंत्री ने की महतो के पहले कार्यकाल की सराहना

- बाबूलाल मरांडी ने महतो को दी शुभकामनाएं, नए विधायकों को मौका देने का किया आग्रह
- विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने के बाद महतो ने सभी दलों के विधायकों के प्रति जताया आभार
- सदन चलाने में समान रूप से सहयोग करेंगे सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्य
- सीएम हेमंत बोले- राज्य के विकास में सत्ता पक्ष और विपक्ष की भूमिका अहम
- चुनाव के दौरान राज्य की जनता ने जो निर्णय सुनाया है, उसका मिलकर करें सम्मान

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र के दूसरे दिन अध्यक्ष पद के लिए चुनाव हुआ। इसमें जेएमएम विधायक रबींद्रनाथ महतो को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। वह लगातार दूसरी बार विधानसभा का अध्यक्ष चुने गए हैं। प्रोटेम अध्यक्ष स्टीफन मरांडी ने इस पद के लिए आए प्रस्तावों को पढ़ा और उसके बाद सर्वसम्मति से रबींद्रनाथ महतो के नाम का एलान किया। उनके नाम की घोषणा होते ही प्रोटेम स्पीकर के कहने पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और भाजपा विधायक सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी रबींद्रनाथ महतो को अध्यक्ष के आसन तक ले गए। माहौल सौहार्दपूर्ण था। सदन को चलाने में सत्ता पक्ष और विपक्ष के सभी सदस्यों ने सहयोग करने का आश्वासन दिया। अध्यक्ष पद के लिए नाला विधायक रबींद्रनाथ महतो के पक्ष में कुल सात प्रस्ताव आए। सीएम ने प्रस्ताव रखा। मथुरा महतो ने समर्थन किया। इसके बाद सर्वसम्मति से प्रस्ताव स्वीकृत हुआ। रबींद्रनाथ महतो के अध्यक्ष चुने जाने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सदन को संबोधित किया। कहा कि राज्य के सर्वांगीण विकास में सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष की भूमिका अहम है। विपक्ष से आग्रह किया कि इस चुनाव के दौरान राज्य की जनता ने जो निर्णय सुनाया है, उस निर्णय का सम्मान करें। उन्होंने कहा कि महान विभूतियों के सपने को सकार करने में भूमिका निभानी चाहिए।

आज बहुमत साबित करेगी हेमंत सरकार

विधानसभा सत्र के तीसरे दिन यानी बुधवार को सदन की कार्यवाही राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के अभिभाषण के साथ शुरू होगी। उसके बाद राज्य सरकार द्वारा सदन के पटल पर चालू वित्तीय वर्ष के द्वितीय अनुपूरक बजट को लाया जाएगा। अनुपूरक बजट पर चर्चा के बाद इसे पारित करने की कार्यवाही होगी। इसके अलावा हेमंत सरकार सदन में बहुमत साबित करने का काम करेगी। चार दिनों का यह सत्र राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के बाद 12 दिसंबर को समाप्त होगा। 11 दिसंबर को दिन के 11-30 बजे राज्यपाल का अभिभाषण होगा। इसके बाद वित्तीय वर्ष 2024-25 का अनुपूरक बजट सदन में पेश किया जाएगा। 12 दिसंबर को राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव, वाद-विवाद सरकार का उत्तर और विश्वास मत हासिल करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

नेता प्रतिपक्ष को लेकर सस्पेंस बरकरार

झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष कौन होगा, इस पर अब तक संशय बरकरार है। प्रमुख विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी अब तक विधायक दल का नेता नहीं चुन पाई है। इस कारण नेता प्रतिपक्ष के चयन का रास्ता साफ नहीं हो पाया है। इस संबंध में पूछे गए सवाल पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जल्द ही तय हो जाएगा और जैसे ही नाम की घोषणा होगी, आप लोगों को जानकारी दे दी जाएगी। पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन कहते हैं कि नेता प्रतिपक्ष के नाम की घोषणा 12 दिसंबर के बाद होगी। इधर, एनडीए के सहयोगी दल लोजपा के एकमात्र विधायक जनार्दन पासवान कहते हैं कि अभी शुरूआत ही है।

पहले विधायक, जो दूसरी बार बने अध्यक्ष

अध्यक्ष के लिए रबींद्रनाथ महतो के नाम मुहर लगते ही इतिहास बन गया। वह एकमात्र ऐसे विधायक हैं, जिन्हें लगातार यह दूसरी बार जिम्मेदारी सौंपी गई। आमतौर पर अध्यक्ष को लेकर मिथक है कि विधानसभा अध्यक्ष रहते हुए विधायक बनना आसान नहीं होता है। बता दें कि रबींद्रनाथ महतो नाला सीट चौथी बार विधायक चुन कर आए हैं। उन्होंने पहली बार 2005 में नाला से झारखंड विधानसभा तक का सफर पूरा किया। इसके बाद वे लगातार 2014 और 2019 तथा 2024 के चुनावों में जीत हासिल की है।

पंचम विस में भी फंसा था नेता प्रतिपक्ष का पेंच

बता दें कि पंचम विधानसभा में भी नेता प्रतिपक्ष को लेकर मामला फंसा था और आखिरकार बाबूलाल मरांडी की जगह अमर कुमार बाउरी को नेता प्रतिपक्ष बनाने पर सहमति बनी। लेकिन, इस बार छठे विधानसभा के कार्यकाल में कोई विवाद होने की संभावना नहीं है। बीजेपी की ओर से विधायक दल के नेता का चयन होने में हो रही देरी को मुख्य वजह माना जा रही है। जानकारी के अनुसार, नेता प्रतिपक्ष को लेकर भाजपा के अंदर मंथन का दौर जारी है। सामाजिक और राजनीतिक समीकरण को ध्यान में रखकर बीजेपी जल्द ही इस पर निर्णय लेने वाली है। पार्टी अभी तक यह तय नहीं कर पाई है कि ट्राइबल या ओबीसी या सामान्य कोटे से विधायक दल का नेता बनाया जाए। नेता प्रतिपक्ष के लिए बाबूलाल मरांडी, चम्पाई सोरेन, सीपी सिंह, शशिभूषण मेहता जैसे नेता रेस में हैं।

विधानसभा लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर : हेमंत

रवींद्रनाथ महतो के अध्यक्ष चुने जाने के बाद सीएम ने उन्हें बधाई दी। कहा कि मैं अपनी पार्टी और सत्ता पक्ष की ओर से में ढेर सारी शुभकामनाएं देता हूं। आगे कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर है। यह देश की महान विभूतियों के समर्पण और त्याग का परिणाम है। कहीं न कहीं हमारे इस लोकतंत्र का लोहा पूरी दुनिया मानती है। अलग-अलग रंग, बोली, सभ्यता-संस्कृति एक साथ मिलकर एक समूह में रहकर अपनी हर समस्या का समाधान करते हैं। उन महान विभूतियों के विचारों को देश आजाद होने से अब तक सम्मान करते आया है। उनके विचारों को अपने कंधों पर लेकर निरंतर इस लोकतंत्र को और मजबूत करने में सब लगे हैं। महतो के पिछले कार्यकाल को याद करते हुए हेमंत सोरेन ने कहा कि सदन में पक्ष-विपक्ष होते हैं। दोनों की बीच आपने संतुलन और गरिमा को बनाए रखा। निश्चित रूप से आपने सदन की गरिमा को और मजबूत रखने में अहम भूमिका अदा की है। इसके लिए उन्होंने अध्यक्ष के प्रति अभार प्रकट किया। आगे कहा कि इसी प्रकार सबने सर्वसम्मति से आपको छठी विधानसभा के अध्यक्ष के रूप में चुना है। उम्मीद और भरोसा है कि इस विधानसभा भी पूर्व सत्रों की तरह हम सब मिलकर इस राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए इस मंदिर में एकत्रित होंगे और हम सब मिलकर इस राज्य की बेहतरी के लिए मिलकर आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे।

सदन निर्बाध चले, गतिरोध न हो, यही आपसे अपेक्षा : महतो

अध्यक्ष चुने जाने के बाद रबींद्रनाथ महतो ने कहा कि मुझे आप सभी से अपेक्षा है कि सदन निर्बाध रूप से चले और सदन में गतिरोध न हो। उन्होंने स्पीकर चुने जाने पर सभी दलों के प्रति आभार व्यक्त किया। भाजपा विधायक बाबूलाल मरांडी ने स्पीकर रबींद्रनाथ महतो को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आग्रह है कि कोई भी विधायक जब सदन में मामला उठाए तो उसका समाधान हो। सदन के कस्टोडियन के नाते सभी को अवसर दें। इससे नए विधायकों में आत्मविश्वास पैदा होगा।

BRIEF NEWS

नहीं रहे देश के पूर्व विदेश मंत्री एसएम कृष्णा

NEW DELHI : मंगलवार को कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री, विदेश मंत्री, महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल और भाजपा के वरिष्ठ नेता एसएम कृष्णा का निधन हो गया। सुबह 2:45 बजे बेंगलुरु स्थित अपने घर पर उन्होंने अंतिम सांस ली। एसएम कृष्णा का जन्म 1932 में हुआ था। उनका पूरा नाम सोमनाहल्ली मल्लैया कृष्णा है। वे साल 1999 से 2004 कर्नाटक के मुख्यमंत्री रहे और वर्ष 2004 से 2008 तक महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे। 22 मई 2009 को प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कृष्णा को केंद्रीय कैबिनेट में शामिल किया और 23 मई 2009 विदेश मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी। मार्च 2017 में एसएम कृष्णा कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। 2023 में सरकार ने एसएम कृष्णा को पद्म विभूषण से सम्मानित किया।

हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन

NEW DELHI : बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार और मानवाधिकार उल्लंघन के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन चल रहा है। जम्मू-कश्मीर, नई दिल्ली, मुंबई, असम, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक समेत देश के कई राज्यों में लोग रैलियां निकाल रहे हैं। इधर दिल्ली में मंगलवार को बांग्लादेश हाईकमीशन के बाहर आरएसएस समेत कई संगठनों प्रदर्शन और नारेबाजी की। सिविल सोसाइटी ने चाणक्यपुरी में विरोध मार्च निकाला। हालांकि इससे पहले बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रदर्शन का नेतृत्व साध्वी ऋतंभरा ज्योति ने किया। उनके अलावा इस्कॉन के सदस्यों ने भी कीर्तन करते हुए विरोध मार्च निकाला और हिंदुओं समेत चिन्मय दास पर हो रहे अत्याचारों पर एक्शन की मांग रखी। बांग्लादेश की 17 करोड़ आबादी में करीब 8 प्रतिशत फीसदी हिंदू हैं। 5 अगस्त को शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के गिरने के बाद से बांग्लादेश के 50 से ज्यादा जिलों में हिंदुओं पर 200 से ज्यादा हिंसक हमले हो चुके हैं।

धोखाधड़ी के मामले में एक्टर धर्मेंद्र तलब

NEW DELHI : दिल्ली की एक अदालत ने गरम धरम ढाबा फ्रेंचाइजी से संबंधित धोखाधड़ी के एक मामले में फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र और दो अन्य को तलब किया है। शिकायतकर्ता के वकील ने यह जानकारी दी। वकील डीडी पांडे ने बताया कि न्यायिक मजिस्ट्रेट यशदीप चहल ने दिल्ली के व्यवसायी सुशील कुमार की शिकायत पर 89 वर्षीय अभिनेता के खिलाफ यह आदेश पारित किया। सुशील कुमार ने आरोप लगाया था कि उन्हें फ्रेंचाइजी में निवेश का प्रलोभन दिया गया था। न्यायाधीश ने कहा कि प्रथम दृष्टया अभिनेता और सह आरोपी दीपक भारद्वाज व उमंग तिवारी के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक षड्यंत्र का मामला प्रतीत होता है। न्यायाधीश ने आरोपियों को 20 फरवरी 2025 को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया।

सीबीआई जांच में हुआ बड़ा खुलासा

कोयला ब्लॉक के लिए दिखाया निजी जमीन का फर्जी दस्तावेज

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में कोयला घोटाले को लेकर सेंट्रल ब्यूरो आफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) की जांच में बड़ा खुलासा सामने आया है। पता चला है कि अभिजीत इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड ने कोयला ब्लॉक हासिल करने के लिए अधिकारियों के साथ मिलकर हजारीबाग में निजी जमीन की खरीद का फर्जी दस्तावेज पेश किया गया था। यहां तक कि प्लांट के लिए मशीनरी की खरीद और बैंकों के साथ वित्तीय गठजोड़ से संबंधित जाली दस्तावेजों की फोटोकॉपी भी प्रस्तुत की गई थी। बता दें कि सीबीआई की एक विशेष अदालत ने सोमवार को झारखंड में बृंदा, सिसई और मेराल कोयला ब्लॉकों के आवंटन से संबंधित कोयला घोटाला मामले में अभिजीत इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के प्रबंध निदेशक मनोज कुमार जायसवाल और इसके पूर्व निदेशक रमेश कुमार जायसवाल को दोषी ठहराया था।

- विशेष अदालत ने ठहराया था दोषी
- केंद्र सरकार की सिफारिश हासिल करने के लिए किया गया घपला

देश के 10 राज्यों में शुरू हो गई शीतलहर, झारखंड व बिहार में घना कोहरा

NEW DELHI : हिमालय के ऊपरी इलाकों में लगातार बर्फबारी का असर मैदानी राज्यों तक पहुंच गया है। जम्मू कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में पिछले 4 दिन से हो रही बर्फबारी के बाद ठंड बढ़ गई है। मंगलवार को बफीर्ली हवाओं के असर से सौराष्ट्र, कच्छ, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड में शीतलहर चल रही है। हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में घना कोहरा छाया हुआ है। श्रीनगर में इस मौसम का सबसे कम तापमान -5.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सोनमर्ग -9.7 डिग्री के साथ सबसे ठंडा रहा। गुलमर्ग में पारा -9.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उत्तराखंड के केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम में सीजन की पहली बर्फबारी हुई। इसके बाद राज्य सरकार ने दोनों जगह चल रहे विकास कार्य रोक दिए हैं। इधर दक्षिण भारत में एक बार फिर बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

विपक्ष का धनखड़ पर पक्षपातपूर्ण तरीके से सदन चलाने का आरोप

धनखड़ के खिलाफ 'इंडिया' के सदस्यों ने दिया अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस

AGENCY NEW DELHI : मंगलवार को संसद के शीतकालीन सत्र का 11वां दिन था। 'इंडिया' ब्लॉक ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने की तैयारी कर ली। विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा के जनरल सेक्रेटरी पीसी मोदी को धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया। इस नोटिस में कांग्रेस, टीएमसी, आप, सपा, डीएमके, सीपीआई, सीपीआई-एम और राजद समेत कई पार्टियों के 60 सांसदों के दस्तखत हैं। विपक्ष का धनखड़ पर पक्षपातपूर्ण तरीके से सदन चलाने का आरोप है। ह्यइंडियाह्न गठबंधन के सांसदों ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ पर विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगाया है। विपक्ष का आरोप है कि धनखड़ हमेशा सत्ता पक्ष का पक्ष लेते हैं। मंगलवार को 11 बजे दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू हुई।

प्रस्ताव पर विभिन्न दलों के 60 सदस्यों ने किए हैं दस्तखत

पहली बार राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

यह पहली बार है, जब किसी राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। इससे पहले भी विपक्ष ने धनखड़ पर पक्षपात करने का आरोप लगाया था। उपराष्ट्रपति राज्यसभा के पदेन सभापति होते हैं। उनपर उच्च सदन को सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारी होती है। सभापति पद से तभी हटाया जा सकता है, जब उन्हें उपराष्ट्रपति पद से हटा दिया जाए।

राहुल को छोड़कर सभी सांसद चाहते हैं चर्चा : संसदीय कार्य मंत्री

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कोई भी मुद्दा हो, हम सदन की कार्यवाही बाधित नहीं करेंगे। सपा, टीएमसी और कांग्रेस समेत कई पार्टियों के सांसद मेरे पास आए थे। पूरी कांग्रेस पार्टी राज्यसभा में चर्चा करना चाहती है, सिर्फ राहुल गांधी संसद की कार्यवाही में हिस्सा नहीं लेना चाहते। शायद उनका संसदीय लोकतंत्र में विश्वास नहीं है। सभी सांसद चर्चा चाहते हैं, हर सांसद के लिए उनका संसदीय क्षेत्र अहमियत रखता है। राहुल के लिए कोई मुद्दा मायने नहीं रखता। इधर, प्रियंका गांधी ने कहा कि हम जो प्रदर्शन कर रहे हैं, वो बाहर कर रहे हैं।

बड़ा संकट ढाई दशकों में सूखे की चपेट में होगी 75% जनसंख्या

भविष्य में बड़ी आबादी को तरसाएगी पानी की किल्लत

AGENCY NEW DELHI : जिंदगानी और पानी का रिश्ता अटूट है। पानी की कमी जिंदगानी का सर्वोपरि संकट है। यह संकट एकदेशीय नहीं, बल्कि सर्वदेशीय हो चुका है। भविष्य में इसके और गंभीर होने की स्थिति पैदा हो गई है। हाल के नए अध्ययन से यह सच्चाई सामने आई है कि जलवायु परिवर्तन के कारण विश्वभर के महाद्वीपों में पानी की कमी बढ़ रही है। दूसरी ओर आबादी में वृद्धि, तेजी से हो रहा औद्योगीकरण, शहरीकरण, फसल तीव्रता और धरती के अंदर कम होते जलस्तर के कारण प्रति व्यक्ति पानी उपलब्धता लगातार कम हो रही है और सूखे के हालात बढ़ रहे हैं। वर्तमान में दुनिया की लगभग 40 फीसद भूमि खराब हो चुकी है। इसका सीधा असर 3.2 अरब लोगों पर पड़ रहा है। वर्ष 2050 तक दुनिया की लगभग 75 फीसद आबादी सूखे से प्रभावित होगी। दुनिया में बढ़ते रेगिस्तान को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनाइटेड नेशन कन्वेंशन टू कंबैट डेजर्टिफिकेशन (यूएनसीसीडी) और यूरोपीय कमीशन जॉइंट रिसर्च सेंटर 2024 के लिए जारी वर्ल्ड डेजर्ट एटलस में इस बात का खुलासा हुआ है।

यूएनसीसीडी के लिए जारी वर्ल्ड डेजर्ट एटलस में किया गया है सच्चाई का खुलासा

ऊर्जा, व्यापार और कृषि पर पड़ रहे असर की विस्तार से दी गई है जानकारी

- वर्तमान में खराब हो चुकी है दुनिया की लगभग 40 फीसद भूमि
- 3.2 अरब लोगों की जिंदगी को सीधे प्रभावित कर रही भूमि की हालत
- तेजी से हो रहे औद्योगीकरण और शहरीकरण ने भयावह बना दी है स्थिति
- फसल तीव्रता और धरती के अंदर कम होते जलस्तर की समस्या को दूर करना जरूरी

जलवायु परिवर्तन की वजह से महाद्वीपों में लगातार कम होता जा रहा जल

सोयाबीन उत्पादन में नुकसान

इस रिपोर्ट में भारत में सूखे के कारण सोयाबीन उत्पादन में भारी नुकसान का अनुमान लगाया गया है। इससे यह पता चलता है कि सूखा हमेशा एक प्राकृतिक घटना नहीं होता। 2020 से 2023 के बीच भारत में जल प्रबंधन की वजह से दंगे और तनाव बढ़े। एटलस में सूखे की वजह से ऊर्जा, व्यापार और कृषि पर पड़ रहे असर को विस्तार से बताया गया है।

खतरनाक स्थिति में कई देशों के हालात

रिपोर्ट बताती है कि इटली की सबसे लंबी नदी पो इतिहास में एक महत्वपूर्ण परिवहन केंद्र रही है। इसने देश के उत्तरी हिस्से को औद्योगिक शक्ति के रूप में विकसित करने में मदद सहयोग है। अब यह भयंकर सूखे का सामना कर रही है। इसी अवधि के दौरान पुर्तगाल ने का 99 प्रतिशत हिस्सा गंभीर या अत्यधिक सूखे की स्थिति में है। रोमानिया का लगभग 75 फीसदी हिस्सा सूखे से प्रभावित है। देश की अनाज की फसल में 30 मिलियन टन की गिरावट आने का अनुमान है। इसी तरह अफ्रीका का हॉर्न 40 वर्षों से अधिक समय के सबसे खराब सूखे का सामना कर रहा है।

मुंबई बस हादसे में 7 की मौत, 49 घायल

MUMBAI : मुंबई के कुर्ला में बेस्ट की बस ने सोमवार रात कई लोगों को कुचल दिया। हादसे में अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है। 49 घायलों का इलाज चल रहा है। इन्हें सायन और कुर्ला भाभा में भर्ती कराया गया है। हादसा कुर्ला पश्चिम रेलवे स्टेशन रोड पर अंबेडकर नगर में हुआ। बस कुर्ला स्टेशन से अंधेरी जा रही थी। बेस्ट की इन बसों का संचालन बृहन्नमुंबई म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) करता है। आरोपी ड्राइवर संजय मोरे सोमवार को पहली बार बस चला रहा था। वह 1 दिसंबर को ही कॉन्ट्रैक्ट ड्राइवर के रूप में बेस्ट में शामिल हुआ था। पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को अरेस्ट कर लिया है। संजय पर गैरइरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस को दिए बयान में उसने कबूल किया कि वह बस के ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन को लेकर कन्फ्यूज हो गया था। इधर, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मृतकों के आश्रितों को 5-5 लाख रुपये आर्थिक मदद दिए जाने की घोषणा की है।

इजरायल-अमेरिका पहले ही कर चुके हैं अटैक

सीरिया पर अब तुर्किये का हमला, मनबिज पर कब्जा

AGENCY NEW DELHI : सीरिया में असद सरकार के पतन के बाद दूसरे देशों के हमले तेज हो गए हैं। इजरायल ने सीरिया के दक्षिणी, अमेरिका ने मध्य और तुर्किये से जुड़े रिबेल फोर्स ने उत्तरी इलाके पर हमला किया है। रॉयटर्स के अनुसार, तुर्किये के रिबेल फोर्स ने सीरिया के उत्तरी इलाके मनबिज पर कब्जा कर लिया है। कुर्दिश सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्स (एसएफडी) ने 2016 में आईएसआईएस को हराकर मनबिज पर कंट्रोल हासिल किया था। मनबिज में एसडीएफ की हार के बाद कुर्द लड़ाकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए अमेरिका और तुर्किये के बीच समझौता हुआ था। इस बीच तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप एर्दोगन ने इस जीत पर कहा कि वे मनबिज से आतंकियों का सफाया होने से खुश हैं।

- दमिश्क में हथियारों के ठिकानों पर इजरायल के 100 से अधिक अटैक

BRIEF NEWS

विभिन्न पदों के लिए चयनित हुए 23 उम्मीदवार

SARAIKELA : जिला नियोजनालय में मंगलवार को जॉब कैंप लगाया गया, जिसमें विभिन्न पदों के लिए 23 उम्मीदवार चयनित हुए। जिला नियोजन पदाधिकारी आलोक कुमार टोपनो ने बताया कि टैलेंटनेक्सा सर्विसेज लिमिटेड व युवा शक्ति फाउंडेशन के अधिकारियों द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से फिटर, विएमसी ऑपरेटर, सीएनसी ऑपरेटर व मिग वेल्डर सहित अन्य पदों के लिए 23 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया गया। उन्होंने रोजगार की तलाश कर रहे जिले के सभी व्यक्तियों से आह्वान किया कि भविष्य में भी रोजगार शिविर एवं रोजगार मेला में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें एवं रोजगार के अवसर प्राप्त करें।

लंबित मामलों में बरतें पारदर्शिता : आयुक्त

DHANBAD : उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के आयुक्त पवन कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला समाहरणालय में बैठक हुई, जिसमें आयुक्त ने पदाधिकारियों को भूमि हस्तांतरण व लीज संबंधी मामलों में पारदर्शिता बरतने का निर्देश दिया। आयुक्त ने ऑनलाइन कोर्ट मॉनिटरिंग सिस्टम द्वारा न्यायालयीय वादों के निष्पादन एवं लंबित मामलों की भी समीक्षा की। इस दौरान अंचल अधिकारी, भूमि सुधार उपसमाहर्ता, अवर निबंधक आदि से न्यायालय वादों के निष्पादन की प्रक्रिया और लंबित मामलों की जानकारी ली। उन्होंने लंबे समय से लंबित मामलों का जल्द निष्पादन करने के लिए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया। म्यूटेशन के लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने संबंधित अंचलाधिकारियों को तय समयसीमा में निष्पादन करने को कहा। आयुक्त ने राजस्व संग्रहण, सभी भू-अर्जन, भूमि हस्तांतरण व लीज बंदोबस्ती, कोयला खनन परियोजना, रेलवे के प्रोजेक्ट, गोमो फ्लाईओवर आदि के सभी प्रासंगिक दस्तावेजों और प्रक्रियाओं की उचित जांच करने को कहा, ताकि भूमि विवादों और शिकायतों से बचा जा सके। इस मौके पर उपायुक्त, अपर समाहर्ता, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, निबंधन पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी, भू-अर्जन से संबंधित सभी संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कोल्हान स्तरीय पत्रकार सम्मान समारोह 15 को

JAMSHEDPUR : प्रेस क्लब ऑफ जमशेदपुर की ओर से 15 दिसंबर को कोल्हान प्रमंडल स्तरीय पत्रकार सम्मान समारोह-2024 होने जा रहा है। पारडीह स्थित होटल एनएच हिल में आयोजित कार्यक्रम में कोल्हान स्तर पर पत्रकारिता के क्षेत्र से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार, दिवंगत पत्रकारों के परिवार और वर्तमान में काम कर रहे पत्रकारों को उनके काम के आधार पर सम्मानित किया जाएगा। इसे लेकर मंगलवार को सर्किट हाउस में क्लब के अध्यक्ष संजीव भारद्वाज की अध्यक्षता में ऑफिस वियरर की बैठक हुई। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी महासचिव विकास श्रीवास्तव ने दी। बैठक में उपाध्यक्ष सुमित झा, राकेश सिंह, सहायक सचिव अमित तिवारी, वेद प्रकाश गुप्ता, कोषाध्यक्ष मनमन पांडेय, कार्यकारिणी सदस्य डॉ प्रमोद कुमार, कुमार मनीष व चंद्रशेखर शामिल थे। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि ओड़िशा के राज्यपाल रघुवर दास, विशिष्ट अतिथि झारखंड सरकार के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन और सम्मानित अतिथि के तौर पर सांसद बिद्युत बरण महतो शामिल होंगे।

मां-बेटी को जूतों की माला पहनाने पर केस

BOKARO : गोमिया थानांतर्गत महावीर स्थान में किशोरी और उसकी मां के मुंह में कालिख पोतने के साथ जूतों की माला पहनाकर गांव में घुमाने के मामले में स्थानीय गोमिया थाना पुलिस ने 8 नामजद सहित 12 अज्ञात लोगों के विरुद्ध केस दर्ज किया गया है। इसमें शंकर उर्फ चरका रविदास, विजय रविदास, राजकुमार रविदास, लालू रविदास, नूनू चंद रविदास, राजेश रविदास, चरकी देवी व ललकी देवी के साथ 12 अन्य अज्ञात हैं। इस मामले को लेकर एसपी मनोज स्वर्गियारी ने कहा है कि महिला और किशोरी का सामाजिक अपमान करना घोर निंदनीय घटना है। संबंधित थाने में केस दर्ज कर लिया गया है। घटना में जितने भी लोग आरोपित हैं, सबकी गिरफ़्तारी होगी। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। पूरे घटनाक्रम के बाद दोनों पीड़िता को मंगलवार को बाल कल्याण समिति बोकारो लाया गया। समिति के अध्यक्ष शंकर रवानी ने कहा कि पीड़िताओं से पूछताछ करने और विधिवत प्रक्रिया के बाद किशोरी को उसकी नानी को सौंप दिया गया है। महिला को वापस घर भेज दिया गया है। मामले में दुष्कर्म और जान से मारने की धमकी जैसी, जो भी बात सामने आएगी, उसे केस डायरी में दर्ज कराया जाएगा। मामले को लेकर बाल कल्याण समिति ने संज्ञान लेते हुए पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश जारी किया था। थाना में दिए आवेदन में पीड़िता ने कहा था कि रविवार शाम को नामजद आरोपियों सहित अन्य लोग उसके घर आए और मारपीट करने के साथ गाली गलौज की।

छात्रों पर हुआ लाठीचार्ज दागे आंसू गैस के गोले

जेपीएससी और सीजीएल परीक्षा में गड़बड़ी के खिलाफ हुआ उग्र प्रदर्शन

PHOTON NEWS HAZARIBAG: जेपीएससी और सीजीएल परीक्षा में गड़बड़ी को लेकर हजारीबाग जिले के छात्रों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। शांतिपूर्ण तरीके से मटवारी गांधी मैदान से शुरू हुआ यह प्रदर्शन शाम ढलते ही हिंसक हो गया। भारत माता चौक के पास छात्रों ने प्रशासन पर पथराव किया, जिसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल कर भीड़ को नियंत्रित किया। एसडीओ अशोक कुमार ने बताया कि छात्रों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन का वादा किया था और दिन में ऐसा ही रहा। लेकिन शाम होते ही कुछ छात्रों ने पथराव और बदमाशी शुरू कर दी। स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया है और उपद्रव करने वालों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

सड़क पर छात्रों की पिटाई करते पुलिस के जवान

विधायक ने जताई नाराजगी

स्थानीय विधायक प्रदीप प्रसाद ने छात्रों का समर्थन करते हुए कहा कि झारखंड के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने राज्य सरकार और संबंधित विभागों को चेतावनी देते हुए कहा कि परीक्षा लीक जैसी समस्याओं को रोकने के लिए सख्त और प्रभावी कदम उठाने होंगे। उन्होंने सदन में इस मुद्दे को उठाने और छात्रों की जायज मांगों का समर्थन करने का आश्वासन दिया।

पूर्व नियोजित प्रदर्शन, पुलिस की निगरानी

छात्रों का यह प्रदर्शन पूर्व निर्धारित था, जो मटवारी गांधी मैदान से शुरू होकर जेपीएससी की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए सड़कों तक पहुंचा। पुलिस ने हर चौक-चौराहे पर नजर रखी और सीसीटीवी कैमरों से प्रदर्शन की मॉनिटरिंग की। इसके बावजूद, छात्र एनएच-33 पर पहुंचकर सड़क जाम करने और टायर जलाने जैसी हरकतें करने लगे। शाम में प्रदर्शन उग्र होने पर दोनों पक्षों में झड़प हुई, जिसमें छात्र और पुलिसकर्मी घायल होने की खबर है। स्थिति पर काबू पाने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी • फोटोन न्यूज

खूंटी में पीएलएफआई के दो उग्रवादी किए गए गिरफ्तार

KHUNTI : प्रतिबंधित संगठन पीएलएफआइ के दो सक्रिय उग्रवादियों को पुलिस ने कर्रा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गये उग्रवादियों में पलसा कर्रा निवासी संदीप प्रमाणिक और रांची के इटकी थाना क्षेत्र के रानीडीह निवासी धनेश्वर महली शामिल है। इनके पास से पुलिस ने 72 हजार 500 रुपये नकद, एक स्कॉर्पियो और पांच मोबाइल फोन बरामद किये हैं। कर्रा थाना में मंगलवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में तोरपा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी क्रिस्टोफर केरकेट्टा ने बताया कि गत दो दिसंबर को कर्रा थाना क्षेत्र के चंदापारा रेलवे क्रासिंग के अंडरपास पुलिया निर्माण स्थल पर पीएलएफआइ के उग्रवादियों ने आगजनी की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अमन कुमार के निर्देश पर एसडीपीओ तोरपा के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने सोमवार को कर्रा थाना के पलसा गांव में छापेमारी कर कुख्यात उग्रवादी संदीप प्रमाणिक को गिरफ्तार कर लिया। इसके निशानदेही पर ग्राम पलसा से ही एक अन्य उग्रवादी धनेश्वर महली उर्फ दाने उर्फ धनंजय को पकड़ा गया। उसके पास से पीएलएफआइ संगठन का पर्चा, लेवी के 72,500 रुपये नकद , एक स्कॉर्पियो, आठ जिंदा कारतूस और मोबाइल बरामद किये गये।

चुटूपालू घाटी में ट्रेलर पलटा ड्राइवर और खलासी की मौत

घटनास्थल पर पलटा ट्रेलर • फोटोन न्यूज

RAMGARH : रामगढ़ थाना क्षेत्र के चुटूपालू घाटी में मंगलवार को सरिया लदा एक ट्रेलर खाई में जा गिरा। इस हादसे में ट्रेलर के ड्राइवर और खलासी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। रामगढ़ थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि मंगलवार के सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर रांची की ओर से आ रहा सरिया लदा ट्रेलर अनियंत्रित हो गया। घाटी में अनियंत्रित गाड़ी को ड्राइवर संभाल नहीं सका और वह खाई में जा गिरा। इस दुर्घटना में ड्राइवर और खलासी दोनों ही क्षतिग्रस्त टेलर के मलबे से दब गए, जिनसे उनकी मौत हो गई। क्रेन की सहायता से मलबे को हटाया गया और दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया। फिलहाल, ड्राइवर और खलासी की पहचान नहीं हो सकी है।

पाकुड़ के शिव-शीतला मंदिर में आभूषणों की चोरी

PAKUR : जिला मुख्यालय के प्रसिद्ध और ऐतिहासिक शिव-शीतला मंदिर में बदमाशों ने मां शाकम्बरी की मूर्ति पर चढ़ाए गए लाखों रुपये के आभूषणों पर हाथ साफ किया है। श्रद्धालु आज सुबह जब पूजा करने पहुंचे तो मंदिर में चोरी की जानकारी हुई। मंदिर के द्वार का ताला टूटा हुआ था और मूर्ति पर चढ़ाए गए चांदी के मुकुट, त्रिशूल सहित अन्य आभूषण गायब थे। इसके बाद मामले की सूचना श्रद्धालुओं ने नगर थाना पुलिस ने दी। पुरोहित वृजभूषण मिश्रा ने कहा कि चोरी किए गए सामानों में सोने का टीका, नथिया, चांदी का प्लेट, चरण पादुका, आसन, मोर सहित अन्य आभूषण शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मंदिर में फिलहाल पुलिस ने प्रवेश पर रोक लगा दी है और एफएसएल टीम की जांच के बाद ही श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।

शादी में जा रही बस पलटी 12 लोग हुए घायल, भर्ती

AGENCY HAZARIBAG : बिहार के सारण जिला के दिघवारा से रांची आ रही विक्रम नामक बस चरही घाटी के हत्यारी मोड़ के पास हादसे का शिकार हो गई। इसमें 12 लोग घायल हो गए, जिसमें चार की स्थिति गंभीर बनी हुई है। हादसा मंगलवार सुबह की है। मिली जानकारी के अनुसार हादसे के बाद मौके पर पुलिस पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल हजारीबाग ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद कुछ लोगों को रिम्स रांची रेफर कर दिया गया है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार सारण के दिघवारा के रहने वाले कामाख्या सिंह अपनी बेटी को लेकर शादी के लिए रांची जा रहे थे। शादी आज मंगलवार को ही होनी थी। बस में लगभग 60 लोग सवार थे। बताया जा रहा है कि बस चरही के हत्यारी मोड़ के पास अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई, जिसके कारण घटना घट गई। घायलों को मेडिकल कॉलेज हजारीबाग ले जाया गया।जबकि कई और घायलों को रिम्स भेजा गया है। हादसे में बस का कंडक्टर गंभीर रूप से घायल हो गया है। वहीं 22 वर्षीय सोनी सिंह के ठुड्डी में गहरी चोट लगी है,वहीं 12 वर्षीय प्रकाश कुमार के सिर में गहरी चोट लगी है। 55 वर्षीय उषा देवी का हजारीबाग में इलाज चल रहा है। हजारीबाग मेडिकल कॉलेज में इलाजरत पलक सिंह, ममता सिंह, सोनी सिंह, सुरभी सिंह, संजना देवी, रेखा सिंह, कश्मीर सिंह सहित कई का नाम शामिल है।

सड़क पर पलटी बस व जुटे लोग • फोटोन न्यूज

गांव के पुजारी की मौत के बाद ग्रामीणों में आक्रोश, अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे

AGENCY HAZARIBAG : जिला के केरेडारी प्रखंड के तारहेसा गांव में ग्रामीण देवता और मंदिर में पूजा-अर्चना करने वाले पुजारी नाया होरिल गंझू की मौत अचानक मंगलवार सुबह हो गई। इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि वे कई दिनों से एनटीपीसी और बीजीआर कंपनी से मांग कर रहे थे कि गांव के मंदिर क्षेत्र में डोजरिंग न की जाए और वहां का रास्ता सुरक्षित रखा जाए।

उनकी मांगों को लगातार नजरअंदाज किया गया, जिससे ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। इसके अलावा, गांव में बढ़ते प्रदूषण को लेकर भी ग्रामीण लंबे समय से परेशान हैं। प्रदूषण के कारण गांव में विभिन्न बीमारियां फैल रही हैं, लेकिन कंपनी इस दिशा में कोई कदम नहीं उठा रही है। घटना के बाद नाराज ग्रामीणों ने कंपनी का काम पूरी तरह से बंद करा दिया है और अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं। गांव के हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं और प्रशासन ने अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। ग्रामीणों ने बताया कि उपमहाप्रबंधक सुभाष प्रसाद गुप्ता,प्रबंधक शिव प्रसाद, एचआर रोहित पाल क्षेत्र में काफी मनमानी कर रहे हैं। कई बार हम लोगों ने इसकी शिकायत उच्च अधिकारियों को दिया लेकिन अधिकारी एनटीपीसी के अधिकारियों से मिली भगत के कारण ग्रामीणों की बातों को अनसुना कर रहे है।

धरनास्थल पर जुटे लोग • फोटोन न्यूज

पिकअप और बाइक की टक्कर में एक की मौत, दो घायल

DUMKA : कड़कड़ाती ठंड और घने कोहरे के बीच मंगलवार को दुमका-देवघर मुख्य पथ भेलवा मोड़ के पास एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गयी। जिले के तालझारी थाना क्षेत्र में बाइक और पिकअप के बीच घटित इस जोरदार भिड़ंत में यह घटना घटी। वहीं दुर्घटना में अन्य दो गंभीर रूप से घायल हो गए। सड़क हादसे में मौत का शिकार हुए व्यक्ति की पहचान मोती मियां के रूप में की गयी है। जबकि घायलों की पहचान समसुल मंसूरी और फिरोज मंसूरी के रूप में हुई है। मृतक और घायल तालझारी थाना के गेंडी का निवासी बताया जा रहा है। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जरमुंडी पहुंचाया गया। जहां डॉ पूनम बारला ने गंभीर रूप से जख्मी दोनों व्यक्तियों का प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं मृतक मोती मियां को पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया ।

रक्तदान के प्रति ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता जरूरी: डॉ मांझी

रक्तदाताओं को सम्मानित करते पदाधिकारी • फोटोन न्यूज

KHUNTI : रेड क्रॉस सोसाइटी और सदर अस्पताल खूंटी के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को तोरपा प्रखंड परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्वास्थ्यकर्मी विनेश कुमार, शिक्षक राकेश कुमार और रंजीत केशरी, भाजयुमो के नीरज जयसवाल सहित 30 लोगों ने रक्तदान किया। इसके पूर्व सिविल सर्जन डॉ नागेश्वर मांझी, तोरपा के प्रखंड विकास पदाधिकारी नवीन चंद्र झा और अंचलाधिकारी पूजा बिन्हा ने शिविर का विधिवत उद्घाटन किया। मौके पर सिविल सर्जन ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में रक्तदान शिविर के आयोजन का उद्देश्य रक्तदान के प्रति लोगों में जागरूकता लाना है और जिले में खून की कमी को पूरा करना है। उन्होंने कहा कि आज भी रक्तदान को लेकर लोगों में कई तरह की भ्रांतियां हैं। लोगों को लगता है कि खून देने से शारीरिक कमजोरी आयेगी और सेहत पर इसका कुप्रभाव पड़ेगा, लेकिन ठीक इसके विपरीत रक्तदान से हमारा शरीर और सेहतमंद हो जाता है।

धान खरीद में धांधली कर रहे बिचौलियों को बनाया बंधक

- बोकारो जिला के गोमिया का मामला, सरकारी दर से 750 रुपये कम में खरीद रहा था

BOKARO : सरकारी स्तर पर 15 दिसंबर से धान खरीद शुरू होने के पहले ग्रामीण क्षेत्रों में बिचौलिए किसानों से मनमाने दाम पर धान खरीद रहे हैं। मंगलवार को गोमिया प्रखंड के लोधी पंचायत अंतर्गत पेजुआ गांव में बिचौलियों द्वारा सरकारी मूल्य से कम में खरीदने के साथ वजन में भी भारी हेरफेर करने का मामला सामने आया है। इसे लेकर खूब हंगामा हुआ और ग्रामीणों ने तीन बिचौलियों को बंधक बनाकर पुलिस के हवाले कर दिया। बिचौलिए सरकारी दर 2400 रुपये से 750 रुपये कम यानी 1670 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीद रहे थे, इसके साथ प्रति क्विंटल 24 किलो तक की घालमेल कर रहे थे। किसानों ने शक के आधार पर दोबारा वजन कराया, तो हेराफेरी पकड़ी गई। इसके बाद किसानों का आक्रोश बढ़ा और जमकर बवाल काटा। मौका देख एक बिचौलिया फरार हो गया लेकिन तीन पकड़े गए। घटना की सूचना पर पहुंची चतरोचट्टी थाना पुलिस ने धान लदा पिकअप वैन सहित तीन बिचौलियों को पकड़कर थाना ले गई। किसान महेश साव ने बताया कि 1670 रुपये प्रति क्विंटल धान खरीदने का रेट तय किया गया था। बिचौलिए अपने साथ मशीन लाए थे। उसका 34 बोरा धान हुआ, जिसका 17 क्विंटल वजन किया गया और बिचौलियों ने अपने वाहन में लोड कर लिया। किसान को संदेह हुआ तो पड़ोस के एक दुकानदार से वजन करने की मशीन मंगाई। एक बोरा धान का वजन किया तो पाया कि इसमें 24 किलो धान ज्यादा था। इस हिसाब से कुल मिलाकर लगभग चार क्विंटल से ज्यादा धान की हेराफेरी की गई थी।

अंतरराष्ट्रीय पिकनिक स्पॉट बना कौलेश्वरी पर्वत, नववर्ष पर आते हैं बेशुमार सैलानी

विदेशी पर्यटकों को भी खूब लुभाती है यहां की प्राकृतिक खूबसूरती

AGENCY CHATRA: नव वर्ष का आगमन और पुराने साल की विदाई के मौके पर चतरा जिले के हंटरगंज प्रखंड के विश्व प्रसिद्ध तीर्थ स्थली व धार्मिक पर्यटन स्थल कौलेश्वरी पहाड़ अंतर्राष्ट्रीय पिकनिक स्पॉट के रूप में शुमार है। यह जगह झारखंड और बिहार के सीमांत क्षेत्र में है। यहां जापान, चाइना, श्रीलंका, अमेरिका, भूटान, नेपाल, तिब्बत, कनाडा, सहित विभिन्न देशो से हजारो की संख्या में पर्यटकों का आगमन होता है। इस दौरान पूरा पर्वत विश्व के कई देशों के पर्यटकों से गुलजार होता है। पहाड़ में लोग पिकनिक का लुत्फ उठाते हैं। अलग-अलग देशो से आए पर्यटक एक दूसरे को अपने-अपने देशों के व्यंजन खिलाकर उनका स्वागत करते हैं। इस दौरान पूरा पहाड़ देशी और विदेशी व्यंजनो की खुशबू से महक उठता है।

कौलेश्वरी मंदिर का प्रवेशद्वार व पहाड़ की प्राकृतिक छटा • फोटोन न्यूज

कौलेश्वरी पर्वत पर मां कौलेश्वरी का प्रसिद्ध मंदिर है। यहां शारदीय और वासंतिक नवरात्रों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ती है। देश-विदेश से श्रद्धालु यहां आ कर मां की साधना करते हैं। तो वहीं नए वर्ष के आगमन पर पर्यटक यहां पहुंचकर प्रकृति का आनंद उठाते हैं। यह स्थल तीन धर्मों का संगम स्थली भी है। सनातन धर्म के साथ-साथ यहां बौद्ध और जैन धर्मावलंबी भी पहुंचते हैं।

दो हजार फीट की उंचाई पर स्थित सरोवर आगंतुकों को करता है आकर्षित : कौलश्वरी पहाड़ के सबसे उपर लगभग 2000 फिट पर स्थित सरोवर देशी समेत विदेशी पर्यटकों को काफी आकर्षित करता है। इतने उंचाई पर स्थित सरोवर में फोटो खिंचवाने और सेल्फी के लिए स्थानीय सैलानियों के साथ विदेशी पर्यटको का हुजूम उमड़ पड़ता है। वहीं पहाड़ पर स्थित विशाल गुफाएं विदेशी पर्यटकों के लिए किसी आशियाने से कम नही होता। गुफाओ में विदेशी पर्यटक ठहरते हैं और इस अदभुत दृश्य को अपने कैमरे में कैद कर अपने देश ले जाते हैं। पहाड़ पर स्थित भीम गुफा, मंडवा मंड़इ, बाणगंगा, भीम पहाड़ सहित दर्जनो प्राचीन स्थलों पर जाकर अपना समय व्यतीत करते हैं।

पहाड़ के शिखर पर करते नए साल का स्वागत

कौलेश्वरी पर्वत के सबसे उंचे शिखर आकाश लोचन पर चढ़कर विदेशी और स्थानीय पर्यटक नए साल का स्वागत करते हैं और अपने अपने देश का झंडा लगाकर नए साल को यादगार बनाते हैं। नए साल के आगमन और विदेशी पर्यटकों के कौलेश्वरी पहाड़ आने पर स्थानीय लोगों को रोजगार मिलता है।

यहां आज भी छिपे कई रहस्य

कौलेश्वरी पर्वत पर आज भी कई रहस्य छुपे हुए हैं। जिसका उद्भेदन इस वैज्ञानिक युग में भी नहीं हो पाया है। यहां का अकाश लोचन और भीम गुफा काफी रमणिका स्थल है। भीम गुफा में कई रहस्य आज भी दबे हुए हैं। लगभग 2000 फीट की ऊंचाई पर पहाड़ के अंतिम शिखर पर स्थित सरोवर भी रहस्यों से भरा हुआ है। यह सरोवर गर्मी, बरसात, शरद कभी भी नहीं सुखता है। पहाड़ पर पहुंचने वाले आगंतुक सरोवर की शीतल जल से स्नान करना नहीं भूलते।

प्रसिद्ध निरंजना नदी के तट पर बसा

जिले का विश्व प्रसिद्ध कौलेश्वरी पहाड़ उत्तरवाहिनी निरंजना नदी के तट पर बसा हुआ है। नीरजना बिहार के गया में जाकर फल्गु नदी के नाम से प्रसिद्ध है। यह मोक्षदायिनी नदी है। कौलेश्वरी पर्वत पर पहुंचने वाले लोग एक बार निरंजना के दीदार के लिए जरूर पहुंचते हैं।

अज्ञातवास में पहुंचे थे पांडव

किदवंती है कि महाभारत काल में अज्ञातवास के समय पांडव यहां समय गुजारे थे। इसके कई निशान पर्वत पर आज भी मौजूद है। भीम गुफा को महाभारत काल से ही जोड़कर देखा जाता है।

BRIEF NEWS

हेमंत और कल्पना से मिले सांसद नलिन

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी विधायक पत्नी कल्पना सोरेन से मंगलवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में सांसद नलिन सोरेन तथा उनके परिजनों ने मुलाकात की। साथ ही उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

किसी तरह का अन्याय बर्दाश्त नहीं : मंत्री इरफान

RANCHI : राज्य के प्राइवेट नर्सिंग होम, हॉस्पिटल और डायग्नोस्टिक सेंटरों की मनमानी पर रोक लगाने की कवायद शुरू कर दी गई है। इस संस्थाओं को कंट्रोल करने के लिए स्टेट लेवल पर नियामक संस्था का गठन किया जाएगा। इसका ऐलान राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में की है। उन्होंने कहा कि नियामक संस्था आम नागरिकों के हितों की सुरक्षा के साथ स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी भी करेगी। उन्होंने जोर देकर कहा है कि आम लोगों के हितों के साथ किसी तरह का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सदर हॉस्पिटल में लगा रक्तदान शिविर

RANCHI : मंगलवार को विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर स्वैच्छिक रक्तदान संगठन लहू बोलेगा संस्था ने रक्तदान शिविर लगाया। रांची के सदर अस्पताल ब्लड बैंक में शिविर सुबह 11 बजे से लेकर दोपहर 3 बजे तक चला। शिविर का का उद्घाटन मौलाना डॉ. ओबैदुल्लाह कासमी (खातिब रांची, मौलाना आजाद कॉलेज) और मौलाना तहजीबुल हसन रिजवी (झारखंड वक्फ बोर्ड, जफरिया मस्जिद रांची) द्वारा किया गया। रक्तदान शिविर में 5 लोगों ने रक्तदान किया। इस दौरान लहू बोलेगा ने 4 नियमित रक्तदाताओं को मेडल देकर सम्मानित किया। अंतरराष्ट्रीय संगठन मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण संरक्षण झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष वारिस पठान, उपाध्यक्ष सरदार परमजीत सिंह चाना, अधिवक्ता अजय कुमार सिंह और मीना कच्छप ने लहू बोलेगा के संस्थापक नदीम खान, सिविल सर्जन रांची डॉ. प्रभात कुमार और सर्जन डॉ. सैद अलमस को सम्मानित किया।

बुनियादी सुविधा नहीं मिलने से धरने पर लाभुक

RANCHI : प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में धुर्वा पंचमुखी मंदिर के पास लाइट हाउस प्रोजेक्ट के तहत बेघरों के लिए 1008 आवासों का निर्माण किया गया है। इस लाइट हाउस का 10 मार्च 2024 को पीएम नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल उद्घाटन किया था। अब तक लगभग 150 परिवार लाइट हाउस में शिफ्ट कर चुके है। यहां के लाभुक बुनियादी सुविधाओं और कंस्ट्रक्शन क्वालिटी को लेकर लगातार शिकायत करते है। इसी कड़ी में मंगलवार को अ 611 निवासी संजय रजा धरने पर बैठ गए। उनका कहना था कि जो उन्हें जो सपने दिखाए गए थे उसे पूरा नहीं किया गया है।

उपायुक्त के औचक निरीक्षण के दौरान ड्यूटी से गायब मिले अंचलाधिकारी

कांके सीओ को डीसी ने जारी किया शो-कॉज नोटिस, वेतन पर भी रोक

अनुपस्थित रहने वाले कई अन्य कर्मचारियों पर भी होगी कार्रवाई

बायोमीट्रिक अटेंडेंस की जांच की, जनता की समस्याओं पर दिखे गंभीर

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कांके प्रखंड और अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पदाधिकारियों और कर्मियों की उपस्थिति की जांच की। अंचल अधिकारी जय कुमार ड्यूटी पर नहीं मिले। उपायुक्त ने उन्हें शो-कॉज नोटिस जारी करते हुए उनका वेतन रोकने का निर्देश दिया। इसके साथ ही कांके अंचल के अमीन रामलाल महतो के 9 और 10 दिसंबर 2024 को हेहल अंचल में कार्य करने को लेकर सत्यापन करने को भी कहा। इसके अलावा उन्होंने अनुपस्थित पाए गए कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने बायोमीट्रिक अटेंडेंस सिस्टम से सभी कर्मियों की उपस्थिति की जांच की। उन्होंने बीडीओ को अनधिकृत रूप से कार्यालय में उपस्थित रहने वाले कर्मियों पर नियमानुसार कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया।

अंचल कार्यालय में कर्मियों को निर्देश देते उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री। • फोटोन न्यूज

जन समस्याओं का करें समाधान

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने कार्यों को समयबद्ध करें, ताकि आमजन को बार-बार कार्यालय के चक्कर न काटना पड़े। उन्होंने यह भी कहा कि सभी पेंडिंग मामलों का शीघ्र निपटारा किया जाए। विशेषकर म्यूटेशन और अबुआ आवास से संबंधित मामलों में तेजी लाने की जरूरत है। बढ़ती ठंड को देखते हुए कांके प्रखंड के प्रमुख स्थानों पर अलाव की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

समय पर आएं कर्मचारी

डीसी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कांके का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सभी चिकित्सकों और कर्मचारियों को समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके अलावा एंबुलेंस की स्थिति, साफ-सफाई और आवश्यक मेडिकल सुविधाओं की भी जांच की। उपायुक्त ने प्रखंड और अंचल कार्यालय परिसर की समुचित साफ-सफाई का भी निर्देश दिया। उन्होंने वहां पानी, बिजली, शौचालय, सोलर सिस्टम का भी जायजा लिया।

अवैध बालू लदे कई वाहनों को किया जब्त

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आदेश के बाद जिला प्रशासन अवैध खनन पर रोक लगाने को लेकर एक्शन मोड में गया है। रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने जिला खनन पदाधिकारी को कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जिला खनन पदाधिकारी और माइनिंग इंस्पेक्टर ने नामकुम और अनगड़ा थाना क्षेत्रों में अवैध रूप से बालू उठाव को लेकर औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कई अवैध बालू लदी गाड़ियां पकड़ी। गश्ती के दौरान नामकुम और अनगड़ा क्षेत्र में बालू लदी टर्बो गाड़ियों को पकड़ा गया। हालांकि अधिकारियों को देखने के बाद ड्राइवर वाहन छोड़कर मौके से भाग गए। चेकिंग के दौरान वाहनों में कोई वैध कागजात नहीं पाया गया। इन वाहनों को जब्त कर पुलिस के हवाले कर दिया गया है। इसके अलावा अनगड़ा से रांची की ओर जा रहे अन्य अवैध बालू लदे वाहनों को भी रोका गया।

सिरमटोली फ्लाईओवर निर्माण कार्य को लेकर कैंसिल की गई कई ट्रेनें

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी के लोगों को जल्द ही सिरमटोली फ्लाईओवर का तोहफा मिलने वाला है। इसके निर्माण का कार्य अंतिम रूप ले रहा है। रांची रेलवे स्टेशन के पास रेल लाइन के ऊपर ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है। एजेंसी ने निर्माण को लेकर पहले भी रेलवे से ब्लॉक मांगा था। अब दूसरे चरण में एक बार फिर रेलवे ने ब्लॉक के लिए अनुमति दी है। रांची रेल मंडल के अनुसार, चार लेन वाले सिरमटोली सड़क सह रेल ऊपरी पुल निर्माण कार्य के लिए ब्लॉक लिया जाएगा। इस दौरान रांची से होकर चलने वाली करीब डेढ़ दर्जन ट्रेनें प्रभावित रहेंगी।

• रांची रेलवे स्टेशन के पास रेल लाइन के ऊपर किया जा रहा ब्रिज का निर्माण

इन ट्रेनों को किया गया कैंसिल

- 18612 वाराणसी-रांची एक्सप्रेस कब तक रद्द रहेगी 15, 21 व 22 दिसंबर तक रद्द रहेगी।
- 18611 रांची-वाराणसी एक्सप्रेस 16, 20 व 21 दिसंबर तक रद्द रहेगी।
- 18312 वाराणसी-विशाखापत्तनम एक्सप्रेस 23 दिसंबर तक रद्द रहेगी।
- 18311 विशाखापत्तनम वाराणसी एक्सप्रेस 22 दिसंबर तक रद्द रहेगी।
- 18602/18601 हटिया-टाटानगर-हटिया एक्सप्रेस 16 से 26 दिसंबर तक रद्द रहेगी।
- 18628/18627 रांची-हावड़ा-रांची एक्सप्रेस 16 व 22 दिसंबर तक रद्द रहेगी।
- 08196/08195 हटिया-टाटानगर-हटिया मेमू 16 व 19 से 22 तक रद्द रहेगी।
- 08607/08608 हटिया-सांकी-हटिया मेमू 16 से 26 दिसंबर तक रद्द रहेगी।
- 08617/08618 हटिया-सांकी-हटिया मेमू 16 से 26 दिसंबर तक रद्द रहेगी।
- 18036/18035 हटिया-खड़गपुर-हटिया एक्सप्रेस 16 से 26 दिसंबर तक रद्द रहेगी।
- 18175/18176 हटिया-झारसुगुड़ा-हटिया एक्सप्रेस 16 से 26 दिसंबर तक रद्द रहेगी।
- 08696/08695 रांची-बोकारो स्टील सिटी-रांची मेमू 16 और 18 से 22 दिसंबर तक कैंसिल रहेगी।

सदन में जमकर गरजे जयराम महतो, सीजीएल का उठाया मुद्दा

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के छठे विधानसभा का पहला सत्र चल रहा है। सोमवार को सभी विधायकों ने शपथ ली और आज मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष के तौर पर नाला विधायक रवींद्र नाथ महतो को चुन लिया गया। वहीं अपने बयानों और तेवर से चर्चा में रहने वाले नवनिर्वाचित विधायक जयराम महतो ने विधानसभा में अपने पहले भाषण में राज्य का ज्वलंत मुद्दा उठाया। जयराम ने झारखंड सीजीएल परीक्षा के अभ्यर्थियों का मुद्दा उठाया। जयराम महतो ने सदन में सीजीएल के मुद्दे उठाते हुए बोला कि उन्होंने छात्र आंदोलन के माध्यम से पहचान बनाई। जयराम ने आगे कहा कि झारखंड के लाखों

अभ्यर्थी सड़कों पर हैं। उन्होंने सीएम हेमंत सोरेन से कहा कि वह सदन से बाहर आकर उन अभ्यर्थियों से मिलें। वो आपके ही बच्चे हैं। सीएम हेमंत उन्हें संतुष्ट करें और उनकी बातों को सुनें। जयराम ने सीएम हेमंत को बच्चों से मिलकर समस्या का निदान करने को कहा। विधानसभा में घुसने से पहले पत्रकारों से जयराम से सीजीएल परीक्षार्थियों को लेकर सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि निर्सदेह सीजीएल के मुद्दों को रखेंगे। जयराम ने इस दौरान अफ्रीकी देश कैमरून में फंसे मजदूरों का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि राज्य के 45 मजदूर कैमरून में फंसे हैं। उनकी सकुशल वापसी की मांग की है। जयराम नवनियुक्त विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो को धन्यवाद देने के लिए खड़े हुए थे और इस दौरान इन मुद्दों को उठाया। सोमवार से शुरू हुए विधानसभा सत्र के दौरान जयराम ने जमकर सुर्खियां बटोरी। अपने कपड़े से लेकर विधानसभा को प्रणाम करने तक उनकी चर्चा होती रही। जयराम आज भी नंगे पांव विधानसभा पहुंचे थे।

रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन सहित नौ आरोपियों की हिरासत अवधि बढ़ी

RANCHI : सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन की फर्जी तरीके से खरीद-बिक्री करने से जुड़े मामले में जेल में बंद रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन सहित नौ आरोपियों की हिरासत अवधि धन-शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) कोर्ट ने बढ़ा दी है। इससे पूर्व मामले में जेल में बंद नौ आरोपितों को कोर्ट में मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश किया गया। अदालत ने छवि रंजन, कोलकाता कारोबारी अमित अग्रवाल, बड़गाई अंचल के तत्कालीन राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, फर्जी रैयत प्रदीप बागची, जमीन दलाल अफसर अली उर्फ अफ्सू खान, डोरंडा के मनी टोला का निवासी इम्तियाज अहमद, बड़गाईं निवासी मो. सद्दाम हुसैन, तल्हा खान एवं फैयाज अहमद की हिरासत अवधि बढ़ा दी है।

विकास की राह में खड़े अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं को पहुंचाना प्राथमिकता : मंत्री

PHOTON NEWS RANCHI : अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री चमरा लिंडा ने मंगलवार को मोरहाबादी स्थित कल्याण कॉम्प्लेक्स कार्यालय का भ्रमण किया। मौके पर आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा सहित अन्य अधिकारियों ने उनका अभिवादन किया। लिंडा ने कल्याण परिसर के सभी कार्यालयों के सभी कर्मियों से परिचय लिया तथा विभाग के जरिये संचालित सभी योजनाओं के अद्यतन कार्य प्रगति की जानकारी ली। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के जरिये संचालित सभी योजनाओं का लाभ विकास की राह में खड़े अंतिम व्यक्ति तक

मंत्री चमरा लिंडा। • फोटोन न्यूज

पहुंचाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं का लाभ ससमय पूरी पारदर्शिता के साथ लाभुकों तक पहुंचे। इस निमित्त प्रतिबद्धता के साथ कार्यों का संपादन करें। सभी प्रकार की छात्रवृत्ति राशि का वितरण, साइकिल वितरण, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन सहित विभाग के जरिये चलाए जा रहे अन्य महत्वाकांक्षी योजनाओं का पूर्ण लाभ पात्र गरीब जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे यह हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि राज्य के भीतर अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के बच्चों को भी हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का समान अवसर प्रदान करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इस अवसर पर राज्य के आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा, प्रबन्ध निदेशक नेलसम बागे, प्रबन्ध निदेशक सुधीर बारा, टी आर आई से उपनिदेशक मोनिका टूटी सहित अन्य अधिकारी और कर्मी उपस्थित थे।

पंच प्रण थीम पर राष्ट्रीय युवा महोत्सव 14 से, तैयारियां पूरी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड खेल एवं युवा कार्य विभाग की ओर से आगामी 14 दिसंबर से पंच प्रण थीम पर राष्ट्रीय युवा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव की तैयारियां पूरी कर ली गयी है। रांची के ऑड्रे हाउस में 14 दिसंबर को जिला स्तरीय और 16 दिसंबर को प्रमंडल स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। इस महोत्सव में कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा, जिनमें सामूहिक लोकनृत्य, सामूहिक लोकगीत, एकल लोकनृत्य, एकल लोकगीत, चित्रकला, भाषण, विज्ञान मेला (एकल), कहानी लेखन, कविता लेखन, विज्ञान मेला (सामूहिक), फोटोग्राफी शामिल हैं। राष्ट्रीय युवा महोत्सव में आयोजित होने वाली

प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों को 12 दिसंबर तक विकास भवन स्थित जिला खेल कार्यालय में रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इसके अलावा प्रतिभागियों को पंजीकृत कराना होगा। प्रतिभागी की उम्र कम से कम 15 और अधिकतम 29 वर्ष होनी चाहिए। जिला स्तर पर चयनित विजेता प्रमंडल स्तर पर भाग ले सकते हैं। बता दें कि राष्ट्रीय युवा महोत्सव रांची में एक नई ऊर्जा और उत्साह लेकर आया है। यह महोत्सव युवाओं को एक मंच प्रदान करता है।

बीएयू ने रिसर्च प्रोजेक्ट के तहत बकरियों का किया टीकाकरण

RANCHI : बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में आईसीएआर के सहयोग से चल रही बकरी संबंधी अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत पूर्वी सिंहभूम जिला के बारांकी में पेस्टेरोटोक्सीमिया रोग से बचाव के लिए 454 बकरियों का टीकाकरण किया। इस दौरान किसान गोष्ठी में बकरीपालकों को आधुनिक बकरी पालन की तकनीकी जानकारी दी गई। बकरी क्षेत्र में विकास दर के मामले में देश में झारखंड पश्चिम बंगाल के बाद दूसरा राज्य है। यहां पिछले 5 वर्षों के दौरान इस क्षेत्र में लगभग 39% का विकास रहा। झारखंड में इस काम में ज्यादातर महिलाएं जुड़ी हैं, जिन्हें इस सेक्टर के विकास से आर्थिक रूप से ज्यादा सशक्त बनाया जा सकता है।

लकड़ी पुल के पास नाले में मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची के हिंदपीढ़ी मोजाहिद नगर लकड़ी पुल के पास नाले में एक युवक का शव मिला है। शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। युवक की पहचान हिंदपीढ़ी के निजाम नगर निवासी मो. रिजवान (22 वर्ष) के रूप में की गई है। पुलिस मामले में हत्या और हादसा दोनों बिंदुओं पर जांच कर रही है। मामले को लेकर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई

की जाएगी। वहीं शव बरामद होने के बाद मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंचे। परिजनों ने पुलिस को बताया कि मो. रिजवान पिछले पांच दिनों से घर नहीं आ रहा था। वह नाले के पास ही रहता था। वहीं पुलिस मृतक के परिजनों से पूछताछ कर रही है कि आखिर किस वजह से वह घर नहीं आ रहा था। परिजनों का कहना है कि रिजवान छोटी-मोटी नौकरी करता था, कभी ड्राइवर का काम करता था तो कभी बिजली मिस्त्री का। किसी तरह वह अपनी रोजी-रोटी चलाता था। वहीं मामले में कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर मामले की जांच कर रही है। साथ ही परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

बार काउंसिल ने जिला एसोसिएशन से मांगे 50 रुपये प्रति वकालतनामा

RANCHI : झारखंड स्टेट बार काउंसिल (जेएसबीसी) द्वारा जिला बार एसोसिएशन को प्रति वकालतनामा में 50 रुपए काउंसिल के लिए इकट्ठा करने के आदेश को लेकर किचकिच शुरू हो गयी है। स्टेट बार काउंसिल के सदस्य मनोज सिंह ने काउंसिल की ओर से वकालतनामा में 50 रुपए का इजाफा करने के आदेश पर अपना विरोध जाहिर करते हुए जेएसबीसी को पत्र लिखा है। काउंसिल अध्यक्ष को लिखे गये अपने पत्र में उन्होंने कहा है कि जिला बार एसोसिएशन से प्रत्येक वकालतनामा में काउंसिल के लिए 50 रुपए इकट्ठा करने का आदेश नियमसंगत नहीं है। इससे वित्तीय अनियमितता होने की आशंका है। साथ ही इससे जिला बार एसोसिएशन के साथ-साथ आम लोगों पर भी बोझ पड़ेगा।

सुविधा : राजधानी के दूसरे बड़े सरकारी हॉस्पिटल में सस्ती दर पर मरीजों की हो रही जांच

सिर्फ 16 में ईसीजी और 70 रुपये में कराइए एक्सरे

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी के दूसरे सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने के दावे किए जा रहे है। सुविधाओं में भी लगातार बढ़ोतरी की जा रही है। यहीं वजह है कि यहां पर मरीजों की भीड़ बढ़ गई है। लेकिन, क्या आप ये जानते है कि इस हॉस्पिटल में मात्र 16 रुपए में ईसीजी किया जाता है। 70 रुपये में मरीजों का एक्सरे किया जा रहा है। इतना ही नहीं 180 रुपये में अल्ट्रासाउंड किया जा रहा है। कहने को तो सदर हॉस्पिटल में मामूली दर पर मरीजों की जांच से बड़ी राहत मिल रही है। सदर हॉस्पिटल में की

सुपरस्पेशियलिटी विभाग शुरू हो चुके है। इसमें कार्डियोलॉजी, ऑकोलॉजी, आब्स एंड गायनी, पेडियाट्रिक वार्ड, जेरियाट्रिक वार्ड, डेंटल, सर्जरी के अलावा कई अन्य विभाग भी है। इन विभागों में आए दिन मरीज इलाज के लिए आ रहे हैं। कुछ विभागों में तो मरीजों का आंकड़ा हजारों में है। इन मरीजों को भी जांच कराने में ज्यादा पैसे खर्च नहीं करने पड़ते।

कुछ जरूरी टेस्ट की रेट चार्ट (रुपये में)

चेस्ट पीए	70	राइट थाई एपी एंड लैट	140	टीएमटी	400
चेस्ट एपी	70	लेफ्ट थाई एपी एंड लैट	140	रूम रेंट शेयरिंग	500
चेस्ट लैट	70	राइट थाई एपी	70	रूम रेंट	1000
चेस्ट ओबीएल	70	लेफ्ट थाई एपी	70	एक दांत निकालना	80
राइट हैंड एपी एंड ओबीएल	140	राइट थाई लैट	70	रूट कैनाल ट्रीटमेंट प्रति दांत	500
लेफ्ट रिस्ट एंड ओबीएल	140	लेफ्ट थाई लैट	70	मेटल क्राउन प्रति यूनिट	500
राइट रिस्ट एंड ओबीएल	140	राइट नी एपी एंड लैट	140	यूएसजी लोअर एबडोमेन	180
लेफ्ट रिस्ट एपी एंड ओबीएल	140	लेफ्ट नी एपी एंड लैट	140	यूएसजी अपर एबडोमेन	180
राइट रिस्ट एपी एंड ओबीएल	140	बोथ नी एपी एंड लैट	210	यूएसजी होल एबडोमेन	180
राइट फोर आर्म एंड लैट	140	बोथ नी एपी लैट एंड स्काइलीन	280	ब्लड ग्रुप	15
लेफ्ट फोर आर्म एंड लैट	140	राइट लेग एपी एंड लैट	140	एचबीएस एजी	90
लेफ्ट एल्बो एपी एंड लैट	140	लेफ्ट लेग एपी एंड लैट	140	आरए फैक्टर	23
राइट आर्म एपी एंड लैट	140	केयूबी	70	रएस स्टूल	20
सी स्पाइन एपी एंड लैट	140	एबडोमेन इरेक्ट	70	स्टूल आक्यूट ब्लड	10
डी एल स्पाइन एंड लैट	140	एबडोमेन एपी एंड लॉ	140	यूरीन सी एंड एस	20
एल एस स्पाइन एपी एंड लैट	140	स्कल एपी	70	वीडीआरएल	100
पेल्विस एपी	70	स्कल एपीड एंड लैट	140	हेपेटाइटिस	200
पेल्विस लैट	70	ईसीजी	16	विडाल टेस्ट	20

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा की हो सीबीआई जांच : बाबूलाल मरांडी

RANCHI : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने फिर एक बार राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जेएसएससी-सीजीएल के परिणाम में कई विसंगतियां पाई गई हैं। लगातार सीरियल क्रम से अभ्यर्थियों के उत्तीर्ण होने के बाद परीक्षार्थियों के मन में सीजीएल परीक्षा में गड़बड़ी की शंका और गहरी हो चुकी है। मरांडी मंगलवार को सदन के बाहर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लाखों छात्र आरोप लगा रहे हैं कि परीक्षा में सीट बेचने का आरोप लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से निवेदन करते हुए कहा कि छात्रों की संतुष्टि के लिए जेएसएससी सीजीएल परीक्षा की पूरी प्रक्रिया की सीबीआई जांच कराएं।

राज्य में बढ़ी ठंड, अगले पांच दिनों तक नहीं होगी बारिश

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में हुई बारिश के बाद ठंड काफी बढ़ गयी है। रांची सहित अन्य जिलों में मंगलवार सुबह घना कोहरा देखा गया। मौसम विभाग के अनुसार, झारखंड में फिलहाल बारिश नहीं होगी। अगले पांच दिनों तक बारिश के आसार नहीं हैं। मौसम विभाग ने राज्य के पलामू और गढ़वा सहित 14 जिलों में घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। इनमें गढ़वा, पलामू, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, देवघर, दुमका, गोड्डा, साहिबगंज, पाकुड़, सरायकेला-खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम और पूर्वी सिंहभूम शामिल हैं। इस संबंध में रांची मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने मंगलवार को

बताया कि अगले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में तीन से पांच डिग्री की गिरावट आएगी। इस वजह से लोगों को ठंड का सामना करना पड़ेगा। तापमान में गिरावट के बाद दो दिन तक न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव देखने को नहीं मिलेगा। उन्होंने बताया कि झारखंड में अगले पांच दिनों तक बारिश के आसार नहीं हैं। उन्होंने कोहरे में सुबह में लोगों से सावधानी के साथ घर से बाहर निकलने को कहा है।

दो बहनों की हत्या का हुआ खुलासा सेवानिवृत्त आरपीएफ जवान धराया

उधार पैसे मांगने पर आरोपी ने अपने घर में बारी-बारी से काट डाला

PHOTON NEWS JSR: शहर से सटे जादूगोड़ा थाना अंतर्गत नरवा पुल के पास पुलिस ने बोरे में बंद दो महिलाओं का शव बरामद किया था। घटना के 25 दिन बाद पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए सेवानिवृत आरपीएफ जवान दीनाकांत ठाकुर को गिरफ्तार किया है। मंगलवार को डीएसपी मुसाबनी संदीप भकत ने बताया कि आरोपी दीनाकांत ने दोनों बहनों की हत्या कर शव को नदी में फेंक दिया था। पैसों के विवाद को लेकर की हत्या डीएसपी ने बताया कि पुलिस ने मृतकों की पहचान बमामंडिह निवासी पुष्पा दास (60) और प्रतिभा दास (45) के रूप में की थी। जांच के दौरान पता चला कि दोनों का पारिवारिक संबंध परसुडीह निवासी दीनाकांत ठाकुर से था। दीनाकांत ने कई बार पुष्पा दास से उधार पैसे लिए थे। दोनों ने कई बार अपने रुपये वापस मांगे पर दीनाकांत रुपये लौटाने में असमर्थ था। दबाव बढ़ने पर उसने हत्या की योजना बनाई और 14 नवंबर को दोनों को अपने घर बुलाया, जहां अपने ही घर में दोनों बहनों की धारदार हथियार से हत्या कर दी।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी

सबूत छिपाने के लिए नदी में फेंके शव

हत्या के बाद मामले को छिपाने के उद्देश्य से आरोपी ने देर रात अपने ही वाहन में दोनों बहनों के शव को बोरे में बंद कर लादा और शव को जुगसलाई स्थित नरवा पुल के नीचे फेंक दिया। पुलिस को तीन सप्ताह की मेहनत के बाद मामले का खुलासा करने में सफलता मिली। डीएसपी ने बताया कि इस हत्या में केवल दीनाकांत ठाकुर ही शामिल नहीं है। पुलिस अन्य संदिग्धों की तलाश कर रही है। इसके अलावा, अपराध में इस्तेमाल हुए वाहन और हत्या में प्रयुक्त हथियार को भी जल्द बरामद करने की तैयारी की जा रही है।

खरकई नदी पुल से झूलता मिला व्यक्ति का शव, जांच में जुटी पुलिस

SARAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिले के सरायकेला थाना क्षेत्र के खरकई नदी पर बने मांझना घाट के नए पुल पर एक व्यक्ति का शव रेलिंग से झूलता हुआ पाया गया, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना सरायकेला थाना को पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस ने शव को रेलिंग से उतारा। मृतक की पहचान सरायकेला के पतो टोला निवासी रंजीत पती (43) के रूप में हुई है। बताया गया कि रंजीत इलाके में किराने की दुकान चलाता था। मृतक मंगलवार को सुबह दुकान के पास झाड़ू लगाने के बाद मॉर्निंग वॉक पर निकला था और मांझना घाट के पुल पर पहुंचा। कुछ समय बाद वह पुल की रेलिंग से रस्सी के सहारे झूलता हुआ पाया गया। जानकारी के अनुसार, मृतक के गले में बंधी पॉलीथिन में एक सुसाइड नोट होने की बात कही जा रही है। हालांकि, पुलिस आत्महत्या और हत्या दोनों कोणों से जांच कर रही है।

घटनास्थल पर पहुंचे पुलिस पदाधिकारी

जुगसलाई में 40 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ एक गिरफ्तार

JAMSHEDPUR : जुगसलाई थाना की पुलिस ने ब्राउन शुगर के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक का नाम मो अल्ताफ उर्फ पिल्लू बच्चा है। वह जुगसलाई के गरीब नवाज कॉलोनी का रहने वाला है। मंगलवार को पुलिस गरीब नवाज कॉलोनी में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि क्षेत्र में एक युवक ब्राउन शुगर बेच रहा है। सूचना पर पुलिस ने छापेमारी की। एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने उसे खदेड़कर पकड़ा। तलाशी के दौरान युवक के पास से कुल 40 पुड़िया ब्राउन शुगर और 1700 रुपये नकद बरामद किए गए। फिलहाल आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

कलयुगी मां ने बच्ची को नदी में फेंका, हुई मौत

- पति ने थाने में दर्ज कराई शिकायत, मामूली पारिवारिक विवाद में हुई घटना

JAMSHEDPUR : जादूगोड़ा थाना क्षेत्र में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। डुड़कु गांव की रहने वाली सुप्रिया आचार्य ने अपनी आठ माह की बच्ची को गुर्रा नदी में फेंककर उसकी हत्या कर दी। इस घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल है। आरोपी महिला के पति सूर्यकुमार आचार्य ने जादूगोड़ा थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने अपनी पत्नी सुप्रिया आचार्य पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार, घटना वाले दिन सुबह सुप्रिया बच्ची को लेकर नहाने के बहाने नदी गई। वापस लौटने पर जब पति ने बच्ची के बारे में पूछा तो उसने कोई जवाब नहीं दिया। जब आसपास के लोगों को बुलाकर सख्ती से पूछताछ की गई, तो महिला ने स्वीकार किया कि उसने अपनी बच्ची को नदी में फेंक दिया।

बकझक के बाद उठाया कदम

पति सूर्यकुमार ने बताया कि घटना से एक दिन पहले दोनों के बीच कहासुनी हुई थी, जो बाद में सुलझ गई थी। लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि उसकी पत्नी इतना बड़ा कदम उठा लेगी। पूछताछ में सुप्रिया ने बच्ची को फेंकने का कारण पारिवारिक विवाद बताया। सूर्यकुमार ने बताया कि पत्नी मेरे बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल नहीं करना चाहती थी। वह अक्सर झगड़ा करती थी। मामूली कहा-सुनी को लेकर इतना बड़ा कदम उठाएगी, यह सोचा नहीं था।

पुलिस ने शव बरामद कर महिला को किया गिरफ्तार

जादूगोड़ा थाना प्रभारी राजेश मंडल ने बताया कि बच्ची का शव नदी से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आरोपित महिला सुप्रिया आचार्य को गिरफ्तार कर लिया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दुर्घटना के बाद चाईबासा के बाईपास पर सड़क जाम करते लोग

अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में 3 युवकों की मौत, एक हुआ घायल

PHOTON NEWS CHAIBASA: पश्चिमी सिंहभूम जिले में अलग-अलग दो सड़क दुर्घटना में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है। जिसका इलाज चल रहा है। मृतकों में राजनगर के रंगामाटी निवासी प्रेमचंद तियु, लोढ़ा गांव निवासी अर्जुन मुर्मू और पांडरासाली के पटरापोसी निवासी भोले हेंब्रम शामिल है। तीनों युवकों का चाईबासा सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। जानकारी के अनुसार सोमवार की रात में एक बाइक पर सवार होकर प्रेमचंद, अर्जुन मुर्मू और करण सामड अपने गांव से चाईबासा की ओर आ रहे थे। रात लगभग 10 बजे अंधेरा होने के कारण टेकराहातु के पास एक खड़े ट्रक से टकरा गए। इससे प्रेमचंद और अर्जुन मुर्मू की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि करण सामड को सदर अस्पताल लाया गया। यहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर रेफर कर दिया। सोमवार की रात में ही भोले हेंब्रम बाइक से चाईबासा से घर जा रहा था।

ट्रक के धक्के से व्यक्ति जख्मी लोगों ने किया सड़क जाम

चाईबासा के बाईपास सड़क पर सुबह 11 बजे ट्रक की चपेट में आने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। लगातार हो रही दुर्घटना के विरोध में स्थानीय ग्रामीणों ने तांबो चौक को जाम कर दिया है। प्रशासन के समझाने के बाद जाम हटा दिया गया। घायल का दोनों पैर टूट गया है। उसका प्राथमिक उपचार चाईबासा सदर अस्पताल में करने के बाद जमशेदपुर रेफर कर दिया गया।

सड़क दुर्घटना में मानगो के व्यक्ति की मौत छोटे पुल के फुटपाथ पर चला रहा था स्कूटी

अनियंत्रित होकर गिरा, हेलमेट पहना होता तो बच सकती थी जान

PHOTON NEWS JSR: मानगो थाना अंतर्गत छोटा पुल पर मंगलवार दोपहर स्कूटी सहित गिरने से मानगो निवासी 40 वर्षीय अख्तर इमाम की मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायल अवस्था में अख्तर को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल पहुंचाया, पर अख्तर ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। इधर, लोगों ने अख्तर के मोबाइल की मदद से परिजनों से संपर्क कर घटना की जानकारी दी। जानकारी मिलते ही परिजन एमजीएम अस्पताल पहुंचे। अख्तर के शव को देखकर परिजनों के बीच मातम पसर गया।

पुल पर बने फुटपाथ पर वाहन चलाने के दौरान हुआ हादसा : प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अख्तर मानगो से होते हुए साकची की ओर आ रहा था। वह छोटे पुल पर बने फुटपाथ पर स्कूटी चला रहा था। अचानक स्कूटी अनियंत्रित हो गई, जिससे अख्तर बीच सड़क पर गिरकर घायल हो गया। उसके सिर पर गंभीर चोट लगी।

मानगो पुल पर खड़ी स्कूटी व इनसेट में मृतक की फाइल फोटो

सिर पर चोट लगने से गई जान.

इधर, घटना को लेकर मानगो थाना प्रभारी निरंजन कुमार ने बताया कि मृतक ने हेलमेट नहीं पहन रखा था। घटना के दौरान वह सड़क पर गिरा, जिससे उसके सिर पर गंभीर चोट आई और मौत हो गई। उन्होंने बताया कि अगर मृतक ने हेलमेट पहन रखा होता, तो उसकी जान बच सकती थी। फिलहाल मृतक का शव एमजीएम अस्पताल के शव गृह में रख दिया गया है।

समाचार सार

वसुंधरा एस्टेट में शिव कथा 25 से 1 जनवरी तक

JAMSHEDPUR : मानगो में एनएच-33 स्थित वसुंधरा एस्टेट (निकट सिंचाई कॉलोनी) में 25 दिसंबर से 1 जनवरी तक सात दिवसीय त्रिशूल शिव महापुराण कथा होगी। इसमें श्रीधाम वृंदावन के स्वामी वृजनंदन शास्त्री महाराज प्रतिदिन संध्या 4 से 7 बजे तक प्रवचन देंगे। महाराज द्वारा व्यासपीठ से कथा वाचन के दौरान भगवान के अलग-अलग रूपों की झांकियों का दर्शन भी कराया जाएगा। इसका आयोजन किरण-उमाशंकर शर्मा परिवार द्वारा किया जा रहा है। कृष्णा शर्मा काली (जिला कोषाध्यक्ष, भाजपा) ने मंगलवार को बताया कि प्रथम दिन कलश यात्रा से कथा आरंभ होगी, जबकि अंतिम दिन शाम को भव्य भंडारा के साथ अनुष्ठान का समापन होगा। काली शर्मा ने बताया कि शिवकथा महोत्सव का आस्था चैनल पर सीधा प्रसारण भी होगा।

डीसी ने जनता दरबार में सुनी लोगों की समस्या

JAMSHEDPUR : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार में उपायुक्त अनन्य मित्तल ने मंगलवार को आमजनों की समस्या सुनी। उन्हें समयबद्ध कार्रवाई को लेकर आश्वस्त किया। इस दौरान 60 से ज्यादा फरियादियों ने सामाजिक व व्यक्तिगत समस्याओं को लेकर मुलाकात की तथा समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। फरियादियों ने इलाज में आ रही आर्थिक समस्या को लेकर आयुष्मान कार्ड बनाने, जमीन संबंधी विवाद, जातिप्रमाण पत्र, बकाया बिल भुगतान, पेंशन भुगतान, रास्ता विवाद, विदेशी दारू दुकान संचालक की शिकायत व दुकान बंद करने के संबंध में, विद्यालय में नामांकन समेत अन्य मूलभूत सुविधाओं को लेकर उपायुक्त का ध्यान आकृष्ट कराया। इस दौरान कई आवेदनों का ऑनस्पॉट समाधान भी किया गया। अन्य मामलों में उपायुक्त ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध कार्रवाई करें।

मानवाधिकार पर खुलकर बोले बच्चे

JAMSHEDPUR : मानव अधिकार दिवस पर सोनारी स्थित आदर्श सेवा संस्थान ने अनूठे ढंग से मनाया। भालूबासा स्थित होटल मिष्ठान में मंगलवार को करीब 15 बस्तियों के बच्चे आए और उन्होंने घर-परिवार व स्कूल-कॉलेज सहित समाज में होने वाले मानव अधिकार उल्लंघन पर खुलकर अपनी बात रखी। इस कार्यक्रम में संस्थान की अध्यक्ष डॉ. निर्मला शुक्ला, सचिव प्रभा जायसवाल, कार्यकारिणी सदस्य पूरबी घोष व रवींद्रनाथ चौबे भी उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन संस्थान की लक्खी दास ने किया।

टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में मानवाधिकार दिवस

CHAKRADHARPUR : मधुसूदन महतो टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज की एनएसएस यूनिट द्वारा मंगलवार को मानवाधिकार दिवस मनाया गया। बीएड और डीएलएड के छात्र-छात्राओं ने मानवाधिकार के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। प्राचार्य प्रभारी खुशबू कुमारी ने आज के युग में एकता और सहानुभूति के सिद्धांतों को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर प्रबंधन समिति से उमेश चंद्र महतो, शशिभूषण महतो, विभागाध्यक्ष डॉ. शिव प्रसाद महतो, एनएसएस पीओ राजाराम धनवार, डॉ. गणेश कुमार, नीतीश प्रधान, अनिल प्रधान, नीतीश कुमार दास, शिओन बारला, अमित महतो, अर्चना महतो, पूजा प्रधान, शिवशंकर प्रधान आदि भी मौजूद थे।

अनाथ बच्चों में किया वस्त्र का वितरण

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर प्रखंड के पदमपुर पंचायत अंतर्गत कोटुवा पदमपुर गांव में कुछ वर्ष पहले बीमारी के कारण विपिन सिंह बोदरा की मौत हो गई थी। उसने तीन शादी की थी, जिसमें मंझली और छोटी पत्नी की भी बीमारी के कारण मौत हो गई। तीनों पत्नी से 10 बच्चे हैं। पिता के निधन के बाद बच्चे अनाथ हो गए। 10 बच्चों की जिम्मेदारी बड़ी पत्नी मुन्नी बोदरा और वृद्ध ससुर पर है। परिवार काफी गरीब है। इसकी सूचना मिलने पर सुमिता होता फाउंडेशन के अध्यक्ष सह समाजसेवी सदानंद होता परिवार से मिले और बच्चों के बीच वस्त्र का वितरण किया।

घाटशिला कॉलेज के प्राचार्य बने एजेके चाकुलिया के यूआर

GHATSILA : घाटशिला कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आरके चौधरी को कोल्हान विश्वविद्यालय ने एजेके कॉलेज, चाकुलिया का यूनिवर्सिटी रिप्रेजेंटेटिव (यूआर) बनाया है। इसे लेकर एजेके कॉलेज के सचिव बंटी उपाध्याय ने मंगलवार को घाटशिला कॉलेज आकर प्राचार्य का स्वागत किया। बंटी उपाध्याय ने प्राचार्य से अनुरोध किया कि उनके कॉलेज में झारखंड स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी का स्टडी सेंटर खुलवा दिया जाए। प्राचार्य ने झारखंड स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी, रांची के कुलपति डॉ. टीएन साहू व को-ऑर्डिनेटर डॉ. प्रेम सागर केसरी से बात की। प्राचार्य ने बताया कि कुलपति से सहमति मिल गई है। शीघ्र ही इस कॉलेज में ओपन यूनिवर्सिटी का स्टडी सेंटर खुल जाएगा।

मानगो में सड़क किनारे से हटाईं दुकानें

स्थायी दुकानों की भी हुई जांच, कई का एक्सटेंशन हटाया गया

PHOTON NEWS JSR: उपायुक्त अनन्य मित्तल के निर्देश पर मानगो में ट्रैफिक समस्या के निदान को लेकर मानगो नगर निगम द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। मानगो चौक से डिमना चौक के रास्ते में सेंट्रल वर्ज के किनारे सड़क से अतिक्रमण हटाया गया। इस दौरान अवैध तरीके से सड़क किनारे अस्थायी रूप से बैठने वाले सब्जी विक्रेताओं, ठेला-खोमचा संचालकों व अन्य दुकानदारों से सड़क को अतिक्रमण मुक्त किया गया साथ ही सख्त चेतावनी दी गई कि जानमाल की सुरक्षा को देखते हुए खुले स्थान पर दुकान लगाएं, सड़क किनारे जोखिम लेकर दुकान नहीं लगाएं, इससे जाम की भी समस्या बनी रहती है। दोबारा से अतिक्रमण करने पर विधि-सम्मत कार्रवाई की चेतावनी दी गई। दंडाधिकारी के रूप में मानगो नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त आकिब जावेद की देखरेख में पूरा अभियान चला। इस मौके पर स्थानीय थाना के पुलिस पदाधिकारी, क्यूआरटी व पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात रहे। विदित हो कि अतिक्रमण हटाने के साथ साथ ट्रैफिक रेगुलेट करने के लिए अतिरिक्त मानव बल की भी प्रतिनियुक्ति की गई है, ताकि लोग सुगमता से आवागमन कर सकें। जिला प्रशासन द्वारा मानगो में ट्रैफिक व्यवस्था की लगातार समीक्षा की जा रही है। आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि ट्रैफिक व्यवस्था और सुगम हो एवं मानगो क्षेत्रवासियों को आवागमन में आसानी हो।

फुटपाथ पर लगी दुकान हटाते पुलिस के जवान • फोटोन न्यूज

साकची में पैदल मार्च करते भाकपा कार्यकर्ता • फोटोन न्यूज

सीपीआई ने महंगाई के खिलाफ किया प्रदर्शन, सौंपा गया ज्ञापन

JAMSHEDPUR : कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया ने केंद्र सरकार के खिलाफ मंगलवार को राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन कर उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। जिला सचिव अंबुज कुमार ठाकुर के नेतृत्व में कार्यकर्ता व समर्थक आमबगान मैदान से पैदल नारेबाजी करते हुए जिला समाहरणालय पहुंचे। प्रदर्शन के दौरान अंबुज ठाकुर ने कहा कि बढ़ती महंगाई से आम जनता को दो जून का खाना जुटना मुश्किल हो रहा है। वहीं पिछले 45 वर्षों में सबसे अधिक बेरोजगारी हो गई है। जीविका के लिए लोग गलत रास्ते पर भटक रहे हैं। केंद्र सरकार अपने वादे के अनुसार प्रतिवर्ष 2 करोड़ रोजगार का सृजन करे। पूरे देश में सरकारी, अर्द्ध सरकारी एवं निजी संस्थानों में स्थायी प्रवृत्ति के कार्यों को ठेका पर कराया जा रहा है। इस पर अविलंब रोक लगाई जाए। उद्योगपतियों और पूंजीपतियों के हित में 4 लेबर कोड को का विरोध करते हुए पुराने कानूनों को लागू करने की मांग रखी।

डीसी व एसपी ने मुंडा व ग्रामीणों के साथ की बैठक, विकास कार्यों में तेजी लाने का पदाधिकारियों को दिया निर्देश

उग्रवादियों की हत्या के चार दिन बाद गुदड़ी पहुंचा जिला प्रशासन

RAJESHWAR PANDEY @ CHAIBASA

पश्चिमी सिंहभूम जिले के नक्सल प्रभावित चक्रधरपुर अनुमंडल के गुदड़ी थाना क्षेत्र में चार दिसंबर को पीएलएफआई के एरिया कमांडर मेटा टाइगर व गोमिया की ग्रामीणों ने हत्या कर दी थी। इस घटना के चार दिन बाद जिला प्रशासन के पदाधिकारी मंगलवार को भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच गुदड़ी पहुंचे। इनमें उपायुक्त कुलदीप चौधरी, एसपी आशुतोष शेखर, पोड़ाहाट अनुमंडल पदाधिकारी श्रुति राजलक्ष्मी, डीडीसी संदीप कुमार मीणा, एसपी अभियान पारस राणा, एसडीपीओ नलिन कुमार मरांडी समेत जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी थे। प्रशासनिक पदाधिकारियों ने प्रखंड सभागार में मुंडा व अन्य ग्रामीणों के साथ बैठक कर जानकारी ली। डीसी कुलदीप चौधरी ने कहा कि क्षेत्र के विकास और अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई। ग्रामीण मुंडाओं से बात कर राजस्व वसूली की दिशा में प्रगति लाने की बात कही गई। गुदड़ी प्रखंड में चल रहे कारो पुल के निर्माण के अलावा अन्य विकास योजनाओं की गति तेज करने व जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया।

जिला प्रशासन के गुजरते वाहन व सड़क पर गिरे बोल्डर • फोटोन न्यूज

प्रशासन को रोकने के लिए गुदड़ी जाते समय सड़क पर रखा गया था पत्थर

जिला प्रशासन के टीम गुदड़ी जाने के समय डीसी, एसपी समेत अन्य पदाधिकारी के काफिले को अचानक रुकना पड़ा। इसका कारण सड़क पर बड़े-बड़े पत्थर रख कर सड़क को बंद करने की कोशिश की गई थी। हालांकि सुरक्षा व्यवस्था के बीच पुलिस द्वारा सड़क पर रखे पत्थर को हटाया गया। इसके बाद पदाधिकारियों का काफिला आगे बढ़ा।

डीसी, एसपी ने किया विद्यालय व पुल का निरीक्षण

डीसी-एसपी ने रास्ते में पड़ने वाले उत्क्रमित मध्य विद्यालय जाते-लोढ़ाई, गुदड़ी के कारो नदी में बन रहे पुल के अलावा वापसी के समय सोनुवा के बेहराबेड़ा स्थित मॉडल स्कूल भवन में संचालित झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय गुदड़ी का भी जायजा लिया। विद्यालय में बच्चों से बात कर उनकी पढ़ाई की जानकारी लेते हुए शिक्षकों को दिशा-निर्देश दिया। एमडीएम का भी निरीक्षण किया। जाते-लोढ़ाई स्कूल परिसर में करीब दो साल से अधूरी पड़ी पाकशाला के बारे में जानकारी ली। स्कूल के मैदान का निरीक्षण कर मैदान को पोटो हो खेल मैदान योजना से जोड़ कर मैदान को बेहतर बनाने की बात कही। वहीं, कारो नदी पर बन रहे पुल के निर्माण कार्य में तेजी लाने का निर्देश डीसी ने दिया।

दो उग्रवादियों के सेंदरा की चर्चा अब तक नहीं मिला शव

पश्चिमी सिंहभूम के नक्सल प्रभावित गुदड़ी थाना क्षेत्र के टोमडेल पंचायत के इलाके में पीएलएफआई कमांडर मेटा टाइगर, गोमिया कि हत्या का पुलिस अभी जांच कर रही है कि ग्रामीणों द्वारा सोमवार को पीएलएफआई के दो उग्रवादियों का सेंदरा करने की चर्चा है, हालांकि अब न उनका शव मिला है, न उनका नाम सामने आया है।

शव बरामदगी के लिए की जा रही छानबीन : एसपी

पीएलएफआई उग्रवादियों की हत्या के मामले में एसपी आशुतोष शेखर ने कहा कि पुलिस और सुरक्षा बलों द्वारा दोनों के शव बरामदगी के लिए छानबीन की जा रही है। इसके लिए गुदड़ी थाना के पदाधिकारी लगातार अभियान चला रहे हैं।

पीएलएफआई के खिलाफ ग्रामीणों ने छेड़ा आंदोलन

पीएलएफआई के उग्रवादी व अन्य कई समर्थक पिछले कुछ माह से क्षेत्र के गुदड़ी, आनंदपुर, सोनुआ, गोइलकेरा, कराईकेला, आनंदपुर में आतंक फैलाए हुए हैं। उग्रवादी व उनके समर्थक अवैध बालू, वाहन चालकों के अलावा अन्य ग्रामीणों को डरा-धमका कर लेवी देने के लिए मजबूर कर रहे थे। निर्दोष ग्रामीणों की पिटाई भी कर रहे थे, जिससे तंग आकर करीब 30 गांव के ग्रामीणों ने क्षेत्र से अपराधियों व उग्रवादियों का खात्मा करने के लिए बैठक कर निर्णय लिया। इसे लेकर हजारों ग्रामीण ने तीर-धनुष, भाला, दाउली, कुल्हाड़ी सहित अन्य धारदार हथियार से लैस होकर जन आंदोलन की शुरुआत कर दी। वे पिछले तीन दिनों से इलाकों में पहाड़ी के 40 किलोमीटर दायरे में ऑपरेशन सेंदरा चला रहे है। इसी क्रम में ग्रामीणों ने पीएलएफआई के जुप लीडर मेटा टाइगर को तीर से मार गिराया। इसके साथ ही उसका एक अन्य सहयोगी गोमिया भी मारा गया। मेटा टाइगर पूर्व उग्रवादी शनिचर सुरीन का भतीजा था।

BRIEF NEWS

जहानाबाद में अपराधियों ने मामा-भांजे पर बरसाई गोलियां, एक की मौत

JAHANABAD : बिहार के जहानाबाद में एक बार फिर से गोलियों की गूंज सुनाई पड़ी है। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, वहीं दूसरा घायल हो गया है। मृतक की शिनाख्त जाठु मांझी (उम्र 40 वर्ष) के रूप में हुई है। यह घटना घोसी थाना क्षेत्र के आजाद नगर की है। बताया जाता है कि जिन दो लोगों को गोली मारी गई, वो आपस में मामा-भांजे हैं। जाठु मांझी का भांजा बाबू चंद्र मांझी गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसे पहले सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि गंभीर अवस्था देखते हुए उसे पीएमसीएच रेफर कर दिया गया है। घायल बाबू चंद्र मांझी ने बताया कि सोमवार की रात हमारे गांव में 7 लोग जानवर चोरी करने पहुंच गए। जब वे खोल रहे थे, तभी हम लोग आवाज सुनकर जग गए। हल्ला करने लगे, तभी उन लोगों द्वारा हम लोगों पर अंधाधुंध फायरिंग की गई। इस घटना की सूचना स्थानीय थाने की पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने मृत व्यक्ति के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल जहानाबाद भेज दिया। साथ ही मामले की जांच में जुट गई।

70 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ धंधेबाज गिरफ्तार

ARARIYA : बसमतिया थाना पुलिस ने एसएसबी के साथ मिलकर 70 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक धंधेबाज को बेला गांव से गिरफ्तार किया है।बसमतिया थाना पुलिस और एसएसबी ने गुप्त सूचना पर संयुक्त कार्रवाई करते हुए यह कामयाबी हासिल की।गिरफ्तार धंधेबाज को भारत नेपाल सीमा स्थित बेला गांव के वार्ड संख्या 8 से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार नशे का कारोबारी बसमतिया थाना क्षेत्र के बेला गांव के वार्ड संख्या तीन का रहने वाला 24 वर्षीय संजीत कुमार दास है।मामले को लेकर बसमतिया थाना में आरोपित धंधेबाज के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।इस बात की जानकारी बसमतिया थानाध्यक्ष अमर कुमार ने देते हुए बताया कि आरोपित युवक से पूछताछ के बाद मंगलवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को कुचला

ARARIYA : अररिया में मंगलवार को रफ्तार का कहर रहा, जहां अररिया बहादुरगंज फोरलेन सड़क मार्ग में अजमतपुर के पास एक तेज अनियंत्रित ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी,जिसमें बाइक पर सवार दो युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोग काफी आक्रोशित हो गए और सड़क को जाम कर दिया। वहीं घटना की सूचना पर पहुंची बैरगाछी थाना पुलिस को जाम हटाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ीलेकिन स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों के मदद से आक्रोशितों और प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझा बुझाकर जाम हटवाया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।घटना मंगलवार ढाई बजे के करीब की बताई जाती है।

तिरहुत एमएलसी चुनाव : जदयू, राजद व जन सुराज के उम्मीदवार हारे

निर्दलीय प्रत्याशी वंशीधर 12 हजार मतों से विजयी

AGENCY PATNA : बिहार विधान परिषद की तिरहुत स्नातक एमएलसी सीट के उपचुनाव की मतगणना में निर्दलीय उम्मीदवार एवं शिक्षक नेता वंशीधर ब्रजवासी 12 हजार मतों से विजयी घोषित किए गए है। इससे पहले वह पहली वरीयता की मतगणना के बाद 23 हजार वोट लाकर पहले नंबर पर थे। इसके बाद जन सुराज पार्टी के विनायक गौतम दूसरे, राजद के गोपी किशन तीसरे और जेडीयू के अभिषेक झा चौथे नंबर पर हैं। पहली वरीयता के वोटों से चुनाव नतीजा नहीं निकला, इसलिए अब दूसरी वरीयता के वोटों की गिनती हो रही है। एमएलसी उपचुनाव का रिजल्ट मंगलवार को जारी हो जाएगा। दूसरी वरीयता में सबसे कम वोट वाले कैंडिडेट को गिनती से बाहर

कर दिया गया। दूसरी वरीयता में दो मतों को एक गिना जाता है। गिनती की यह प्रक्रिया तब तक चलेगी. जब तक या तो किसी कैंडिडेट को कुल वैध वोट के 50 प्रतिशत से एक ज्यादा वोट ना आ जाए, या फिर आखिर में बचा दूसरे नंबर का प्रत्याशी एलिमिनेट ना हो जाए। जेडीयू सांसद देवेश चंद्र ठाकुर के विधान परिषद से इस्तीफे के बाद इस सीट पर उपचुनाव कराया गया। 17 उम्मीदवारों ने उपचुनाव लड़ा। 5 दिसंबर को इस सीट के तहत शिवहर, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर और वैशाली में 197 बूथों पर करीब 48 फीसदी मतदान हुआ था। मुजफ्फरपुर के एमआईटी स्थित मतगणना केंद्र में 20 टेबल पर एक राउंड में 500-500 यानी लगभग 10 हजार मतों की गिनती हो रही है। मतगणना सोमवार सुबह 8 बजे शुरू हुई। मंगलवार को तिरहुत स्नातक सीट का फाइनल रिजल्ट जारी होने की संभावना है। एमएलसी उपचुनाव में लगभग 70 हजार वोट पड़े थे। नियमों के अनुसार जब तक कोई उम्मीदवार 50 फीसदी से ज्यादा वोट नहीं ले आता, तब तक गिनती जारी रहेगी। तिरहुत स्नातक एमएलसी उपचुनाव में शुरूआत से सबसे ज्यादा वोट लाकर आगे चल रहे निर्दलीय प्रत्याशी वंशीधर ब्रजवासी ने कहा कि वह जीत की ओर अग्रसर हैं। उम्मीदों की मशाल जलेगी। दूसरे प्रत्याशी आम जनता की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरे, इसलिए उन्हें कम वोट मिले हैं। जनता ने वंशीधर ब्रजवासी पर भरोसा जताया है।

पुलिस टीम पर हमला करने के मामले में तीन लोग अरेस्ट

BHAGALPUR : जिले के जगदीशपुर थाना अंतर्गत अवैध खनन मामले में कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम पर हमला करने के मामले में 03 व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उक्त आशय की जानकारी मंगलवार को भागलपुर एसएसपी कार्यालय के हवाले से दी गई। वरीय पुलिस अधीक्षक के निदेशानुसार अवैध खनन, परिवहन, भंडारण के विरूद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बीते सोमवार को पुलिस उपाधीक्षक सह थानाध्यक्ष जगदीशपुर को सूचना प्राप्त हुई कि कोला खुर्द गांव के तरफ से अवैध बालू लोड ट्रैक्टर आ रही है। सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए पुलिस उपाधीक्षक सह थानाध्यक्ष जगदीशपुर स्वयं दल-बल के साथ कोला खुर्द पहुंचे, जहां एक अवैध बालू लोड ट्रैक्टर को कब्जे में लिए। ट्रैक्टर को कब्जे में लेने के उपरांत कोला खुर्द गांव के 20-25 की संख्या में बालू माफियाओं ने हथियार एवं लाठी डंडे से लैस होकर पुलिस टीम पर हमला कर उक्त ट्रैक्टर को पुलिस अभिरक्षा से लेकर फरार हो गए।

सीएम नीतीश ने किया नए कलेक्ट्रेट भवन का उद्घाटन

AGENCY PATNA : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार 10 दिसंबर को बिहारवासियों को बड़ी सौगात दी है। उन्होंने पटना के नए समाहरणालय भवन का उद्घाटन किया है। यह नया भवन अब आम जनता के लिए खोल दिया गया है। इस नए भवन के बन जाने से अब जिला प्रशासन के कामकाज में तेजी आएगी। मिली जानकारी के अनुसार इस नए भवन में जिला प्रशासन के सभी 39 विभाग एक ही छत के नीचे होंगे। जिससे आम लोगों को एक ही जगह पर अपनी सभी समस्याओं का समाधान मिल सकेगा। सबसे अधिक आम लोगों से जुड़े कार्यालयों को पहले मंजिल पर शिफ्ट किया गया है। ताकि लोगों को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। पांच फ्लोर वाले भवन के सबसे ऊपरी मंजिल पर डीएम का ऑफिस रखा गया है। सभी विभागों का अलग-अलग प्रवेश द्वार होगा। परिसर में एक केंद्रीय हरित पब्लिक प्लाजा भी बनाया गया है। इस नए समाहरणालय भवन के परिसर में 445 वाहनों के लिए पार्किंग की सुविधा होगी। सुरक्षा के लिए पूरे कलेक्ट्रेट परिसर में 225 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। विभिन्न आकार के तीन कॉन्फ्रेंस रूम बनाए गए हैं जो अत्याधुनिक उपकरणों से लैस हैं। इस कॉन्फ्रेंस हॉल में 200 लोगों की बैठने की व्यवस्था है।

छात्रों का फर्जी अटेंडेंस दिखा रहे शिक्षकों पर नकेल कसने की तैयारी में आई तेजी

AGENCY PATNA : बिहार शिक्षा विभाग के एसीएस एस सिद्धार्थ ने सभी जिलों के शिक्षा अधिकारियों को मंगलवार को लिखे गए पत्र में कहा है कि कुछ शिक्षक विद्यालय के सुचारू संचालन के साथ धोखाधड़ी कर रहे हैं। बच्चों की उपस्थिति की फर्जी संख्या दिखा रहे हैं। जिसकी जानकारी विद्यालयों की निरीक्षण रिपोर्ट में मिली है। जो जिला शिक्षा अधिकारियों ने बनाई है। जो काफी खेदजनक है। अउर ने खत में ये भी लिखा है कि विद्यालय के पास रहने वाले शिक्षक शिक्षण कार्य में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। शिक्षा विभाग के एसीएस एस सिद्धार्थ ने चेतावनी देते हुए आगाह किया है, कि अगर स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो ऐसे शिक्षकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की

एसीएस एस सिद्धार्थ।

जाएगी। जिसके लिए जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। सरकारी स्कूलों में शिक्षा और छात्रों को मिलने वाली सुविधाओं को लेकर एसीएस हमेशा गंभीर रहे हैं। कई बार खुद उन्होने स्कूलों का निरीक्षण किया है। छात्रों और शिक्षकों की समस्याओं को सुना है। ऐसे में शिक्षकों की लापरवाही और बच्चों की फर्जी अटेंडेंस बनाने वाले टीचर्स पर अब कभी भी गाज गिर सकती है। शिक्षा विभाग के एसीएस एस सिद्धार्थ का गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर भी जोर रहा है। शिक्षा की बात कार्यक्रम में उन्होने बताया कि बिहार के हर प्रखंड में मोबाइल कम्प्यूटर लैब होगी। प्राइमरी स्कूल के बच्चों को कम्प्यूटर को जानने का अवसर मिलेगा। अभी आठवीं तक के बच्चों को विद्यालय में ही कम्प्यूटर की शिक्षा दी जाती है। स्कूल के पहले दिन ही बच्चों को पुस्तक, बैग व यूनिफार्म मिल जाएगी। पहली अप्रैल 2025 से योजना कार्यान्वित होगी। इसी तरह सरकारी शिक्षकों के लिए ड्रेस कोड का पालन करना अनिवार्य होगा। उन्होंने बच्चों को पोशाक राशि समय पर उपलब्ध नहीं कराने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी।

लग्जरी बस से 1829.88 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद, दो लोग गिरफ्तार

BHAGALPUR : पुलिस जिला नवगछिया के कदवा थानान्तर्गत लग्जरी बस से कुल 1829.88 लीटर अवैध विदेशी शराब के साथ 02 तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। उक्त आशय की जानकारी मंगलवार को नवगछिया एसपी कार्यालय से दी गई। नवगछिया एसपी के निर्देशन में अवैध शराब के विरूद्ध लगातार चलायी जा रहे अभियान के क्रम में कदवा थाना को गुप्त सूचना मिली कि एक लग्जरी बस में काफी मात्रा में विदेशी शराब लाया जा रहा है। उसी क्रम में नवगछिया जीरो माईल की ओर से आती हुई बस रजि० नं०-बीआर 01पीसी 9974 को रोककर तलाशी लेने पर उक्त बस से कुल-204 पेटी में बंद 375 एमएल का 4488 बोतल एवं 180 एमएल का 816 बोतल कुल मात्रा 1829.88 लीटर विदेशी शराब बरामद किया गया।

ममता बनर्जी करें 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व, राजद उनके साथ : लालू

AGENCY PATNA : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विपक्षी दलों के गठबंधन के नेतृत्व करने को लेकर दिए गए बयान के बाद सियासी पारा चढ़ गया है। सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष के नेता इस बयानबाजी में शामिल हो गए हैं। इस बीच, राजद प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू यादव भी ममता बनर्जी के समर्थन में उतर आए है। ऐसे में यह कांग्रेस के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है। दरअसल, डेढ़ साल पहले जिस राहुल गांधी को राजद प्रमुख इंडिया गठबंधन का दूल्हा बता रहे थे उन्हें ही आज के समय में कांग्रेस नेता पर भरोसा नहीं रह गया है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि आखिर ऐसी क्या वजह है कि लालू यादव अपने ही वादे से पलट गए हैं। लेकिन उससे

पहले जान लेते है राजद नेता ने क्या कहा है? पटना में मंगलवार को लालू प्रसाद यादव पत्रकारों से बात कर रहे थे। इस दौरान पत्रकारों ने जब उनसे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान के संबंध में पूछा तो उन्होंने कहा, 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व ममता बनर्जी को दे देना चाहिए और इससे हम सहमत हैं। वहीं, जब उनसे कांग्रेस की आपत्ति को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, कांग्रेस के आपत्ति जताने से कुछ नहीं होगा। गठबंधन का नेतृत्व ममता बनर्जी को दे देना चाहिए। पिछले दिनों मीडिया से बात करते हुए ममता बनर्जी विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के कामकाज पर असंतोष व्यक्त किया था और मौका मिलने पर इसकी कमान संभालने के अपने इरादे का संकेत दिये थे।

लालू को कोइलवर में इलाज की है जरूरत : सम्राट चौधरी

AGENCY PATNA : भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेता और बिहार के उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के अध्यक्ष और पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव को मानसिक रोगी बताया है और कहा है कि लालू को कोइलवर में इलाज कराने की जरूरत है। लालू यादव ने मंगलवार की सुबह-सुबह पटना में कहा था कि नीतीश कुमार आंख सेंकने के लिए महिला संवाद यात्रा पर जा रहे हैं। पत्रकारों ने लालू से पूछा था कि नीतीश 2025 के विधानसभा चुनाव में 225 सीट जीतने का दावा कर रहे हैं और यात्रा पर जा रहे हैं। इसके जवाब में लालू यादव ने कहा था कि वो आंख सेंकने जा रहे हैं, जाकर आंख सेकें। अगले चुनाव से आरजेडी सरकार में वापस आ रही है। सम्राट चौधरी ने लालू यादव के बयान को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। डिप्टी सीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार महिलाओं से संवाद करने जा रहे हैं। उनकी यात्रा पर लालू यादव ने जिस तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया है, वह चिंताजनक है। सम्राट ने कहा- पहले हम समझते थे

कि लालू प्रसाद शारीरिक रूप से बीमार हैं। लेकिन उनके बयान से साफ हो गया है कि वे मानसिक रूप से बीमार हो गए हैं। उनको अब कोइलवर में इलाज कराने की आवश्यकता है। भोजपुर जिले के कोइलवर में बिहार राज्य मानसिक स्वास्थ्य एवं सम्बद्ध विज्ञान संस्थान (मेंटल हॉस्पिटल) है। नीतीश कुमार ने इसका उद्घाटन 2022 में किया था और तब लालू यादव के बेटे तेजस्वी यादव बतौर डिप्टी सीएम थे उनके साथ थे। 125 करोड़ रुपये खर्च से तैयार 272 बेड के इस मानसिक आरोग्यशाला के बनने से बिहार के लोगों को मानसिक बीमारियों के इलाज के लिए झारखंड के कांके, उत्तर प्रदेश के आगरा या दिल्ली के शाहादरा जाने से मुक्ति मिल गई है।

मुख्यमंत्री को जीविका दीदी देंगी सिक्की मउनी का उपहार

वाल्मीकिनगर के घोटवा टोला में हस्तकरघा का स्टॉल सीएम नीतीश को करेगा आकर्षित

AGENCY CHAMPARAN : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के महिला संवाद का संभावित यात्रा की शुरूआत वाल्मीकि की तपों भूमि,लव कुश की जन्मस्थली वाल्मीकिनगर के घोटवा टोला से 15 दिसम्बर को होना है,जिसके लिए जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय के दिशा निर्देश पर जिला प्रशासन सहित प्रखंड के अधिकारी घोटवा टोला की सूरत को बदलने में दिन रात एक कर युद्ध स्तर पर कार्य को निष्पादन में लगे हैं। इसी क्रम में जीविका दीदियों के द्वारा थारू और आदिवासी जनजाति के महिलाओं द्वारा हाथ से निर्मित सिक्की मौनी,विभिन्न प्रकार के झाड़ू,साबुन,शहद सहित अन्य प्रकार के स्टॉल को लगाने की तैयारी जोरो पर है, जिसे लेकर जीविका के अधिकारियों के देख रेख में जीविका दीदियों द्वारा सिक्की मौनी,बांस,खजूर सहित कई प्रकार के जंगली झाड़ियों से झाड़ू का निर्माण,साबुन,और

मधुमक्खी के शहद की पैकिंग की तैयारी की जा रही है। जानकारी देते हुए जीविका के प्रखंड परियोजना प्रबंधक रितेश कुमार मिश्रा ने बताया बिहार सरकार के द्वारा संचालित जीविका द्वारा गरीब महिला के उत्थान के लिए कार्य किया जा रहा है।इसी दौरान सूबे के मुख्यमंत्री के संभावित आगवन को लेकर जीविका दीदियों द्वारा निर्मित हस्तकरगा का स्टॉल लगाया जायेगा,जो कि एक आकर्षण का केंद्र होगा।गांव की जीविका महिलाओं द्वारा मुख्यमंत्री के आगमन पर हाथ से बने सिक्किम मउनी का उपहार महिलाओं द्वारा भेंट की जा सकती है।इस मौके पर जीवकोपार्जन विशेषज्ञ सचिंद्र कुमार,सामुदायिक समन्वयक नितेश कुमार,रवि कुमार सहित दर्जनों जीविका दीदियां मौजूद रहीं।

बगहा में पांच मजदूरों पर तेंदुआ ने किया हमला

AGENCY CHAMPARAN : बगहा के दियारा इलाके में गन्ने के खेत में छुपे तेंदुआ ने अचानक मजदूरों पर हमला कर दिया। इस घटना में 5 मजदूर घायल हो गए हैं। वन विभाग तेंदुआ के पगमार्क का लोकेशन ट्रेस करने में जुटा है। इधर मजदूर आपबीती सुनाते हुए काफी सहमा हुआ दिख रहा है। मतलब साफ है कि, बगहा में बाघ के बाद अब तेंदुआ की मौजूदगी से लोग दहशत के साए में हैं। दरअसल धनहा थाना क्षेत्र के वंशी टोला में तेंदुआ ने खेत में काम करने गए मजदूरों पर हमला बोल दिया। जिसमें 5 किसान जख्मी हो गए हैं। घायल मजदूरों को इलाज के लिए उपस्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। तेंदुआ ने किसी के बांह पर काटा है तो किसी के कान और पैर को नोंच डाला है। तेंदुआ एक मजदूर के गर्दन दबोचने की फिराक में था। किसी तरह उसने अपनी जान बचाई। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने पगमार्क देखने के बाद बताया कि इस इलाके में तेंदुआ की उपस्थिति

है। फिलहाल उसे ट्रैक किया जा रहा है। बता दें कि वाल्मिकी टाइगर रिजर्व से भटका एक तेंदुआ कई दिनों से दियारा इलाके में भ्रमण कर रहा है। इस बीच वह लोगों को पीपी तटबंध पर भी दिखा था। बगहा रेंजर सुनील कुमार ने ग्रामीणों से अपील की है कि, "खेत के तरफ अकेले ना जाएं। यदि बहुत जरूरी हो तो समूह में आवाज और शोर करते हुए जाएं। वन विभाग के एक्सपर्ट कर्मियों द्वारा उसका लोकेशन ट्रैक किया जा रहा है। शीघ्र ही उसे जंगल क्षेत्र में भगा दिया जाएगा। बता दें कि पिछले हफ्ते ही वीटीआर जंगल से सटे गन्ना के खेत में एक बाघ ने चरवाहा के सामने ही उसके भैंस को मार डाला था।

खुशखबरी : राज्य सरकार अपने स्तर से लक्ष्य को लेकर तेजी से बढ़ रही आगे

बिहार में बनाए जाएंगे 10 नए एयरपोर्ट

AGENCY PATNA : बिहार के 10 शहरों से हवाई यात्रा की शुरूआत होगी। इन शहरों में नए एयरपोर्ट बनेंगे और वहां से छोटे विमानों का परिचालन शुरू किया जाएगा। इनमें वीरपुर, महरमा, भागलपुर, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, वाल्मीकि नगर, मोतिहारी, रक्सौल, मधुबनी और छपरा शामिल है। पिछले दिनों केंद्र सरकार के पास इन 10 शहरों से हवाई यात्रा शुरू करने के लिए बोलियां प्राप्त हुई हैं। अब इन शहरों से हवाई यात्रा शुरू करने की संभावनाओं की तलाश शुरू कर दी गई है। केंद्र द्वारा बिहार सरकार से इन हवाई अड्डों के विकास के लिए भूमि की उपलब्धता के संबंध में सहमति और पुष्टि प्रदान करने का अनुरोध किया गया है। मंगलवार को

राज्यसभा में केंद्र सरकार की तरफ से यह जानकारी दी गई। भाजपा सांसद डॉ. भीम सिंह के राज्यसभा में पूछे गए सवाल पर नागर विमानन मंत्रालय ने कहा है कि बिहार के 10 शहरों में उड़ान 5.2 योजना के तहत एयरपोर्ट बनाने का प्रस्ताव है। नागर विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने बताया कि इन एयरपोर्ट से 20 से कम सीटों वाले छोटे विमानों के लिए बोलियां प्राप्त हुई हैं। उड़े देश का आम नागरिक योजना (उड़ान) के तहत बोली प्रक्रिया के दूसरे चरण में दरभंगा हवाई अड्डे की विकास के लिए पहचान की गई थी। उड़ान योजना के तहत 8 नवंबर 2020 को हवाई अड्डे को प्रचालनरत कर दिया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले दिनों कहा था कि बिहार में 200 किलोमीटर पर एक एयरपोर्ट होना चाहिए। उन्होंने इस संबंध में केंद्र सरकार से अनुरोध भी किया था और सहयोग मांगा था। राज्य सरकार अपने स्तर से भी इस लक्ष्य को लेकर पहल कर रही है। बिहार में इस समय पटना, गया और दरभंगा से हवाई यात्रा की सुविधा मिल रही हैं। इन तीनों शहरों से घरेलू हवाई जहाजों का परिचालन हो रहा है। वहीं, बिहटा में एयरपोर्ट का नए सिरे से निर्माण कार्य चल रहा है। इसके मौजूदा स्वरूप का विस्तार किया जा रहा है। इसके लिए जमीन अधिग्रहण समेत कई आवश्यक कार्य पूरे किए जा रहे हैं। दूसरी ओर, पूर्णिया में भी एयरपोर्ट का निर्माण कार्य चल रहा है और अगले 2 साल के अंदर इसका निर्माण कार्य पूरा होने की संभावना है।

बॉडीगार्ड-बाउंसर रखने पर होगी जेल :एसपी रोशन

ROHTASH : अपनी दंबगई और हनक दिखाने के लिए बाउंसर रखना अब मंहगा पड़ सकता है। रोहतास में बाउंसर रखने के बढ़ते क्रेज को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने बाउंसर रखने वालों को स्थानीय थाना को सूचित करने का निर्देश दिया है। बिना सूचना के बाउंसर रखने वालों के खिलाफ स्थानीय थाना की पुलिस मामला दर्ज कर कार्रवाई कर सकती है। बाउंसर रखने की सूचना देने के बाद स्थानीय पुलिस बाउंसर का सत्यापन करेगी। बाउंसर में तैनात जवानों का पुलिस करेगी सत्यापनः रोहतास के एसपी रोशन कुमार के इस निर्देश के बाद वैसे नेता व हथियार के बल पर हनक दिखाने वाले लोगों में हड़कंप मचा है। एसपी ने बताया कि अब हर थाना की पुलिस ऐसे बाउंसर रखने वालों की सूची तैयार कर उनका सत्यापन करेगी।

वरमाला के दौरान स्टेज पर लड़खड़ाने लगा दूल्हा, दुल्हन ने तोड़ दी शादी

AGENCY BEGUSARIA : शादी का मंडप सज चुका था। बारात दरवाजे पर आ गई। दूल्हा बारातियों के साथ डांस करने लगा। तभी वधु पक्ष के लोगों में कानाफूसी होने लगी। दुल्हन को अपने होने वाले पति को लेकर मन में कुछ शंका हुई। फिर दूल्हा और दुल्हन वरमाला के लिए स्टेज पर आए। जयमाल होने से ठीक पहले दूल्हा स्टेज पर ही लड़खड़ाने लगा। थोड़ी देर पहले दुल्हन के मन में जो शंका थी वो अब यकीन में बदल गई। दुल्हन ने हिम्मत दिखाते हुए स्टेज से ही ऐलान कर दिया कि यह शादी नहीं हो सकती है। दुल्हन की यह बात सुनकर सभी बाराती हैरान रह गए। यह दिलचस्प मामला बिहार के बेगूसराय जिले के तेघड़ा का है। काजीरसलपुर पंचायत में बीते रविवार की रात को निकट के ही

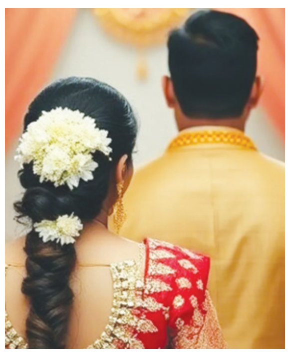

गांव दनियालपुर से बारात आई थी। बारात जैसे ही दुल्हन के दरवाजे पर पहंची, तो दूल्हा बारातियों के सांग डांस करने लगा। फिर कुछ देर बाद जयमाल के दौरान दूल्हा स्टेज पर लड़खड़ाकर गिर गया। दरअसल, दूल्हा पूरी तरह शराब के नशे में धुत था। यह देख वधू पक्ष के लोग बारातियों को भला-बुरा कहने लगे। दुल्हन ने मंच से ही नशेड़ी दूल्हे के साथ शादी नहीं करने का ऐलान कर दिया। बताया जा रहा है कि लड़की के पिता ने परदेस में रहकर मेहनत-मजदूरी करके बेटी की शादी के लिए पैसा जमा किया था। उन्होंने धूमधाम से शादी की तैयारी की थी। शादी टूटने के बाद रात भर गांव में हंगामा होता रहा। वधू पक्ष ने लड़के वालों से दी गई रकम वापस करने की मांग की। रातभर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी होती रही। कई लोगों ने दुल्हन के इस साहसिक कदम की तारीफ की। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि घर आए बारातियों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया गया। सोमवार को गांव के लोग पंचायती में लगे रहे। दूल्हे के पिता ने बताया कि उनके लड़के ने कब और कहां नशा कर दिया, उन्हें पता नहीं। मगर जो भी हुआ वो दुर्भाग्यपूर्ण है।

बैन ड्रग्स के लिए युवाओं में बढ़ती तलब

हाल ही में एक जांच से पता चला है कि नशीली दवाओं की लत की महामारी, जो ज्यादातर युवा पुरुषों को प्रभावित कर रही है, पूरे भारत में फैल रही है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग भारत में महत्वपूर्ण सामाजिक और स्वास्थ्य मुद्दा है। भारत की विविध आबादी, बड़ी युवा जनसांख्यिकी और आर्थिक असमानताएं देश में नशीली दवाओं के दुरुपयोग की जटिल प्रकृति में योगदान करती हैं। सांस्कृतिक मूल्यों को बदलना, आर्थिक तनाव में वृद्धि और सहायक संबंधों में कमी से पदार्थ का उपयोग शुरू हो रहा है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, 10 से 75 वर्ष की आयु के 16 करोड़ लोग (14.6%) शराब के वर्तमान उपयोगकर्ता हैं और उनमें से 5.2% शराब पर निर्भर हैं। लगभग 3.1 करोड़ व्यक्ति (2.8%) भांग उपयोगकर्ता हैं और 72 लाख (0.66%) लोग भांग की समस्या से पीड़ित हैं। 7% बच्चे और किशोर इनहेलेंट का इस्तेमाल करते हैं, जबकि वयस्कों में यह दर 0.58% है। लगभग 18 लाख बच्चों को इनहेलेंट के इस्तेमाल के लिए मदद की जरूरत है। अनुमान है कि लगभग 8.5 लाख लोग इंजेक्शन के जरिए ड्रग्स ले रहे हैं। भारत में ड्रग्स की सबसे चिंताजनक श्रेणी ओपीओईड है। ओपीओईड के इस्तेमाल का प्रचलन वैश्विक औसत (0.7% बनाम 2.1%) से तीन गुना ज्यादा है। सभी ड्रग श्रेणियों में, ओपीओईड समूह (विशेष रूप से हेरोइन) की ड्रग्स बीमारी, मृत्यु और विकलांगता की सबसे ज्यादा दरों से जुड़ी हैं। ड्रग के दुरुपयोग से कई तरह की शारीरिक स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं, जिनमें लीवर की बीमारी (शराब से), संक्रामक रोग (इंजेक्शन ड्रग के इस्तेमाल में सुइयों को साझा करने के कारण) और ओवरडोज से होने वाली मौतें शामिल हैं। साथ ही मादक द्रव्यों के सेवन का मानसिक स्वास्थ्य विकारों जैसे अवसाद और चिंता से गहरा संबंध है। यह मौजूदा मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ा सकता है या नए लोगों के विकास को जन्म दे सकता है। ड्रग के दुरुपयोग से परिवार टूट सकते हैं, संघर्ष बढ़ सकते हैं और परिवारों के भीतर भावनात्मक आघात हो सकता है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग से प्रभावित परिवारों में बच्चों को उपेक्षा, दुर्व्यवहार और शिक्षा में बाधा का सामना करना पड़ सकता है, जिससे उनकी समग्र भलाई प्रभावित होती है। नशीली दवाओं की लत से जूझ रहे व्यक्तियों को अक्सर सामाजिक कलंक का सामना करना पड़ता है, जो उनके ठीक होने और समाज में फिर से शामिल होने में बाधा बन सकता है। परिवार के किसी सदस्य की लत को सहने की लागत और उससे जुड़े चिकित्सा व्यय के कारण परिवारों को अक्सर वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। अधिकांश नशीली दवाओं के उपयोगकर्ता 18-35 वर्ष की उत्पादक आयु वर्ग में होते हैं। नशीली दवाओं की लत के कारण कार्यस्थल पर अनुपस्थिति और उत्पादकता में कमी आ सकती है। हिंसा और अपराध में वृद्धि नशीली दवाओं के दुरुपयोग का प्रत्यक्ष प्रभाव है। नशे के आदी लोग अपनी दवाओं के भुगतान के लिए अपराध का सहारा लेते हैं। नशीली दवाएं संकोच को दूर करती हैं और निर्णय लेने की क्षमता को कम करती हैं, जिससे व्यक्ति अपराध करने के लिए प्रेरित होता है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग के साथ छेड़छाड़, समूह संघर्ष, हमला और आवेगपूर्ण हत्याओं की घटनाएँ बढ़ जाती हैं। आम आबादी, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के जोखिमों और इसके परिणामों के बारे में सीमित जागरूकता है। इसके अलावा स्कूलों और समुदायों में लोगों, विशेष रूप से युवा व्यक्तियों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरों के बारे में सूचित करने के लिए शैक्षिक कार्यक्रम अपर्याप्त हैं। मादक द्रव्यों के सेवन के विकार वाले व्यक्तियों को कलंकित करने से वे सहायता और समर्थन प्राप्त करने से हतोत्साहित हो सकते हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं और समाज में बड़े पैमाने पर भेदभाव उपचार और पुनर्वास सेवाओं तक पहुंच में बाधा उत्पन्न कर सकता है। नशीली दवाओं की लत के उपचार सुविधाओं और योग्य स्वास्थ्य पेशेवरों की भारी कमी है। भारत में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रचलन और पैटर्न पर सीमित शोध है, जो साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण और कार्यक्रम विकास में बाधा डालता है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग की छिपी और कलंकित प्रकृति के कारण सटीक डेटा एकत्र करने में भी चुनौतियां हैं। प्रमुख अफीम उत्पादक क्षेत्रों के करीब भारत की भौगोलिक स्थिति इन दवाओं की आसान उपलब्धता की ओर ले जाती है। इसके अलावा, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अनुसार, अवैध नशीली दवाओं के व्यापार के लिए 'डार्क नेट' और क्रिप्टोकरेंसी का उपयोग करने का चलन बढ़ रहा है। भारत में नए साइकोएक्टिव पदार्थों की खपत बढ़ रही है और ये पदार्थ अक्सर मौजूदा दवा नियंत्रण नियमों के दायरे से बाहर हो जाते हैं, जिससे कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए उन्हें प्रभावी ढंग से मॉनिटर और विनियमित करना चुनौती बन जाता है। व्यापक विधायी नीति तीन केंद्रीय अधिनियमों में निहित है अर्थात औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940, स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 और स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1988 में अवैध तस्करी की रोकथाम। यह भारत में नशीली दवाओं के कानून प्रवर्तन के लिए नोडल एजेंसी है। इसकी स्थापना 1986 में देश भर में नशीली दवाओं के कानून प्रवर्तन प्रयासों के समन्वय के लिए की गई थी। नशीली दवाओं के कानून प्रवर्तन में हितधारकों की बहुलता ने वास्तविक समय के आधार पर विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय को आवश्यक बना दिया है।

कैसे बढ़े चुनाव में मतदान का प्रतिशत

ANALYSIS

डॉ. आर.के. सिन्हा

प्रश्न यह उठता है कि मतदान का यह प्रतिशत क्या किसी मजबूत लोकतंत्र के लिए पर्याप्त है। बिल्कुल नहीं, तो फिर किया क्या जाए। यह तो पूरे देश के सभी जिम्मेदार नागरिकों को सोचना होगा कि चुनाव में मतदान प्रतिशत कैसे बढ़ाया जा सकता है। यह गंभीर मसला है। जैसा कि मैंने ऊपर कहा है कि महाराष्ट्र विधानसभा के लिए हुए चुनाव में 65 फीसद से अधिक मतदान हुआ है, जो पिछले 30 वर्षों में सबसे अधिक है। यह दो कारणों से उल्लेखनीय है– पहला, यह 2024 के लोकसभा चुनाव के आंकड़े से लगभग चार प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है और दूसरा, यह चुनावों में औसत राष्ट्रीय मतदान के करीब है, जो लगभग 65–66 प्रतिशत आंका गया है। महाराष्ट्र के आंकड़ों पर इसलिए गौर किया जाता है क्योंकि राज्य में देश की सबसे बड़ी शहरी आबादी है और ऐतिहासिक रूप से यह शहरों और कस्बों में कम मतदान के कारण औसत राष्ट्रीय मतदान से पीछे रहा है। हालांकि महाराष्ट्र के आंकड़े का गहराई से अध्ययन करने पर पता चलता है कि शहरी क्षेत्रों में मतदान के प्रति उदासीनता पूरी तरह से गायब नहीं हुई है। उदाहरण के लिए, पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले में 76.25 प्रतिशत का उच्च मतदान दर्ज किया गया।

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा के लिए हुए चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। अब दोनों राज्यों में नई सरकार का गठन भी हो गया है। झारखंड और महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री और कुछ मंत्रियों ने शपथ भी ले ली है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 65 फीसदी से अधिक मतदान हुआ, जो पिछले 30 वर्षों में सबसे अधिक है। यह दो कारणों से उल्लेखनीय है- पहला, यह 2024 के लोकसभा चुनाव के आंकड़े से लगभग चार प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है और दूसरा, यह चुनावों में औसत राष्ट्रीय मतदान के करीब है, जो लगभग 65-66% आंका गया है। प्रश्न यह उठता है कि मतदान का यह प्रतिशत क्या किसी मजबूत लोकतंत्र के लिए पर्याप्त है। बिल्कुल नहीं, तो फिर किया क्या जाए। यह तो पूरे देश के सभी जिम्मेदार नागरिकों को सोचना होगा कि चुनाव में मतदान प्रतिशत कैसे बढ़ाया जा सकता है। यह गंभीर मसला है। जैसा कि मैंने ऊपर कहा है कि महाराष्ट्र विधानसभा के लिए हुए चुनाव में 65 फीसद से अधिक मतदान हुआ है, जो पिछले 30 वर्षों में सबसे अधिक है। यह दो कारणों से उल्लेखनीय है- पहला, यह 2024 के लोकसभा चुनाव के आंकड़े से लगभग चार प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है और दूसरा, यह चुनावों में औसत राष्ट्रीय मतदान के करीब है, जो लगभग 65-66% आंका गया है। महाराष्ट्र के आंकड़ों पर इसलिए गौर किया जाता है क्योंकि राज्य में देश की सबसे बड़ी शहरी आबादी है और ऐतिहासिक रूप से यह शहरों और कस्बों में कम मतदान के कारण औसत राष्ट्रीय मतदान से पीछे रहा है। हालांकि महाराष्ट्र के आंकड़े का गहराई से

अध्ययन करने पर पता चलता है कि शहरी क्षेत्रों में मतदान के प्रति उदासीनता पूरी तरह से गायब नहीं हुई है। उदाहरण के लिए, पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले में 76.25% का उच्च मतदान दर्ज किया गया, उसके बाद गढ़चिरौली का स्थान है, जो माओवादियों की गतिविधियों के लिए सुर्खियों में रहता है, जहां 73.68% मतदान हुआ है, जबकि मुंबई शहर जिले में 52.07% का कम मतदान हुआ। पुणे, ठाणे और मुंबई उपनगरीय जैसे अन्य शहरी जिलों में भी इसी तरह के आंकड़े दर्ज किए गए हैं। हालांकि सकारात्मक पहलू यह है कि पूरे राज्य में मतदान में समग्र सुधार हुआ है। इस बदलाव का श्रेय, हालांकि अपेक्षाकृत धीमा और क्रमिक है, इसका मुख्य रूप से श्रेय भारत के वर्तमान चुनाव आयोग को जाता है। मतदान बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग इस बार काफी सक्रिय था। इसके अभियान में सोशल मीडिया सहित स्थानीय हस्तियों - क्रिकेटरों से लेकर फिल्म सितारों तक को भी शामिल किया गया है और इसमें ऊंची इमारतों और आवासीय सोसाइटियों में मतदान केंद्र स्थापित करना और कतार में लगने के समय को कम करने के लिए टोकन प्रणाली शामिल है। राजनीतिक दलों के उच्च वोल्टेज अभियानों ने भी मतदाता भागीदारी बढ़ाने में मदद की है। महाराष्ट्र में बेहतर मतदान भारतीय लोकतंत्र के लिए आश्वस्त करने वाला है। हालांकि यह मानना होगा कि देश के शहरी इलाकों में मतदान कमोबेश कम ही रहता है। शिमला से सूरत तक शहरी मतदाताओं की उदासीनता लगातार बनी हुई है। यह रुझान नया नहीं है। चुनावों के पहले तीन दशकों में शहरी मतदाताओं की भागीदारी काफी बेहतर रहती थी। 1980 के दशक से शहरी और ग्रामीण मतदान के बीच का अंतर बढ़ गया है। शहरी उदासीनता को समझना होगा। शहरी भारत का जीडीपी में 60% और करों में बहुत बड़ा हिस्सा है। पर, हमारे यहां के शहरों की हालत लगातार खराब हो रही है। आजकल दिल्ली में प्रदूषण का स्तर जिस तरह का हो गया है, उसने आम लोगों का जीना दूभर कर दिया है। दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी बन गई है। यह तो राजधानी की हालत है। गुजरे कुछ सालों के दौरान दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बैंगलुरु जैसे देश के अति अहम महानगर बारिश से जलमग्न होते रहे। इनमें जिंदगी कई दिनों तक थमी रही। सड़कों पर जलभराव के कारण जाम लग गए, रेल सेवा प्रभावित हुई, घरों में पानी जाता रहा, स्कूल-कॉलेज बंद हो गए। देश के इन खासमखास शहरों की तस्वीर बहुत कुछ बयां कर गई। यह कोई पहली बार नहीं हुआ। यह स्थिति हर साल होती है, योजनाएं बनती हैं, ताकि बारिश के बाद होने वाली अव्यवस्था और अराजकता की पुनरावृत्ति ना हो, पर योजनाएं फाइलों में गुम हो जाती हैं। यह समझना होगा कि शहरी भारत, देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। देश का लगभग सारा सेवा क्षेत्र (सर्विस सेक्टर) शहरों में ही सिमटा है। जनगणना के आंकड़ों को मानें तो देश की 31 फीसद आबादी शहरों में रहती है। हालांकि गैर सरकारी आंकड़ें शहरी आबादी कहीं अधिक होने का दावा करते हैं। इन शहरों में रोजगार के अवसर हैं। सारे देश के नौजवानों के सपने इन्हीं शहरों में पहुंचकर साकार होते हैं। नीति निर्धारकों के फोकस से कहीं दूर बसते हैं शहर। जाहिर है, इस कारण मतदाता निराश होने लगता है अपने जनप्रतिनिधियों से। उसे लगता है कि जब उसके नेता निकम्मे होंगे तो वह वोट क्यों करे। मतदाताओं को नेता बार-बार निराश करते हैं। इसलिए जनप्रतिनिधियों को समझना होगा कि अगर देश में मतदान केंद्रों की तरफ फिर से मतदाताओं को बड़े पैमाने पर लाना है, तो उसकी जिम्मेदारी सिर्फ चुनाव आयोग की ही नहीं है। उन्हें भी जनता से सीधा संपर्क बनाकर रखना होगा। उन्हें भी जनता के मसलों को लेकर संवेदनशील बनना होगा। आपको याद होगा कि पिछले लोकसभा चुनाव के वक्त लगभग सारे में देश सूरज देवता आग उगल रहे थे। फिर भी मतदाता मतदान करने के लिए घरों से निकल रहे थे। मतदान वाले दिन कई जगहों में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस से भी ऊपर था। लू भी चल रही है। इतने कठोर मौसम में चुनाव प्रचार करना और फिर मतदान करने के लिए मतदान केंद्रों के बाहर लंबी लाइन लगाकर खड़ा होना सामान्य बात नहीं थी। इतने खराब मौसम में भी देश के लाखों-करोड़ों मतदाता घरों से निकल कर वोट तो दे ही रहे थे। यह सुखद भी है और हमारे मजबूत लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत भी है। आखिर देश के जनमानस को पता है कि उनके वोट से ही देश की तकदीर लिखी जाएगी। इसलिए ही लोग वोट देकर अपने लोकतांत्रिक अधिकार का भरपूर इस्तेमाल करते हैं। पहले से ही सक्रिय चुनाव आयोग को अधिक से अधिक मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए मतदान केंद्रों को अधिक सुलभ और आकर्षक बनाना होगा। इसमें पर्याप्त पार्किंग और आरामदायक प्रतीक्षा क्षेत्र जैसे सुधार शामिल हो सकते हैं। दिव्यांग मतदाताओं को उनके घर में ही वोट देने की सुविधा दी जा सकती है। फिलहाल तो दिव्यांग जनों को मतदान केंद्रों में काफी कष्ट होता है। इस तरफ गंभीरता से सोचना होगा। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि पंचायत, नगरपालिका, विधानसभा और लोकसभा चुनावों में मतदान को बढ़ाने की जिम्मेदारी सिर्फ चुनाव आयोग की ही नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का महत्व

अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव पूरी दुनिया के लिए एक ऐसा मंच है, जहां एक दूसरे का अनुभव ही शेयर नहीं किया जाता है, बल्कि एक बड़ा सांस्कृतिक समागम भी होता है। इससे नई और आगे की पीढ़ी को विरासत को समझने में सहूलियत होती है। हाल में भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) संपन्न हुआ है। इसका मुख्य आकर्षण महान हस्तियों-बहुमुखी अभिनेता अक्किनेनी नागेश्वर राव, महान शोमैन राज कपूर, सदाबहार स्वरों के साधक मोहम्मद रफी और प्रतिभाशाली कहानीकार तपन सिन्हा के कार्यों से जुड़ा एक ऐतिहासिक उत्सव रहा। इन महान दिग्गजों ने अपनी असाधारण प्रतिभा एवं दृष्टिकोण से फिल्म उद्योग को गौरवान्वित किया और एक ऐसा अमिट जादू बिखेरा, जिसने फिल्म निमार्ताओं, संगीतकारों और दर्शकों की कई पीढ़ियों को समान रूप से प्रेरित किया है। उनकी विरासत युगों-युगों तक गूंजती रहेगी। राज कपूर अभिनेता, निर्देशक, स्टूडियो मालिक और निमार्ता के रूप में अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जाने जाते थे। उनकी फिल्में अक्सर सामाजिक मुद्दों को हास्य एवं संवेदना के साथ चित्रित करती थीं, जिससे वे आम आदमी की आवाज बन गए। अपनी मार्मिक कथाओं और गहरी सामाजिक अंतर्दृष्टि के लिए जाने जाने वाले तपन सिन्हा बंगाल के एक निपुण फिल्मकार थे, जिनका काम अक्सर आम लोगों के संघर्ष को उजागर करता था। कलात्मकता को सामाजिक टिप्पणी के साथ मिश्रित करने की उनकी क्षमता ने उनकी फिल्मों को कालजयी बना दिया है। अक्किनेनी नागेश्वर राव, जिन्हें एएनआर के नाम से जाना जाता है, तेलुगु सिनेमा की महान हस्ती थे। उन्हें उनके लचीले व्यवहार एवं सशक्त अभिनय के लिए जाना जाता है। छह दशकों से अधिक के करियर में उन्होंने तमाम यादगार भूमिकाएं निभाईं। सबसे लोकप्रिय पार्श्वगायकों में से एक रफी अपनी असाधारण आवाज और अभिव्यंजक गायन शैली के लिए प्रसिद्ध रहे। उनके सदाबहार गीतों ने कई पीढ़ियों एवं भाषाओं के श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया है। एक फिल्म महोत्सव सही अर्थों में तभी सार्थक बनता है, जब वह अपने इतिहास को याद करता है। आईएफएफआई के 55वें संस्करण ने न केवल इन हस्तियों की सिनेमाई उपलब्धियों का उत्सव मनाया, बल्कि फिल्म प्रेमियों की नई पीढ़ी को उनकी विरासत से परिचित कराने के लिए एक मंच के रूप में भी काम किया। पहले एक आडियो-विजुअल प्रस्तुति में एएनआर, राज कपूर, मोहम्मद रफी और तपन सिन्हा की जीवन यात्रा का वर्णन किया गया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस समारोह का एक अनूठा आकर्षण इन हस्तियों को समर्पित एक विशेष डाक टिकट संग्रह का विमोचन था। इन चार दिग्गजों की प्रतिष्ठित छवियों को प्रदर्शित करने वाले इस स्मारक डाक टिकट संग्रह ने सिनेमा और संस्कृति के क्षेत्र में उनके योगदानों को अमर बना दिया। एक बेहद सराहनीय बात यह रही कि इस फिल्म महोत्सव में इन महान हस्तियों के परिवार के सदस्यों, सहयोगियों और फिल्म उद्योग के दिग्गजों के साथ पैनल चर्चा एवं बातचीत के सत्र की एक श्रृंखला पेश की गई। इस बातचीत ने इन दिग्गजों के व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन से जुड़ी अमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की। प्रसिद्ध अभिनेत्री खुशबू सुंदर और अक्किनेनी नागेश्वर राव के बेटे एवं अभिनेता नागार्जुन अक्किनेनी ने तेलुगु सिनेमा को आकार देने में इस बहुमुखी कलाकार की अग्रणी भूमिका पर प्रकाश डाला। महान शोमैन के पोते एवं अभिनेता रणबीर कपूर और फिल्म निर्देशक राहुल रवैल ने राज कपूर की विरासत की पड़ताल की तथा भारतीय सिनेमा में उनके प्रेरक कार्यों और कला को सामाजिक प्रभाव के साथ जोड़ने की उनकी क्षमता का विश्लेषण किया। मुझे भारतीय संगीत में रफी के कालातीत योगदान पर विचार करने के लिए प्रसिद्ध पार्श्वगायकों अनुराधा पौडवाल एवं सोनू निगम और गायक शाहिद रफी के साथ एक गहन परिचर्चा में भाग लेने का सौभाग्य मिला। करिश्माई अभिनेत्री शर्मिला टैगोर, अभिनेता अर्जुन चक्रवर्ती और फिल्मों के विद्वान एन. मनु चक्रवर्ती ने तपन सिन्हा की कहानी कहने की उत्कृष्ट शैली और बांग्ला एवं भारतीय सिनेमा पर उनके प्रभाव के बारे में अपने विचार पेश किए। आईएफएफआई ने दिग्गज कलाकारों की कलात्मक उत्कृष्टता का उत्सव मनाने के लिए डिजिटल रूप से पुनर्स्थापित फिल्मों की एक विशेष लाइनअप भी खूबसूरती से तैयार की थी। चयनित फिल्मों में देवदासु (अक्किनेनी नागेश्वर राव), आवारा (राज कपूर), हम दोनों (मोहम्मद रफी का संगीत), और हारमोनियम (तपन सिन्हा) शामिल थीं। इन फिल्मों के प्रदर्शन ने पुरानी यादों को ताजा कर दिया और पीढ़ियों से चली आ रही उनकी शाश्वत अपील का उत्सव मनाया। ह्यकारवां आफ सांग्सह्न नाम की एक संगीतमय यात्रा में राज कपूर और मोहम्मद रफी के 150 गीतों के साथ-साथ एएनआर और तपन सिन्हा के 75 गाने प्रदर्शित किए गए। इस संगीतमय श्रद्धांजलि ने भारतीय सिनेमा के समृद्ध साउंडस्केप में उनके बेजोड़ योगदानों पर प्रकाश डाला। अंत में इस फिल्म महोत्सव में सफरनामा नाम की एक प्रभावशाली प्रदर्शनी में इन चारों दिग्गजों के जीवन एवं करियर से जुड़ी दुर्लभ तस्वीरें, यादगार वस्तुएं और कलाकृतियां प्रदर्शित की गईं। राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) और केंद्रीय संचार ब्यूरो ने अतीत एवं वर्तमान के बीच के अंतर को पाटते हुए इन हस्तियों की व्यक्तिगत और व्यावसायिक उपलब्धियों को जनता के सामने लाने का अच्छा काम किया। कुल मिलाकर इस समारोह ने न केवल उनकी उपलब्धियों का उत्सव मनाया, बल्कि भारतीय सिनेमा की उस स्थायी भावना को भी मजबूत किया, जिसे इन दिग्गजों ने आकार देने में मदद की।

Social Media Corner

सच के हक में...

जब भी हम नए आर्थिक मॉडल अपनाते हैं, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी व्यक्तियों, खासकर असुरक्षित क्षेत्रों के लोगों का कल्याण, हमारी प्राथमिकता बनी रहे। अपने समय की चुनौतियों का सामना करते हुए, हमें प्रत्येक व्यक्ति के मौलिक अधिकारों को बनाए रखना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी पीछे न छूटे।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का 'एक्स' पर पोस्ट)

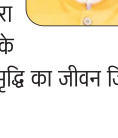

श्री सी. राजगोपालाचारी को उनकी जयंती पर स्मरण। उन्हें भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके समृद्ध योगदान और भारत की प्रगति को आगे बढ़ाने के प्रयासों के लिए याद किया जाता है। वह एक बहुमुखी व्यक्तित्व थे, जिन्होंने शासन, साहित्य और सामाजिक सशक्तिकरण पर गहरा प्रभाव छोड़ा। राजाजी के सिद्धांत हमें यह सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित करते हैं कि प्रत्येक भारतीय सम्मान और समृद्धि का जीवन जिए।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

सर्वसम्मति से षष्टम झारखण्ड विधानसभा के अध्यक्ष चुने जाने के लिए आदरणीय श्री रबिन्द्रनाथ महतो जी को अनेक-अनेक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार। मुझे विश्वास है कि राज्य के सर्वांगीण विकास में लोकतंत्र का यह मंदिर अपनी अभूतपूर्व भूमिका निभाएगा।

(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

सीरिया के वर्तमान हालात चिंताजनक

पिछले दिनों में सीरिया में जो कुछ हुआ है, वाकई चिंताजनक है। दुनिया के दूसरे देश इसे अपने-अपने नजरिए से देख रहे हैं। भारत वहां की गतिविधियों पर गंभीरता से नजर बनाए हुए है। वहां वर्षों से असद की शिया प्रभुत्व वाली सरकार और विभिन्न सुन्नी चरमपंथी गुटों के बीच संघर्ष जारी था, परंतु 2019 में इस्लामिक स्टेट के पतन और उसके स्वघोषित खलीफा अबु बकर अल बगदादी के मारे जाने के बाद वह सुर्खियों से बाहर था। 2015-16 में असद सरकार के समर्थन में रूसी वायुसेना के अभियान द्वारा सुन्नी चरमपंथियों के खदेड़े जाने के बाद यह तय माना जाने लगा था कि असद सरकार का पतन संभव नहीं है, परंतु गत दिवस ऐसा ही हुआ। पिछले 11-12 दिनों में सुन्नी चरमपंथी गुट हयात तहरीर अल शाम (एचटीएस) के अभियान ने एकाएक तेजी पकड़ी और सीरिया की फौज बिना लड़े ही पीछे हटती चली गई और अंततः बशर अल असद को देश छोड़कर रूस जाना पड़ा। इस बार रूस और ईरान, दोनों ने असद सरकार के समर्थन में हस्तक्षेप से परहेज किया। असद सरकार यूक्रेन से लेकर फलस्तीन तक बिछी भू-राजनीतिक शतरंज की बिसात पर बलि का बकरा बन गई। ईरान ने असद को बचाने के लिए कोई बड़ा कदम इसलिए नहीं उठाया, क्योंकि उसे खुद पर इजरायली और अमेरिकी हमले का अंदेशा है। वह अपने सीमित सैन्य और आर्थिक संसाधनों को सहेज कर रखना चाहता है। इसी तरह डोनाल्ड ट्रंप के चलते रूस अपने सैन्य संसाधनों को यूक्रेन मोर्चे पर केंद्रित रखना चाहता है, ताकि वहां अधिक से अधिक भूमि पर कब्जा कर सके और संघर्ष विराम की स्थिति में उसके कब्जे वाला भू-भाग उसके पास ही रहे। ईरान और रूस के इस रवैये से सबसे बड़ा लाभ इजरायल और तुर्किये को हुआ। हमास और हिजबुल्ला के कमजोर पड़ने के बाद असद सरकार का पतन ईरान के नेतृत्व वाले शिया गठजोड़ के लिए एक बड़ा झटका है और हाल-फिलहाल इजरायल के लिए बड़ी तात्कालिक सफलता। असद सरकार के पतन के तुरंत बाद इजरायली सेनाओं ने गोलान की पहाड़ियों से आगे बढ़कर सीरिया के अंदर आपरेशन प्रारंभ कर दिया है। इसका उद्देश्य इजरायल की सीमाओं का विस्तार, एक बफर जोन का निर्माण और सीरिया की सैन्य क्षमता को कुंद करना है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि सीरियाई सेना के लड़ने से मना कर देने के पीछे कहीं इजरायल और उसके समर्थक पश्चिमी देशों की खुफिया एजेंसियों का हाथ तो नहीं। इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने असद सरकार के पतन को ऐतिहासिक अवसर बताया, परंतु साथ ही चेताया भी कि इस घटनाक्रम के भयावह परिणाम हो सकते हैं। नेतन्याहू ऐसा कहने के लिए इसलिए मजबूर हैं, क्योंकि जिस एचटीएस को पश्चिमी मीडिया सीरिया का विद्रोही संगठन बता रहा है, उसमें अलकायदा और इस्लामिक स्टेट के पूर्व आतंकी भरे पड़े हैं। सीरिया पर काबिज तत्व फिलहाल भले ही इजरायल के काम आए हों, पर वे अपना असली रंग दिखा सकते हैं। अफगानिस्तान में सोवियत संघ की हार के बाद अमेरिका के पाले-पोसे ओसामा बिन लादेन ने ऐसा ही किया था। एचटीएस का असली आका कोई और नहीं, बल्कि तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन हैं, ठीक वैसे ही जैसे जैश और लश्कर का पाकिस्तान है। एर्दोगन एचटीएस के माध्यम से सीरिया पर शासन का वैसा ही सपना देख रहे हैं, जैसा पाकिस्तान के जनरल तालिबान के जरिये अफगानिस्तान को लेकर देखा करते थे। प्रथम विश्व युद्ध में तुर्किये की हार से पहले तक सीरिया के विभिन्न इलाके आटोमन तुर्क साम्राज्य का हिस्सा हुआ करते थे। सऊदी अरब भी उस साम्राज्य का हिस्सा था। आज के सीरिया और इराक जैसे देशों की सीमाएं प्रथम विश्व युद्ध के विजेता देशों फ्रांस और ब्रिटेन ने अपने मनमुताबिक खींची थीं। एर्दोगन उसी ओटोमन साम्राज्य की पुनर्स्थापना का सपना देख रहे हैं। वह सीरिया पर काबिज हुए तत्वों का उपयोग कुर्दों को ठिकाने लगाने में कर सकते हैं, जो सीरिया के एक हिस्से पर काबिज हैं और तुर्किये में भी सक्रिय हैं।

संवेदनहीन टिप्पणियां

जब नीति निमार्ता पेयजल तक सबकी पहुंच को प्राथमिकता दे रहे हैं, चेन्नई में पिछले हफ्ते संदिग्ध दूषित नल जल के उपभोग से तीन व्यक्तियों की मौत होना यह याद दिलाता है कि समस्या केवल कवरेज नहीं है। यहां तक कि जिन शहरी केंद्रों में नल के जरिए जलापूर्ति का लंबा इतिहास है, वहां भी खतरनाक संदूषण से मुक्त पेयजल अब तक सुनिश्चित नहीं हो पाया है। यह घटना उपनगरीय पल्लावरम में राज्य एजेंसी के जरिए पेयजल आपूर्ति से जुड़ी है, जिसने 34 अन्य लोगों को डायरिया की शिकायत के साथ अस्पताल पहुंचा दिया। स्थानीय पानी के नमूनों की प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट अभी सार्वजनिक नहीं हुई है और एजेंसी को दोषी ठहराना जल्दबाजी हो सकती है। इसके बावजूद राज्य के मंत्री टीएम अनबरसन की वो टिप्पणियां संवेदनहीन और गैरजिम्मेदाराना लगती हैं, जिनमें उन्होंने प्रभावित लोगों पर अपने आसपास स्वच्छता नहीं रखने का आरोप लगाया है। वजह चाहे जो हो, यह चिंताजनक है कि भारत के शहरों में पानी का गंभीर संदूषण बार-बार होना जारी है। बीते छह महीनों में, बेंगलुरु, कोची, नोएडा, विजियानगरम समेत कई शहरों में ई.कोलाई वाले पानी के उपभोग के चलते बड़े पैमाने पर लोगों के बीमार पड़ने की खबरें आई हैं। यह उन लोगों की बुनियादी जरूरतें पूरी करने की चुनौती सामने लाता है, जो लगातार दूसरी जगहों से शहरों में आ रहे हैं और तंग इलाकों में रह रहे हैं, जिससे जलापूर्ति और जल-निकासी के बुनियादी ढांचे पर दबाव पड़ता है। भारत जैसे ऊष्ण देशों में सुरक्षित पेयजल मुहैया कराने में सरकारें चुनौती का सामना करती हैं। जलशक्ति मंत्रालय के आंकड़े दिखाते हैं कि 25 राज्यों के 230 जिलों के कई हिस्सों में भूमिगत जल में आर्सेनिक और 27 राज्यों के 469 जिलों में फ्लोराइड पाया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, 2022 में दुनिया में कम-से-कम 1.7 अरब लोगों ने मल से दूषित पेयजल स्रोतों का इस्तेमाल किया। विश्व स्तर पर अनुमानतः सालाना 10 लाख लोग असुरक्षित पेयजल और साफ-सफाई व हाथ की स्वच्छता के अभाव के चलते डायरिया होने से मरते हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

The power of silence

In today's fast-paced world, silence is often overlooked. Yet, it holds profound spiritual and psychological power. Silence is not just the absence of sound but an intentional pause that allows inner reflection and wisdom to emerge. Across spiritual traditions, silence is revered as a tool for self-discovery, mindfulness and clarity. But what is the power of silence, and how can we embrace it in our busy lives?Silence, in its purest form, is more than just quiet. It is the stillness that allows us to connect with our inner selves. In Hinduism, the concept of mauna (voluntary silence) is key to mental discipline and self-purification. Ramana Maharshi practiced silence not just as an external act but as a deep internal discipline to achieve self-realisation.

Maharshi's silence transcended the ego and allowed him to access higher consciousness. Mahatma Gandhi also saw silence as a powerful spiritual tool. His practice of "noble silence" helped him clear his mind and stay grounded during the complex struggles of the Indian independence movement.In Buddhism, silence is a path to enlightenment, where the stillness of mind allows the true nature of reality to emerge. Similarly, in Christianity, silence is a means of communing with God, removing distractions to hear divine wisdom. Silence centres our thoughts, quiets mental noise and creates space for insight.

A 2013 study published in Brain, Structure and Function found that two hours of silence daily in mice led to new brain cells in the hippocampus, a region associated with memory and emotions. Hence, silence shows promise for supporting cognitive and emotional well-being.

Why Silence is Important

In today's world, we are constantly bombarded by noise—social media,work and daily distractions. This leads to stress, mental fatigue and disconnection from ourselves. Silence offers respite from these external stimuli, helping us regain focus and connect with our deeper thoughts. It is essential for personal clarity and growth.Moreover, silence fosters better communication. In conversations, pauses can be more meaningful than constant chatter. Mindful silence during dialogue allows for deeper understanding and reflection, leading to more meaningful connections. By practicing silence, we listen more intently, respond with greater care and create stronger relationships.

How to Embrace Silence

To benefit from silence, we must make space for it. Here are several practical ways to incorporate silence into our daily routines:Meditation: Meditation is one of the best ways to cultivate silence. It quiets the mind and encourages inward focus, helping to reduce stress and improve clarity. In Hinduism, meditation is vital for realising one's true nature (Atman) and connecting with the divine.

Silent Retreats: Common in both Buddhist and Hindu traditions, silent retreats offer deep immersion in silence. These retreats allow individuals to disconnect from external distractions and focus entirely on inner reflection. While full retreats may not always be possible, incorporating periods of silence into the day can have a similar effect.Nature Walks: Spending time in nature provides a natural form of silence. Walking in the woods or near the sea quiets the mind, allowing for reflection and peace. This practice, embraced by many spiritual figures, offers a break from the noise of modern life.

Mindful Listening: Silence also means listening deeply. Pauses in conversations can foster better understanding and empathy. By listening mindfully, we enhance communication and strengthen connections.

Reducing Noise: Technology often bombards us with constant noise. Turning off notifications or creating quiet spaces at home or work can promote silence and enhance focus. In many Hindu practices, creating a sacred, quiet space for prayer or meditation is considered essential for spiritual growth.

Opacity continues to afflict India-China relationship

A comprehensive White Paper that builds on the External Affairs Minister's detailed statement in Parliament would be a much-needed first step.

The positive tenor in the post-Galwan India-China relationship was enabled by a brief meeting between Prime Minister Narendra Modi and Chinese President Xi Jinping on the sidelines of the BRICS Summit in Kazan, Russia, in late October. It received considerable official comment and caused parliamentary discord in early December.

External Affairs Minister (EAM) S Jaishankar made a detailed statement in Parliament on December 3. He traced the history of the unresolved territorial-cum-border issue from 1958 right up to the most recent thaw in the relationship at Kazan in a lucid, albeit selective, manner. He unequivocally stated: "We are clear that the maintenance of peace and tranquillity in border areas is a prerequisite for the development of our ties. In the coming days, we will be discussing both de-escalation as well as effective management of our activities in the border areas."Regrettably, the EAM's statement resulted in the Opposition members staging a walkout, since a discussion was not allowed. This legislative discord was avoidable.The EAM's statement was followed by the 32nd meeting of the Working Mechanism for Consultation and Coordination (WMCC) on India-China Border Affairs in Delhi on December 5 between officials from both countries.

The Ministry of External Affairs' (MEA) readout regarding the outcome of the WMCC meeting was brief and intriguing. The most significant assertion is the line that reads: "The two sides positively affirmed the implementation of the most recent disengagement agreement which completed the resolution of the issues that emerged in 2020."Does this imply that the disengagement process is complete and that the seemingly intractable issues, which emerged in 2020 (the Galwan setback), have reached satisfactory resolution? The second question is whether the use of the word 'agreement' has been accepted by the Chinese side and if this is a reference to a written document or is the agreement an oral understanding?

After the initial fumble and obfuscation that took place in the immediate aftermath of the Galwan clash in June 2020 (the statement by PM Modi that there was no intrusion) — the Indian position gradually crystallised with two major objectives. One, that there has to be a return to the April 2020 status quo as regards the patrolling protocols along the Line of Actual Control (LAC); and two, that all agreements signed between India and China regarding the unresolved territorial/border issue would be respected.An objective review of the tactical situation after the Galwan incident revealed that India had forfeited certain patrolling rights along the LAC in Ladakh. Furthermore, concerns were voiced that buffer zones were being created along the LAC, which would inhibit both Indian patrolling and grazing rights that existed in April 2020. Was this a case of China imposing a 'new normal' along the LAC?The most recent official statements do not

shed any light on these issues. One presumes that they will be addressed by the Special Representatives at their next meeting later this month. Dissonance in the MEA statements was highlighted by Ashok Kantha, former Ambassador to China, in a series of tweets on social media. He added: "The MEA statement that 'all issues that emerged in 2020' have been resolved is baffling to someone who was a border negotiator with China for nearly a decade." This is a welcome intervention in the public domain by an astute China expert.Hopefully, the statements from the MEA will be harmonised with the final military objective that was reiterated by Army Chief Gen Upendra Dwivedi, who noted (on October 23) that both armies need to restore trust and "go back to the status quo of April 2020".The MEA statement after the WMCC talks also noted: "Both sides reviewed the situation in border areas, and reflected on the lessons learnt from the events of 2020 in order to prevent their recurrence."The reference to 'reflecting' on lessons learnt warrants a zoom out for Delhi, which has been grappling with this unresolved border problem for well over 65 years. India was surprised by the October 1962 Chinese attack and the limited border war that ensued; and much the same pattern unspooled in June 2020 at Galwan.

India's first Prime Minister Jawaharlal Nehru was at the helm in October 1962. There were many defence policy blunders and omissions on his part. Yet, Nehru did not prevent the debacle from being discussed in Parliament. A few Opposition MPs, including a young Atal Bihari Vajpayee, sought a special session of Parliament. This was held on November 8 — when the war was still being prosecuted and India was on the defensive. And when it was suggested that this be a 'secret session', Nehru rejected the proposal, stating that the issues before the House were of "high interest to the whole country".On December 10, 1962, a full session was devoted to the Chinese invasion in the Lok Sabha; the comprehensive proceedings have been recorded in 145 pages.Yet, even Nehru was reluctant to let the Henderson Brooks report (which was tasked with reviewing the military lapses of the October 1962 war) from being placed in the public domain. This opacity continues to plague the post-Galwan period of the troubled India-China relationship.Tensions between the two Asian giants have been festering for decades. Complex geopolitical factors and domestic political compulsions on both sides have further exacerbated the situation. Sunlight is often the best disinfectant, and ensuring transparency about what has transpired would be highly desirable. Democratic India would be better served by allowing this vital national security issue to be discussed both in Parliament and the media. A comprehensive White Paper on the India-China relationship that builds on the EAM's detailed statement in Parliament would be a much-needed first step.

Rumblings in INDIA

Opposition alliance faces leadership crisis

SIX months after its creditable performance in the Lok Sabha elections, the Opposition's INDIA bloc finds itself at a crossroads. The alliance did well in the Jharkhand and J&K Assembly elections, but the stunning losses in Haryana and Maharashtra have laid bare differences among its constituents. The knives are out especially after the drubbing suffered by the Congress-led Maha Vikas Aghadi at the hands of the BJP-helmed Mahayuti in Maharashtra. The grand old party's poor show has dented its predominant position in INDIA, prompting Trinamool Congress chief and West Bengal CM Mamata Banerjee to throw her hat into the ring. Dissatisfied with the bloc's functioning, Mamata has signalled her intention to take charge of the alliance, if given the opportunity. She has found support from Nationalist Congress Party stalwart Sharad Pawar, who has called her a "prominent leader" of the nation.It's apparent that Rahul Gandhi, Leader of the Opposition in the Lok Sabha, is losing ground as the face of INDIA. There are three Gandhis in Parliament now — with Priyanka being the latest entrant — but this dynastic milestone has not enthused the Congress' allies. Though party president Mallikarjun Kharge is also the chairperson of the bloc, it is no secret that the Gandhi family is calling the shots. But this arrangement is strengthening neither the Congress nor INDIA.

The Congress has no option but to pay heed to its partners. Overconfidence cost it dear in Haryana, where it chose to give short shrift to fellow INDIA members. Uddhav Thackeray's Shiv Sena has not helped matters by hailing those who demolished the Babri Masjid, triggering a backlash from the Samajwadi Party, which has a sizeable Muslim vote bank in Uttar Pradesh. Mutual respect and accommodation must be the way forward if the bloc has to remain intact. Otherwise, this alliance might implode sooner or later, leaving the field open for the BJP and PM Modi.

The cost of GST & fiscal crises in states

If the Indian Union has to be protected, evidence suggests that the GST 'experiment' must be abandoned.

MORE than seven years since its introduction, the Goods and Services Tax (GST) regime, hailed as a game-changing innovation at the time of its launch, is still being sustained with hype. From the point of view of performance, the regime, while not yielding the revenue gains its "efficiency" was supposed to deliver, is proving to be the final factor driving most state governments to bankruptcy.The Central Government has sought to conceal this reality by reporting the nominal values of GST collections every month and comparing them with the previous month or the corresponding month of the previous year.It is to be expected that so long as the GDP growth is positive, revenues from taxation, especially indirect taxation, are likely to increase in nominal terms. But even this "natural" trend has been broken by multiple monthly figures that point to a lower yield of revenues than in past periods chosen for comparison.

To make up for that bad news, the Centre has tended to make much of those months when nominal or current price figures are higher than in the past, advertising "record" collections in hyped press releases.A sober and reasoned assessment points to the following: If we exclude the period from the GST's inception in August 2017 till March 2022, allowing sufficient time for the system to have overcome its "teething troubles", we have net collections ofRs 880 billion in April 2022. Between that month and October 2024 — a period of 31 months — there have been only three months when the aggregate figure exceeded that sum. These, too, are 'nominal' receipts.Besides the growth of the economy, another reason why receipts from taxation should rise because of inherent "buoyancy" is the impact of inflation. It takes more money for a government to do the same thing when the prices are higher. The trend rate of monthly growth in receipts from the GST between April 2022 and October 2024 was just 0.86 per cent. Adjust for inflation, and the growth rate of "real" receipts falls to exactly half of that: 0.43 per cent. That is near-stagnation.This has hit the state governments particularly hard because they are the ones who ceded a substantial share of their taxation rights to the GST Council, which is dominated by the Centre. With the shift to the GST, the share of state taxes that were subsumed under the new tax regime (44 per cent) was much larger than that of the Central taxes (28 per cent).

The loss of that revenue stream occurred during a period in which the Centre had squeezed the volume of its own receipts that it devolved to the states. It did that by relying increasingly on imposts that are not included in the divisible pool of resources to be shared with states based on the recommendations of the Finance Commission.The most egregious instance of this is the reliance on surcharges and cesses that are not shareable. The share of surcharges and cesses to Gross Tax Revenue of the Centre, which was 9.5 per cent in 2013-14, rose to 14.8 per cent in 2023-24 (it was as high as 20.5 per cent in 2020-21).The other factor inflicting losses on the states is the large direct tax concessions given to friends in the corporate sector by the Centre, which reduces the size of the divisible pool.The question does arise as to why the states agreed to cede their taxation rights and reduce their own fiscal

autonomy. One reason was their own embrace of the neoliberal ideology. Value-Added Tax (VAT), to which species the GST belongs, is the preferred means of taxation in neoliberal environments that privilege corporate profits (with lower taxes) and mobilise revenue through indirect taxes like VAT, the burden of which falls disproportionately on the poor and middle classes.This "regressive" character is sought to be papered over by claiming that these taxes are more "efficient". In India's case, that argument was fortified by the claim that a system that "harmonised" taxes across states was also efficient. Why states at different levels of development and very different economic structures should have the same structure of taxation across commodities is, of course, not addressed.Based on such arguments, it was projected that the GST regime would not just be "revenue-neutral", but also, in fact, deliver substantial increases in revenues. The states bought into this spurious argument. In fact, they were also cajoled into accepting the major shift in regime with the promise that in case revenues accruing to the states from the GST fell short of a level that reflected a 14 per cent annual increase relative to the pre-GST collections from taxes that were subsumed under the regime, they would be compensated by the Centre.That promise was for five years, by which time the "game-changing" GST was supposed to deliver on its promises.Those promises have been completely belied. The annual average revenue realised from taxes subsumed under the GST from 2012-13 to 2016-17 is estimated at Rs 7.70 lakh crore. If that is taken as the base from which the 14 per cent growth in revenues from the GST is calculated, the actual collections reflect a significant shortfall relative to the 'promised' revenues. Not surprisingly, compensation for the shortfall financed with the compensation cess was crucial for the states.

But that came to an end after five years, much to the surprise of the states. They are now more than ever dependent on the patronage of the Centre for revenues that match the expenditures associated with the developmental responsibilities they constitutionally shoulder.

Reliance eyes $3 billion in India's largest loan deal since 2023: Report

NEW DELHI. Reliance Industries is in talks with several banks to secure a $3 billion loan, reported news agency Bloomberg. The funds are intended to refinance debt that is due next year, as per sources mentioned in the report.The Indian conglomerate led by billionaire Mukesh Ambani is engaging with about half a dozen banks to finalise the loan, which is expected to be syndicated to the broader market in the first quarter of 2025.Discussions are ongoing, and the terms of the loan are yet to be confirmed. The final structure could change as negotiations progress, according to people cited in the report.

Reliance Industries has nearly $2.9 billion in debt maturing in 2025, including interest payments, as per data compiled by Bloomberg. The company has not issued an official statement on the matter yet.

If the deal materialises, it will mark Reliance's re-entry into the offshore borrowing market after a gap since 2023. In that year, Reliance and its subsidiary, Reliance Jio Infocomm, raised over $8 billion through loans. These facilities attracted approximately 55 lenders, as banks sought to participate in high-quality credit deals.

The current loan could be the largest borrowing by an Indian company since 2023.The loan comes at a time when the Indian rupee has been under pressure, recently hitting a record low against the US dollar. This decline has been driven by persistent outflows from Indian equity markets. Despite this, Reliance Industries' strong credit profile continues to make it a preferred borrower in global markets.Reliance Industries holds a credit rating that is one notch above India's sovereign grade, a distinction achieved by very few companies. Moody's recently reaffirmed Reliance's Baa2 rating, citing its solid credit metrics, which are expected to remain stable despite high capital expenditure.

The company's strong financial position and diversified business model make it one of the most reliable borrowers in India. Its businesses span energy, telecommunications, retail, and technology, contributing to its resilience and ability to secure large-scale funding.

Government may extend laptop, PC import deadline beyond Dec 31

NEW DELHI. The government is likely to extend the deadline of the import authorisation scheme for laptop and personal computers beyond December 31, 2024, said a senior government official.

According to officials, the Commerce Ministry is expected to issue a notification shortly to announce the extension. "The government is not looking to cause disruption — no disruption has been caused so far through import authorisation scheme," he said.India launched an import management system in November 2023, which required companies to register with the government the quantity and value of their laptop and tablet imports. Before this, on August 4, the government had announced ban on laptops, personal computers and tablets.

Later in the day, it had clarified that there was no ban but electronics manufacturing companies needed a licence or required to register on import management system to import these items starting November 1, 2023.he government said the purpose of the decision was to encourage the companies to start production in India. However, the reports indicate India reversed the laptop licensing policy following lobbying from US officials concerned about New Delhi's compliance with WTO obligations and potential new regulations.Then India extended the deadline for approving imports of servers, laptops, PCs and tablets from September 30 to December 31. It means, electronics companies like Dell, HP, Apple, Samsung and Lenovo will need to obtain fresh approvals to import laptops and tablets in India starting next year, as per a government notification. As per Counterpoint estimates, India's laptop and personal computer market is valued at $8 billion annually.

VIL to raise Rs 1,980 cr through preferential issue

NEW DELHI. Vodafone Idea (VIL), the country's third-largest telecom service provider, announced on Monday that its Board of Directors has approved the issuance of up to 176 crore equity shares on a preferential basis to raise Rs 1,980 crore.

The telco will issue these shares to Omega Telecom Holdings Private Limited (Rs 1,280 crore) and Usha Martin Telematics Limited (Rs 700 crore), both Vodafone Group companies. The shares will be issued at a price of Rs 11.28 per share, which represents a premium of nearly 40% over the closing price of Rs 8.11 on December 9, 2024.

"Up to 1,755,319,148 equity shares of face value of Rs

10 each at an issue price of Rs 11.28 per equity share (including a premium of Rs 1.28 per equity share) for an aggregate consideration of up to Rs 1,980 crore," said the company in a stock exchange filing.

Vodafone Group holds a 22.56% stake in VIL, while the Aditya Birla Group holds 14.76%. The government is the largest shareholder with a 23.15% stake. The telco will convene an extraordinary general meeting to seek shareholder approval for the preferential issue. Last week, the parent company of VIL, Vodafone Group, announced sale of its remaining 3% stake in Indus Towers for over $300 million (approximately Rs 2,540 cr) in a block deal.

Immensely grateful: Shaktikanta Das thanks PM Modi on last day as RBI Governor

In a series of tweets, Das extended his thanks to Finance Minister Nirmala Sitharaman, various stakeholders, including financial sector participants, economists, industry bodies.

NEW DELHI. Shaktikanta Das, the outgoing Governor of the Reserve Bank of India (RBI), expressed gratitude to Prime Minister Narendra Modi, Finance Minister Nirmala Sitharaman, and the central bank team on his last day in office.Das is being succeeded by Sanjay Malhotra, a career civil servant and the current revenue secretary in the finance ministry. Malhotra will assume the role of RBI Governor for a three-year term, amid earlier speculation of a possible extension for Das."Will demit office as Governor RBI later today. Thank you everyone for your support and good wishes," said Das on X. He credited PM Modi for his guidance and thoughts, which he said had greatly benefitted him during his tenure."Immensely grateful to the Hon'ble PM @narendramodi for giving me this opportunity to serve the country as Governor RBI and for his guidance and encouragement. Benefited a lot from his ideas and thoughts," he said.

Das also highlighted his working relationship with Sitharaman, and said, "The fiscal-monetary coordination was at its best and helped us deal with the multiple challenges during the last six years."In a series of tweets, Das extended his thanks to various stakeholders, including financial sector participants, economists, industry bodies, and agriculture and service sector organisations, for their contributions and suggestions.He also expressed gratitude to the entire RBI team, saying, "Together, we successfully navigated an

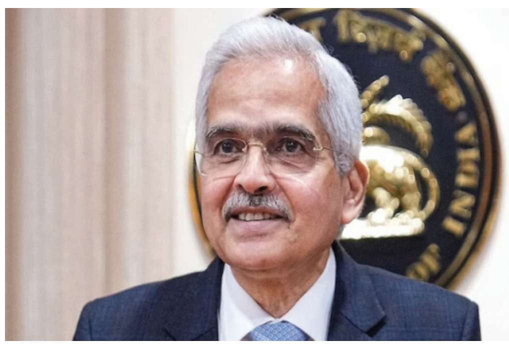

exceptionally difficult period of unprecedented global shocks. May the RBI grow even taller as an institution of trust and credibility."Das took over as the 25th Governor of the RBI in December 2018, during a challenging time marked by economic and financial sector pressures. His leadership is widely recognised for bringing stability and steering India's economy through turbulent periods, including the COVID-19 pandemic, geopolitical tensions, and high inflation.Under Das, the RBI adopted a more proactive approach, particularly in managing exchange rate volatility. During his tenure, India's foreign exchange reserves peaked at $700 billion, providing a strong buffer against external shocks.Das also led the central bank through critical policy decisions. The Monetary Policy Committee (MPC), under his leadership, focused on balancing inflation control with growth promotion. Despite surging inflation and global uncertainties, the MPC has kept the repo rate unchanged at 6.5% for the past 11 reviews.However, economic challenges persisted towards the end of his tenure. The RBI recently lowered its GDP growth forecast for 2024-25 from 7.2% to 6.6%, citing global uncertainties and slowing domestic growth. Retail inflation reached a 14-month high of 6.2% in October, surpassing the RBI's tolerance limit.

ITI shares surge nearly 10% to a record high, up 39% this week

New Delhi. Shares of ITI Limited continued their impressive rally on Tuesday, 10 December, rising nearly 10% to reach a fresh all-time high of Rs 404 on the National Stock Exchange (NSE). This marks the third consecutive session of strong buying interest in the public sector undertaking's (PSU) stock.

The share price opened at Rs 385, higher than its previous close of Rs 368.10. It climbed as much as 9.8% during intraday trading, touching a record high of Rs 404. By 10:30 am, ITI shares were trading 7.42% higher at Rs 395.40 per share on the NSE.ITI shares have been on an exceptional run, gaining 15% in Monday's session and over 13% the day before. Over the last three days, the

stock has risen approximately 42%, becoming a standout performer in the market.This sharp rally follows months of gradual recovery. ITI hit its 52-week low of Rs 210 on 25 October this year but has since experienced significant gains. With the stock touching Rs 404 today, it has surged over 92% in less than two months.

The ITI stock has seen significant growth recently. On a monthly basis, it has surged by 38% in December, building on a 27% rise in November. This upward trend in November ended a three-month losing streak for the stock.

Looking at its performance over a longer period, ITI shares have climbed 34% over the past six months. Over the last three years, the stock has delivered an impressive gain of 235%, highlighting its strong long-term performance.

Boeing layoffs: Hundreds in Washington and California face job losses

New Delhi. Boeing, one of the world's largest aerospace companies, has laid off hundreds of workers in Washington state and California as part of a larger plan to reduce its workforce, reported news agency Associated Press. These layoffs are part of Boeing's efforts to manage financial challenges and align with its operational priorities.

The report mentioned that nearly 400 employees in Washington state and more than 500 in California were let go. This is part of a larger reduction that aims to cut around 17,000 jobs from Boeing's global workforce.Boeing had previously announced its intention to reduce its workforce by 10% in the coming months. This decision is part of the company's recovery strategy, which includes managing the financial and operational setbacks it has faced in recent years.The company is working to restore production of its popular 737 MAX aircraft, which was disrupted by a nearly two-month strike involving over 33,000 West Coast workers. While the strike impacted the production of most of Boeing's commercial aircraft, CEO Kelly Ortberg said that the layoffs were not caused by the strike. Instead, they were attributed to overstaffing in various roles.

IMPACT ON EMPLOYEES

The recent round of layoffs affected a range of positions, including engineers, recruiters, and analysts. These cuts have affected Boeing's commercial, defence, and global services divisions. Notices of the layoffs were filed with state employment agencies, with the first round reportedly impacting around 3,500 employees nationwide.Boeing has assured that most laid-off employees will remain on the payroll for about two months. In addition, they will receive severance pay, career transition assistance, and subsidised health insurance benefits for up to three months."As announced in early October, we are adjusting our workforce levels to align with our financial reality and a more focused set of priorities," Boeing spokespeople said in a statement.The layoffs come as Boeing continues to face financial difficulties stemming from multiple crises. The company's troubles began with two fatal crashes of its 737 MAX jetliner in 2018 and 2019, which claimed 346 lives and led to the aircraft being grounded worldwide for over a year.Boeing's reputation was further damaged in January this year when an Alaska Airlines plane suffered a fuselage issue during flight. The incident raised additional safety concerns about its aircraft.To strengthen its finances, Boeing closed a Rs 24.3 billion equity offering in November. This move was aimed at preserving its investment-grade credit rating and ensuring sufficient funds to support its operations and recovery plans.

Edelweiss' Radhika Gupta explains why fixed income MFs belong in your portfolio

Fixed-income MFs, as Radhika Gupta suggests, enhance equity portfolios with stability, flexibility, and tax efficiency.

New Delhi. In the investment world, equities often steal the spotlight with their potential for spectacular returns. However, amidst the soaring highs of the stock market, fixed-income mutual funds (MFs) offer a steady, reliable foundation that shouldn't be overlooked. Despite the rapid rise of equity MFs, the potential of fixed-income MFs remains largely untapped, making them an essential part of a well-rounded portfolio.

RADHIKA GUPTA'S TAKE ON FIXED INCOME MFs

Radhika Gupta, a leading industry expert, and MD & CEO of Edelweiss Mutual Fund emphasises that while equity returns have been impressive, investors must not ignore the stability fixed-income MFs provide.In a post on X, she wrote, "Equity returns have been spectacular, but you still cannot ignore fixed income. I write a few thoughts."According to her, these funds act as a balance to equities, offering lower volatility and more predictable returns, making them crucial for long-term financial planning. Gupta advocates for a diversified portfolio that includes both equity and fixed-income assets to reduce risks and ensure stable growth.

WHAT IS A FIXED-INCOME MUTUAL FUND?A fixed-income mutual fund is an investment avenue which mainly invests in assets like government securities, corporate bonds, debentures, and other money market instruments. These funds aim to generate income for investors through regular interest payments from the underlying securities held in the portfolio. They are commonly referred to as debt funds.Gupta underscores the unique advantages of fixed-income MFs over traditional fixed deposits (FDs), highlighting their role in achieving financial goals despite some risks. Some of them are enumerated below:

WHY YOU SHOULD INVEST IN FIXED-INCOME MUTUAL FUNDS

Liquidity and flexibility: Unlike fixed deposits (FDs), where withdrawing early can lead to penalties and lower returns, fixed-income MFs allow for partial withdrawals without penalties. This flexibility makes it easier to manage short-term cash flow needs without sacrificing long-term growth.

Tax efficiency: Fixed-income MFs provide deferred taxation, meaning taxes are levied only when you redeem the investment. This allows your returns to compound over time, unlike FDs, where taxes are imposed annually on the interest earned.Predictable and customisable cash flows: Fixed income MFs offer systematic withdrawal plans (SWPs) tailored to your specific needs. This can provide a steady income stream, and the tax-efficient nature of SWPs helps reduce your overall tax burden.

Haldiram in demand! Three suitors eye minimum 15% at $9 billion valuation in snack maker; Agarwal family eyes $10 billion tag

NEW DELHI. Haldiram in demand! Alpha Wave Global, formerly Falcon Edge and a Tiger Global Management spinoff, has submitted a binding proposal to acquire a portion of Haldiram Snacks Food, India's premier snack and convenience foods manufacturer. According to informed sources, this transaction could rank amongst India's largest private-equity deals.Last week, two additional investor groups submitted firm offers for a 15% to 20% stake in Haldiram. The first consortium comprises Blackstone, GIC of Singapore and ADIA, whilst the second features Bain Capital partnering with Temasek. The US-based investment firm has joined these competing groups.

Sources told ET that the bidders have assessed the enterprise value between Rs 75,000-Rs 80,000 crore ($8.8 billion – $9.4 billion).

The Blackstone and Bain-led groups have separately engaged in periodic discussions with the Agarwal family, the founding promoters, for approximately a year.The Haldiram founding family has been considering various strategic alternatives. Initially, they contemplated selling a controlling stake in their 87-year-old enterprise. They are also

exploring the possibility of divesting a minority shareholding in the combined packaged foods operations of their Delhi and Nagpur divisions.

Several investor groups are seeking a larger stake of approximately 25% or management rights that would ensure equal or shared control of operations and board representation. Based on the final stake size, the deal value could range from Rs 11,250 crore ($1.3 billion) to Rs 18,750 crore ($2.2 billion), potentially becoming one of India's largest private-equity investments.

In the fiscal year 2024, the combined operations of Haldiram Nagpur and Delhi achieved revenues of Rs 12,800 crore, with an EBITDA of Rs 2580 crore. Their profit after tax ranged between Rs 1350-1400 crore.The seven branches comprising the promoter group from both Nagpur and Delhi divisions have been considering whether a partial stake sale and subsequent listing would achieve their target valuation exceeding Rs 93,500 crore ($11 billion), rather than surrendering complete control. The family continues to seek a minimum valuation of $10 billion from private equity organisations.The private-equity investors currently view a public listing within 12-24 months as their preferred route for investment returns."Nobody would want to write such a large cheque and be just a passive investor," said an official involved on condition of anonymity as the deliberations are in private domain. "The road to value creation, liquidity and even rights need to be clearly spelt out and agreed upon. The family has been indecisive for years."

Since 2016-17, numerous private equity organisations, including General Atlantic, Bain Capital, Capital International, TA Associates, Warburg Pincus, and Everstone, have engaged in discussions with the Agarwal family regarding stake acquisition. Subsequently, both Kellog's and Pepsico conducted extensive negotiations to acquire 51% or greater ownership, but withdrew due to the Agarwal family's fluctuating positions and valuation expectations.

Priyanka Gandhi on BJP's alleged George Soros-Sonia Gandhi link: Ridiculous

Parliament Session: The comments were in response to BJP chief JP Nadda, who alleged that Sonia Gandhi and the Congress have links with George Soros, claiming an association with an organisation funded by the Soros Foundation, which allegedly backed the idea of separating Kashmir from India.

New Delhi. Congress leader Priyanka Gandhi Vadra on Tuesday (December 10) strongly dismissed the BJP's allegations that former Congress president Sonia Gandhi has direct links with billionaire philanthropist George Soros.

"This is the most ridiculous thing they can come up with. They are talking about 1994, and nobody has any record of it. I don't know what they are referring to. They are doing this because they don't want to run the House," Priyanka Gandhi said.

She further accused the government of avoiding a discussion on the Adani issue, saying, "We want the House to function, but the government doesn't want a debate on Adani. That's why they keep bringing up distractions like this. The Soros matter is from 1994, and they are deliberately raising it now to evade discussions on Adani."The comments were in response to BJP chief JP Nadda, who alleged that Sonia Gandhi and the Congress have links with George Soros, claiming an association with an

organisation funded by the Soros Foundation, which allegedly backed the idea of separating Kashmir from India. Congress Rajya Sabha MP Pramod Tiwari also dismissed the allegations, calling them "baseless, cheap, and completely wrong."The accusations led to chaos in the Rajya Sabha, with Opposition MPs staging an uproar and raising slogans against the ruling party. Congress leaders argued that the allegations are an attempt to divert attention from pressing issues, including the Adani controversy.

The BJP, in a series of posts on X, alleged that the Congress's association with foreign entities like the George Soros Foundation indicates external influence in India's internal affairs.The BJP claimed that Sonia Gandhi, as the co-president of the Forum of the Democratic Leaders in Asia Pacific (FDL-AP) Foundation, was linked to an organisation financed by the George Soros Foundation.The Congress, however, has categorically denied these claims, accusing the BJP of engaging in baseless propaganda.

When SM Krishna abandoned Congress after 46 years, said party had no future

Veteran politician SM Krishna, who passed away on Tuesday, resigned from the Indian National Congress in 2017 after 46 years of association. Krishna, who is known as the 'Architect of Brand Bengaluru', said the Congress had no future and mentioned how he took the hard decision to protect his self-respect and dignity.

New Delhi. At 84, veteran Congressman SM Krishna faced a day unlike any other. It was the winter of 2017 and after 46 years with the Congress, he announced that he was severing ties with the party he had devoted his life to. It must have been a very tough decision to make, but Krishna was a man of self-respect and dignity who once served as Karnataka's Chief Minister and India's Foreign Minister. Known as the 'Architect of Brand Bengaluru', the visionary behind India's IT capital, left the Congress quietly, consulting no one but his wife. Seven years later, the leader who reshaped Karnataka and helped grow India's global footprint passed away in the early hours of Tuesday. He was 92.

"I have taken the decision, however painful, I am going out of the house with which I have been so familiar, including its doors and windows," lamented Krishna in March 2017. SM Krishna's move was driven by a combination of factors, including the future of the party drifting and him being "sidelined" due to his age. The veteran politician was ready with his diagnosis for the party, but there was no one to hear him out.

Mindful of his "self-respect and dignity", SM Krishna did what he had to do -- he moved on.

"I have resigned from Congress to protect my self-respect and dignity after serving it for 46 years, as the high command has sidelined me because of my age," an emotional 84-year-old Krishna told reporters."I did not consult anyone about leaving the party. And except my wife, I did not tell anyone that I was resigning from the party, though it is a painful moment in my life," he added in the 2017 press conference he had called with a heavy heart.

WHY SM KRISHNA LEFT CONGRESS, SAID PARTY HAD NO FUTURE

A day after SM Krishna resigned from the Congress, he lashed out at the party saying it didn't need mass leaders, but wanted only managers."The Congress doesn't need mass leaders these days, they only want managers who can handle a situation," he said. "I am not retiring from politics though I have quit Congress, as its future is not bright. Disillusionment with the party started from 2012 onwards. There is a way of getting rid of political leaders. The party should learn the art of being graceful. They (party leaders) could have told me I was not required. It would have been a graceful exit," added Krishna. "I toured the state during the last elections and nobody thought I was old. Suddenly, they have discovered that I am old and need rest. I felt the Congress did not need me".

Create more jobs instead of only providing free ration: Supreme Court to Centre

New Delhi. The Supreme Court on Monday (December 9), while hearing the matter pertaining to providing food under the Food Security Act, called on the Centre to focus on employment generation instead of only providing free ration to poor people.

The top court said that if the ongoing practice of providing ration at such a large level continues, the state governments may keep on issuing ration cards to appease the people, since they know that the liability to provide the grains rests with the Centre. "If the states were asked to provide free ration, many of them would say they cannot, citing financial crunch, and hence the focus should be on generating more employment," the court observed.

The court also questioned whether the states should be made to pay for the ration if they keep on issuing ration cards. The Centre's counsel, Solicitor General Tushar Mehta, apprised the court that the government provides free ration in the form of wheat and rice among other essential commodities to 80 crore poor people under the National Food Security Act 2013. However, petitioner Advocate Prashant Bhushan contended that, despite that, around 2 to 3 crore people have still been left from the scheme. The court was considering a plea highlighting the problems and the plight of migrant workers, where it had earlier directed that those eligible and entitled for ration cards/food grains under the NFSA and have been identified as such by the respective states/Union Territories, must be issued ration cards before November 19, 2024.

There was a heated exchange between SG Mehta and petitioner Bhushan during the court proceedings on Monday.While pointing out that the case was initiated by the Supreme Court back in 2020 due to the Covid pandemic, the Solicitor General remarked that Bhushan was trying to run the government and frame policies himself.

Mahayuti cabinet expansion likely on December 14, big names may be dropped

New Delhi. After Chief Minister Devendra Fadnavis's government secured the trust vote in the Maharashtra Assembly on December 9, all eyes are now on the much-anticipated cabinet expansion of the Mahayuti alliance. The expansion is expected to be announced on December 14, ahead of the winter assembly session beginning December 16. Sources indicate that the National Democratic Alliance (NDA) central leadership is firm on maintaining a clean image for the new cabinet. There is a strong speculation that many heavyweight names in the last cabinet are likely to be nixed due to their bad performance and reputation, according to sources.

MINISTERS LIKELY TO BE DROPPED

The upcoming Mahayuti alliance cabinet expansion in Maharashtra is expected to exclude several current ministers due to their alleged poor performance or tarnished reputations. From the Shiv Sena (Eknath Shinde faction), three key ministers are likely to be dropped. Sanjay Rathod, who currently handles the FDA and Water Resources department, Abdul Sattar from the Minority and Marketing department, and Tanaji Sawant from the Health department are expected to lose their positions, according to sources.In the NCP (Ajit Pawar faction), Dilip Walse Patil (Co-operation department) and Hasan Mushrif (Medical Education department) are likely to be sidelined.

The BJP may also see changes, with Suresh Khade (Labour department) and Vijaykumar Gavit (Adivasi Welfare department) expected to be dropped.

PROBABLE NEW MINISTERS

The reshuffle is set to bring in several new faces across the three alliance partners, reflecting a focus on clean governance and fresh leadership. From the Shiv Sena, probable names include Uday Samant, Shamburaj Desai, Dada Bhuse, Gulabrao Patil, Sanjay Shirsat, Bharat Gogawale, Pratap Sarnaik, Ashish Jaiswal, Rajesh Khirsagar, and Arjun Khotkar. The NCP is likely to see prominent figures like Chhagan Bhujbal, Dhananjay Munde, Dharmarao Baba Atram, Aditi Tatkare, Sanjay Bansod, Narhari Zirwal, Datta Bharne, Anil Bhaidas Patil, and Makrand Aba Patil taking up ministerial roles.

Boy, 5, trapped in 150-foot-deep borewell in Rajasthan's Dausa, rescue ops on

A five-year-old boy fell into an open borewell in Rajasthan's Dausa district on Monday afternoon. The child is believed to be trapped at a depth of approximately 150 feet.

New Delhi. A large-scale rescue operation is ongoing in Rajasthan's Dausa district after a five-year-old boy fell into an open borewell. The incident occurred on Monday afternoon in Kalikhad village when the child, Aryan Meena, was accompanying his mother to a nearby field.

Aryan is believed to be trapped approximately 150 feet below the surface, officials said. Oxygen is being supplied to him through a pipe, and a camera has been inserted into the borewell to monitor his condition.

The State Disaster Response Force (SDRF) is leading the rescue operation, and the National Disaster

Response Force (NDRF) has also been called in to assist.

Local authorities, including Dausa District Collector Devendra Kumar and MLA Deendayal Berwa, are also at the scene along with police to oversee the rescue efforts. Teams are working simultaneously on two approaches: digging a parallel pit to safely reach the child and attempting a direct rescue from the borewell itself, officials said.

"Rescue operation has been carried out for the whole night. NDRF-SDRF teams are working here. Our priority is to rescue the child safely as quickly as possible," Dausa District Collector Devendra Kumar said.

Villagers were seen gathered at the site, anxiously awaiting updates on the boy's condition.

Asaduddin Owaisi's party fields 2020 Delhi riots accused for Assembly polls

AIMIM announced that expelled AAP councillor Tahir Hussain will contest the upcoming Delhi elections from Mustafabad, despite his controversial past linked to the 2020 riots. The move drew sharp criticism from BJP's Kapil Mishra.

New Delhi. Asaduddin Owaisi's All India Majlis-e-Ittehad-ul-Muslimeen (AIMIM) announced the candidature of expelled AAP councillor Tahir Hussain from the Mustafabad constituency in the upcoming Delhi elections. Hussain had faced accusations related to the 2020 Delhi riots.

Owaisi confirmed the move, saying, "MCD Councillor Tahir Hussain joined AIMIM and will be our candidate from Mustafabad Assembly Constituency in the upcoming Delhi Vidhan Sabha elections. His family members and supporters met with me today and joined the party."

The announcement was met with criticism from Kapil Mishra, a BJP leader, who said, "Owaisi has aligned himself with the man responsible for the murder of Ankit Sharma, the one whose house was found with bombs

and stones, and who attempted to kill hundreds of Hindus in Delhi. Owaisi should remember that if another riot happens in Delhi under Tahir Hussain's name, the consequences will be remembered by his seven generations."

Hussain recently received relief from the Delhi High Court, which quashed an FIR against him in connection with the Delhi riots. The FIR, filed on February 27, 2020, accused him of rioting and vandalism on the first floor of a building. The court noted that Hussain was already facing charges in another case related to the same incident.

The court observed that a prior FIR had been registered for the same incident on February 24, 2020. It stated that the chargesheet filed by the Delhi police in the present FIR would be treated as supplementary to the original case. Hussain had been elected as a councillor from the Nehru Nagar ward on an AAP ticket. During a November hearing, the court noted that evidence from both FIRs showed that rioters had first broken into a parking area, set vehicles on fire, and then moved to the first floor of the building, where food was being prepared for a wedding. The rioters caused significant damage to property.

Farming yields Rs 4,500 a month, less than what you'd splurge on a dinner date

Farmers in India aren't a pampered lot as they are perceived to be. A farming family ends up earning just Rs 4,500 a month from agriculture, according to a Nabard study. Even after resorting to all other avenues, including non-farm jobs, a farming household manages just Rs 13,600 a month.

New Delhi. While critics target tax-free income and 'flashy-big-vehicles' of farmers, suggesting they are affluent and a pampered lot, the reality for the majority of farmers in India is starkly different. A recent report by the National Bank for Agriculture and Rural Development (Nabard) has revealed that farmers in India are earning just Rs 4,476 a month from agriculture. The amount that farmers earn from farming would be less than what families spend on an evening out or thousands spend on a dinner date.

It needs to be understood that the farmers shown driving luxury vehicles in Punjabi songs are a fraction of the farming community. Millions of farmers in India are share-croppers with very little or no landholding. By just farming, they wouldn't be able to even manage their household.

While the average monthly income of a farming household, the Nabard survey revealed, is just Rs 13,661, it is left with a meagre Rs 1,951 in savings, equivalent to Rs 65 per day. As shocking as it may sound, income from agriculture made up just Rs 4,476, or 33% of the total monthly income, meaning farming households make less than Rs 150 per day just from cultivation of crops.

The total earning of a farming household when all sources of income are considered work out to Rs 13,661 a month, which is Rs 445 a day. This is way lower than the government-mandated minimum wage for unskilled workers in India, which is Rs 783 per day.

Come to think of it, Rs 4,476 that a farming household makes wouldn't even suffice to pay for the education in most private schools in tier-I cities.In light of the Nabard report, let's have a look at what it reveals about the farmers' income and their wellbeing in India. Also, we would try to probe if all the farmers are this poor.

HOW MUCH DO FARMING HOUSEHOLDS EARN? HOW MUCH IS FARMING CONTRIBUTING TO THAT?

According to the Nabard report, the average monthly income of a farming household from all sources in 2021-22 was only Rs 13,661, out of which Rs 11,710 was said to have been spent, leaving just Rs 1,951 as savings.What is most shocking is that earning from agriculture constituted just Rs 4,476 or 33% of the total monthly income, meaning farming households earn less than Rs 150 per day from cultivation.The grim financial realities of farmers in India, as highlighted in the Nabard report, also underscore their reliance on alternative sources of income.

In the case of inadequate farming yields, the survey revealed that farmers depended on other sources such as animal husbandry (12%), wage labour (16%), government and private jobs (23%), and other enterprises (15%) to sustain their livelihoods.

Basically, to compliment the income from farming, an average farming household relied on these avenues. It is no secret that most farmers with small landholdings work as labourers. The report also noted that the average monthly income of households of farmers increased during the five-year period from Rs 8,059 in 2016-17 to Rs 12,698 in 2021-22, an increase of nearly 57%.

NEWS BOX

In A First, Israel's PM Set To Testify In Bribery, Corruption Trial

World Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu is set to testify on Tuesday in his bribery, fraud, and breach of trust trial. The hearing will begin in an underground room at the Tel Aviv District Court, moved from Jerusalem due to security concerns. Netanyahu is expected to testify three times a week for at least two weeks, according to local reports. This is the first time a sitting Israeli PM has been charged with a crime, IANS reported citing Xinhua news agency.

The trial began in early 2020 and involves three cases against Netanyahu. He is accused of bribery, fraud, and breach of trust. Netanyahu, Israel's longest-serving prime minister, denies the charges. He claims the trial is a politically driven 'witch hunt.' On November 24, the court partially granted Netanyahu's legal team a 15-day postponement for his testimony. However, it dismissed a recent plea for a delay from 12 ministers in Netanyahu's cabinet. The trial was earlier paused for over two-months due to Israel-Hamas conflict. If convicted, Netanyahu could face severe penalties, including jail time. This would make him the first sitting Israeli prime minister to be sentenced for criminal charges.

Netanyahu's trial is further complicated by ICC arrest warrants issued in November. The warrants, targeting him and former Defence Minister Yoav Gallant, accuse them of "crimes against humanity and war crimes" committed between October 8, 2023, and May 20, 2024.

Donald Trump's Pick Kash Patel Meets Senators As His Nomination Gains Momentum

Washington. The Nomination of Indian-American Kash Patel as FBI Director gains momentum as he meets several influential Senators at Capitol Hill, many of whom openly came out in his support.

If confirmed by the US Senate, Patel would be the first-ever Indian-American to head the Federal Bureau of Investigation (FBI), the powerful investigating agency of the United States.Today I reminded Kash that transparency brings accountability, and it's badly needed at the FBI. As a former congressional investigator, Kash understands that cooperation with Congress is not optional and whistle-blower protection is essential," a statement from Senator Chuck Grassley, the incoming Chairman of the Senate Judiciary Committee, said after meeting Patel.Once formally nominated, I'd look forward to holding a hearing on Kash's nomination in the Senate Judiciary Committee," he said following the meeting.

"I just wrapped a wonderful meeting with Chairman Chuck Grassley. I share his love for government transparency and whistle-blower protection," Patel wrote in a social media post.Earlier in the day, the Iowa Senator in a letter demanded the current FBI Director Christopher Wray step aside from the post he has held for the last seven years. An FBI Director's position is for ten years.

For the good of the country, it's time for you and your deputy to move on to the next chapter in your lives... (I) must express my vote of no confidence in your continued leadership of the FBI," Grassley wrote in his letter to Wray.A day earlier, incoming Prsident Donald Trump expressed his full confidence in Kash Patel. "He's going to do what he thinks is right," Trump told NBC News in an interview. "If he thinks somebody was dishonest or a corrupt politician, he probably must do it. But I'm not going to direct him," he said.Senator Joni Ernest from Iowa also endorsed Patel. "Kash Patel will create much-needed transparency at the FBI. He shares my passion for shaking up federal agencies, downsizing the D.C. bureaucracy, and having public servants work on behalf of the American people!" he wrote on Twitter.

"I just finished a great meeting with Sen. Joni Ernst. We discussed the importance of transparency at the FBI and deploying agents in the field to fight fentanyl and crime in Iowa. The FBI needs courageous leadership to implement reform, Sen. Ernst is that partner," Patel said after the meeting.

4-day workweek in Tokyo from next year: Is population decline reshaping Japan's workforce

World The Tokyo administration found a new way to address the country's low birth rates and that is to implement a four-day workweek scheme for its staff.

Tokyo's Governor Yuriko Koike has declared that from April onwards, metropolitan government staff will have the choice of a three-day off each week.

"We will review work styles … with flexibility, ensuring no one has to give up their career due to life events such as childbirth or child care," she stated during her policy address at the Tokyo Metropolitan Assembly's fourth regular session, NBC news reported.This initiative aims to encourage procreation amongst Japanese couples, as the country's fertility rate has reached an unprecedented low. According to the Ministry of Health, Labor and Welfare, last year's rate fell to 1.2 children per woman during her reproductive years, despite increased governmental efforts to promote family formation. Population stability requires a minimum rate of 2.1.Koike introduced an additional measure allowing parents of elementary school pupils to reduce their working hours in exchange for a proportional salary adjustment.

"Now is the time for Tokyo to take the initiative to protect and enhance the lives, livelihoods and economy of our people during these challenging times for the nation," she declared.

Japan registered only 727,277 births last year, as reported by the Health, Labor and Welfare Ministry. This low figure may be attributed to the country's overtime work culture, which often forces women to choose between professional advancement and motherhood.

Suspect in UnitedHealthcare CEO killing charged with murder in New York, court records show

ALTOONA. After UnitedHealthcare's CEO was gunned down on a New York sidewalk, police searched for the masked gunman with dogs, drones and scuba divers. Officers used the city's muscular surveillance system. Investigators analyzed DNA samples, fingerprints and internet addresses. Police went door-to-door looking for witnesses.When an arrest came five days later, those sprawling investigative efforts shared credit with an alert civilian's instincts. A Pennsylvania McDonald's customer noticed another patron who resembled the man in the oblique security-camera photos that New York police had publicized.Luigi Nicholas Mangione, a 26-year-old Ivy League graduate from a prominent Maryland real estate family, was arrested Monday in the killing of Brian Thompson, who headed one of the United States' largest medical insurance companies.He remained jailed in Pennsylvania, where he was initially charged with possession of an unlicensed firearm, forgery and providing false identification to police. By late evening, prosecutors in Manhattan had added a charge of murder, according to an online court docket. He's expected to be extradited to New York eventually.It's unclear whether Mangione has an attorney who can comment on the allegations. Asked at Monday's arraignment whether he needed a public defender, Mangione asked whether he could "answer that at a future date."Mangione was arrested in Altoona, Pennsylvania, after the McDonald's customer recognized him and notified an employee, authorities said. Police in Altoona, about 233 miles (375 kilometers) west of New York City, were soon summoned.They arrived to find Mangione sitting at a table in the back of the restaurant, wearing a blue medical mask and looking at a laptop, according to a Pennsylvania police criminal complaint.

He initially gave them a fake ID, but when an officer asked Mangione whether he'd been to New York recently, he "became quiet and started to shake," the complaint says.

When he pulled his mask down at officers' request, "we knew that was our guy," rookie Officer Tyler Frye said at a news conference in Hollidaysburg.New York

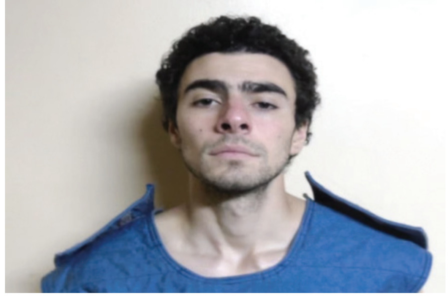

Police Commissioner Jessica Tisch said at a Manhattan news conference that Mangione was carrying a gun like the one used to kill Thompson and the same fake ID the shooter had used to check into a New York hostel, along with a passport and other fraudulent IDs.NYPD Chief of Detectives Joseph Kenny said Mangione also had a three-page, handwritten document that shows "some ill will toward corporate America."A law enforcement official who wasn't authorized to discuss the investigation publicly and spoke with The Associated Press on condition of anonymity said the document included a line in which Mangione claimed to have acted alone."To the Feds, I'll keep this short, because I do respect what you do for our country. To save you a lengthy investigation, I state plainly that I wasn't working with anyone," the document said, according to the official.It also had a line that said, "I do apologize for any strife or traumas but it had to be done. Frankly, these parasites simply had it coming."Pennsylvania prosecutor Peter Weeks said in court that Mangione was found with a passport and $10,000 in cash $2,000 of it in foreign currency. Mangione disputed the amount.Thompson, 50, was killed last Wednesday as he walked alone to a midtown Manhattan hotel for an investor conference. Police quickly came to see the shooting as a targeted attack by a gunman who appeared to wait for Thompson, came up behind him and fired a 9 mm pistol.Investigators have said "delay," "deny" and "depose" were written on ammunition found near Thompson's body. The words mimic a phrase used to criticize the insurance industry.

Netanyahu claims Israel-occupied Golan Heights in Syria will remain Israeli 'for eternity'

JERUSALEM. Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu said Monday that the Golan Heights, occupied by Israel for almost 60 years, would remain Israeli "for eternity".Speaking at a press conference in Jerusalem, Netanyahu thanked US President-elect Donald Trump for recognising Israel's 1981 annexation of the territory during his first term and said "the Golan will be part of the State of Israel for eternity."Israel's Foreign Minister Gideon Saar said Monday that his country's military takeover of the buffer zone along its border with Syria was a temporary move, after Islamist-led rebels took control in Syria.

"This is a limited and temporary step we took for security reasons," Saar said in a press conference at the foreign ministry in Jerusalem.Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu announced on Sunday that he had ordered the army to "take control" of the zone -- on the east of the Israeli-annexed Golan -- after the fall of Syrian president Bashar Al-Assad the same day.Saar and an Israeli government spokesman both confirmed that Israeli troops had moved beyond the demarcated buffer zone onto the slopes of Mount Hermon.

Israeli troops that have moved into the buffer zone on the edge of the Israeli-annexed Golan Heights "constitute a violation" of the 1974 disengagement agreement between Israel and Syria, a UN spokesman said Monday.

The UN peacekeeping force deployed in the Golan Heights, known as UNDOF, "informed the Israeli counterparts that these actions would constitute a violation of the 1974 disengagement agreement," said Stephane Dujarric, spokesman for Secretary-General Antonio Guterres.He said that the Israeli forces that entered the zone were still present in at least three locations.

Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu announced on Sunday he had ordered the army to "seize" the demilitarized zone in the Syrian-controlled part of the Golan Heights after rebels swept Syrian president Bashar al-Assad from power.

Most of the Golan Heights plateau has been occupied since 1967 by Israel, which later annexed it in a move not recognized by most of the international community.In 1974 a buffer zone was established to separate the Israeli-held and Syrian territories, with UN peacekeepers stationed there.

Amid the downfall of Assad, Israel announced a troop deployment to the Golan Heights citing "the possible entry of armed individuals into the buffer zone."Israeli forces "will continue to operate as long as necessary in order to preserve the buffer zone and defend Israel," it added.Israeli troops "have entered the area of separation and have been moving within that area where they remain in at least three locations throughout the area of separation," Dujarric said."There should be no military forces or activities in the area of separation. And Israel and Syria must continue to uphold the terms of that 1974 agreement, and preserve stability in the Golan," he said.

French President Macron eyes broad alliance to form new government

PARIS. French President Emmanuel Macron on Monday called cross-party talks aimed at "forming or making possible a government of national interest" after the ouster of Prime Minister Michel Barnier triggered a political crisis.Party leaders were invited to Macron's Elysee Palace office on Tuesday, the presidency said, in a departure from Macron's previous method of meeting leaders individually.

France's parliament has been divided almost evenly between a left alliance, Macron's centrists and the far right since snap elections in July, producing deadlock.

The president took almost two months to name conservative Barnier as premier in September. But the PM was toppled last week in a no-confidence vote over a cost-cutting draft budget for 2025 meant to tackle France's yawning deficit.Macron's office said that only those who had "shown they placed themselves in a framework of compromise" had been called upon for Tuesday's talks -- appearing to exclude the far-right National Rally (RN) and hard-left France Unbowed (LFI).Cobbling together any compromise between centre-left, centrists and conservatives will be tricky as all have been clashing fiercely since Macron's first presidential win in 2017.

Initial talks would aim "to make progress on an agreement about the method" to find consensus, the Elysee said.Macron's call for a broad-based meeting suggests a new executive will not be put together quickly, disappointing calls to move fast from allies including parliament speaker Yael Braun-Pivet.

"Each of us will have to take a step towards the other," Green Party chief Marine Tondelier had said earlier Monday as she arrived for talks with Macron -- adding that it was up to the president "to offer something that isn't just a continuation of his policies".

Some have called for Macron, 46, to himself resign and trigger a new presidential poll.

But a defiant Macron last week said that he planned to serve out the remainder of his term, vowing to produce "30 months of useful action" and promising to name a new prime minister in the "coming days."The weekend reopening of Paris's Notre Dame cathedral, refurbished after a devastating 2019 fire, offered a brief respite from the political crisis as he hosted world leaders including US president-elect Donald Trump and Ukrainian President Volodymyr Zelensky.Macron is now under huge pressure to form a government that can survive a no-confidence vote and pass a budget for next year in a bid to limit political and economic turmoil.

'Can't go on like this'

"We can't go on like this," Macron's centrist ally Francois Bayrou said on Sunday, warning that the French did not want uncertainty to continue.

Bayrou heads the MoDem party, which is allied to, but not part of, Macron's centrist force. He has been tipped as a possible contender for prime minister. "If I can help us get through this, I will," he said.

However many do not support his candidacy.

Ex-Assad Regime Syrian Officials Indicted In US For War Crimes Against Americans

World A US federal indictment has charged two former senior Syrian intelligence officials from the regime of former President Bashar al-Assad with "war crimes against Americans and other civilians," the Department of Justice announced. The indictment accuses Jamil Hassan, 72, and Abdul Salam Mahmoud, 65, of conspiring to commit war crimes by subjecting detainees, including US citizens, to cruel and inhuman treatment at detention facilities such as the Mezzeh Military Airport prison near Damascus, according to the justice department. Warrants for their arrest have been issued, though both remain at large, the statement read on Monday.

"The perpetrators of the Assad regime's atrocities against American citizens and other civilians during the Syrian civil war must answer for their heinous crimes," Attorney General Merrick Garland said in a statement.As alleged, these Assad regime intelligence officials whipped, kicked, electrocuted, and burned their victims; hung them by their wrists for prolonged periods of time; threatened them with rape and death; and falsely told them that their family members had been killed. The Justice Department has a long memory, and we will never stop working to find and bring to justice those who tortured Americans," he added.Deputy Attorney General Lisa Monaco reaffirmed the US's commitment to accountability, stating, "The Assad regime may have fallen, but our commitment to accountability continues unabated. For the second time in a year, the Department of Justice has brought charges against those who committed war crimes against US citizens, deploying a previously unused federal law to hold accountable individuals who engaged in cruel and inhuman atrocities during armed conflict."

FBI Director Christopher Wray said the bureau remains dedicated to collaborating with international law enforcement to ensure justice is served. "Hassan and Mahmoud allegedly oversaw the systematic use of cruel and inhumane treatment on perceived enemies of the Syrian regime, including American citizens," he said.According to the Justice Department, Hassan, as the Director of Syrian Air Force Intelligence, managed a network of detention centres, including Mezzeh Prison. Mahmoud, a Brigadier General, directed operations at the prison.

From January 2012 to July 2019, the two allegedly conspired to identify, intimidate, and punish individuals detained at Mezzeh, including protesters, medical aid providers to regime opponents, and those who publicly criticised the Assad regime.

Elon Musk warns Republicans against standing in Trump's way, or his

DES MOINES.A week after President-elect Donald Trump's victory, Elon Musk said his political action committee would "play a significant role in primaries."

The following week, the billionaire responded to a report that he might fund challengers to GOP House members who don't support Trump's nominees. "How else? There is no other way," Musk wrote on X, which he rebranded after purchasing Twitter and moving to boost conservative voices, including his own.And during his recent visit to Capitol Hill, Musk and entrepreneur Vivek Ramaswamy delivered a warning to Republicans who don't go along with their plans to slash spending as part of Trump's proposed Department of Government Efficiency."Elon and Vivek talked about having a naughty list and a nice list for members of Congress and senators and how we vote and how we're spending the American people's money," said Rep. Marjorie Taylor Greene, R-Ga.

Trump's second term comes with the specter of the world's richest man serving as his political enforcer. Within Trump's team, there is a feeling that Musk not only supports Trump's agenda and Cabinet appointments, but is intent on seeing them through to the point of pressuring Republicans who may be less devout.

One Trump adviser, speaking on condition of anonymity to discuss internal political dynamics, noted Musk had come to enjoy his role on the campaign and that he clearly had the resources to stay involved.

The adviser and others noted that Musk's role is still taking shape. And Musk, once a supporter of President Barack Obama before moving to the right in recent years, is famously mercurial."I think he was really important for this election. Purchasing Twitter, truly making it a free speech platform, I think, was integral to this election, to the win that Donald Trump had," said departing Republican National Committee co-chair Lara Trump, the president-elect's daughter-in-law. "But I don't know that ultimately he wants to be in politics. I think he considers himself to be someone on the outside."During the presidential campaign, Musk contributed roughly $200 million to America PAC, a super PAC aimed at reaching Trump voters online and in person in the seven most competitive states, which Trump swept. He also invested $20 million in a group called RBG PAC, which ran ads arguing Trump would not sign a national abortion ban even as the former president nominated three of the justices who overturned a federally guaranteed right to the procedure.Musk's donation to RBG PAC — a name that invokes the initials of former Supreme Court Justice Ruth Bader Ginsburg, a champion of abortion rights — wasn't revealed until post-election campaign filings were made public Thursday.Musk has said he hopes to keep America PAC funded and operating. Beyond that, he has used his X megaphone to suggest he is at least open to challenging less exuberant Trump supporters in Congress.Another key Trump campaign ally has been more aggressive online. Conservative activist Charlie Kirk, whose group Turning Point Action also worked to turn out voters for Trump, named Republican senators he wants to target."This is not a joke, everybody. The funding is already being put together. Donors are calling like crazy. Primaries are going to be launched," Kirk said on his podcast, singling out Sens. Joni Ernst of Iowa, Jim Risch of Idaho, Mike Rounds of South Dakota and Thom Tillis of North Carolina as potential targets. All four Republican senators' seats are up in 2026.For now, Musk has been enjoying the glow of his latest conquest, joining Trump for high-level meetings and galas at the soon-to-be president's Mar-a-Lago resort home in Palm Beach, Florida. The incoming administration is seeded with Musk allies, including venture capitalist and former PayPal executive David Sacks serving as the "White House A.I. & Crypto Czar" and Jared Isaacman, a tech billionaire who bought a series of spaceflights from Musk's SpaceX, named to lead NASA.

Fulton, at Rs 21.7 lakh per month is highest paid foreign coach in Olympics sports

Here's a look at how some of the foreign coaches of Olympic sports are getting paid in India

CHENNAI. Going by the sports ministry's response in the Rajya Sabha, Craig Fulton is the highest-paid foreign coach engaged by a National Sports Federation in the country. Fulton, the sports ministry revealed while replying to a query on the engagement of foreign coaches, draws an amount of Euro 24,286 (?21.7 lakh) a month.The head coach of the men's team has been drawing the salary since April 26, 2023, and his contract runs until December 31, 2028, after the Los Angeles Olympics. As for the "expenditure incurred" on foreign coaches, the ministry says, "The National Sports Federations (NSFs) are allowed to hire foreign experts on their own within the budget allocated by the Government."The South African's contract was extended after India's bronze medal at the Paris Olympics. Interestingly, Fulton draws double the amount any other foreign coach engaged in the country. Fulton's predecessor Graham Reid was getting USD15,000 per month. Union Sports Minister Mansukh Mandviya was responding to a query by Rajya Sabha MP Anil Kumar Yadav Mandadi on December 5. While it is not clear since when Fulton has been drawing this amount, this could be after the Paris Olympics.Take for instance Klaus Bartonietz, the German bio-mechanic specialist who has helped Neeraj Chopra win multiple medals (gold and silver) at successive Olympics and World Championships. The foreign coach was drawing USD 10,101 (?8.57 lakh) per month. He has been attached with Neeraj since his injury in 2019. Meanwhile, Scott Simmons, the middle and long-distance coach, was drawing more USD 11,364 (?9.64 lakh) per month.

At USD 10,732 per month, Jason Dawson, sprints coach, was drawing more than Klaus. Athletics had engaged some ten foreign coaches, masseurs and recovery experts. One Dr Silva, a recovery expert, was drawing $10,000. All their contracts were until the Olympics this year. Most of their contracts, according to the Rajya Sabha reply, were until Olympics 2024. South Korean coach

Baek Woongki, who felt humiliated for not being given accreditation to accompany the archers inside the Games Village at the Paris Olympics, was drawing USD 10,000 (?8.43 lakh) per month. The coach left after the Paris Games where the players missed his expertise and had to rely on Indian coaches.If athletics engaged some ten coaches and other experts, hockey topped the charts. Over a period of three-four years, (period extending from 2021), they have engaged about a dozen foreign experts, including coaches. The salary increased too. According to the "Details of foreign coaches engaged along with expenditure incurred" presented in the Rajya Sabha, there has been an increase in salary for the new set of support staff of Fulton.

Take for instance Rhett Halkett, analytical coach, whose contract runs until December 31 (from April 2023) is getting paid USD 11428.57 (?9.7 lakh) per month. Earlier, when Reid was the head coach, his analytical coach was drawing USD 9000 per month. Scientific advisor to the men's team Alan Tan is drawing USD 9000 and his contract runs until the end of the year. The Hockey India and SAI will be appointing a new analytical coach soon and it needs to be seen if Tan will continue.Dave Smolenaars, analytical coach of the women's team is engaged for USD 10,000 per month until December 2028. Former women's head coach Janneke Schopman was getting USD 9750 before she left the job. Former High-Performance Director (HPD) in boxing Bernard Dunne had to leave mid-way because of a fight between the Boxing Federation of India and him. Dunne was getting paid Euro 11250 (?10 lakh). Interestingly, the Rajya Sabha reply says he was paid till September 2024 whereas he left India in February/March. The sport has fired blanks at the Paris Olympics. Dimitry Dimitruk, the other coach is paid Euro 7500.Badminton, another sport that went blank at the Paris Olympics, engaged around eight coaches in the last two to three years until the Olympics.

NEWS BOX

Real Madrid will have to play UEFA Champions League playoffs: Carlo Ancelotti

New Delhi. Real Madrid manager Carlo Ancelotti has expressed doubts about his team's ability to secure a top-eight finish in the expanded 36-team Champions League group stage. This would mean the Spanish giants might need to navigate a two-legged playoff to keep their hopes of reaching the last 16 alive.

Despite a remarkable previous season where they claimed both La Liga and Champions League titles, Real Madrid have struggled to replicate their form in Europe. They have suffered three defeats in their last four group matches, putting their campaign under significant strain.Currently sitting on six points after five matches, Los Blancos find themselves in 24th place—just inside the playoff zone but a distant four points behind the top eight. Their next challenge is a daunting trip to face an in-form Atalanta side, who are thriving at fifth place in the standings with 11 points. The Serie A leaders have been defensively resolute, conceding only one goal in the competition so far.With three group-stage games remaining,

Ancelotti labelled Tuesday's clash in Bergamo as a must-win encounter but maintained confidence in his squad's ability to rise to the occasion and prove their critics wrong."(That is nothing more at stake) than three important points that will help us to qualify," the Italian told a press conference on Monday, as quoted by Reuters."Unfortunately we will have to play an extra round, but that's it, I have a lot of confidence in my team.With three group-stage games remaining, Ancelotti labelled Tuesday's clash in Bergamo as a must-win encounter but maintained confidence in his squad's ability to rise to the occasion and prove their critics wrong."(That is nothing more at stake) than three important points that will help us to qualify," the Italian told a press conference on Monday, as quoted by Reuters."Unfortunately we will have to play an extra round, but that's it, I have a lot of confidence in my team."Atalanta are doing very well, they have improved a lot compared to the Super Cup. They're on a roll and they're full of enthusiasm but that give us a chance to go out there and prove a point while earning three important points," Ancelotti said.

OTD in 2022: Ishan Kishan smashed the fastest double hundred in ODIs vs Bangladesh

On December 10 in 2022, Ishan Kishan smashed the fastest double hundred in the ODI history. At the age of 24, he also became the youngest player to score a double hundred.

New Delhi. Ishan Kishan made history on December 10, 2022, by smashing the fastest double hundred in ODI cricket. The left-handed batter achieved this incredible milestone in just 126 balls against Bangladesh during the third ODI in Chattogram. Kishan's innings of 210 runs off 131 balls was filled with boundaries, including 24 fours and 10 sixes. His explosive knock helped India post a massive total of 409/8 and secure a dominant 227-run victory

Opening the innings after India lost the toss, Kishan partnered with Shikhar Dhawan. However, Dhawan fell early, leaving India at 15/1. Kishan then joined forces with Virat Kohli, and the duo turned the game around. Their partnership of 290 runs for the second wicket laid the foundation for India's gigantic score. While Kohli contributed 113 runs off 91 balls, Kishan's innings was the highlight of the day.

Throwback to 2022

Ishan Kishan creates history

Kishan broke several records during his innings. At 24 years old, he became the youngest player to score a double hundred in ODIs. He is also only the fourth Indian to achieve this feat, joining the likes of Sachin Tendulkar, Virender Sehwag, and Rohit Sharma. Additionally, his double century came in just 126 balls. As he broke Chris Gayle's record of the fastest ODI double hundred, which the West Indian had scored in 138 balls during the 2015 World Cup.ndia's total of 409/8 was the highest-ever ODI score by a visiting team in Bangladesh. Chasing such a massive target, Bangladesh was under pressure from the start. They were bowled out for just 182 runs in 34 overs. India's bowlers, led by Axar Patel and Shardul Thakur, kept things tight and ensured a one-sided finish.Kishan's remarkable knock showcased his fearless approach and immense potential. His ability to dominate the bowlers with clean hitting showed his talent and temperament. The innings hinted at a bright future for the young batter.India's convincing win in the match helped end the series on a high note, even though Bangladesh had already won the first two games. Kishan's record-breaking performance will remain one of the most memorable moments in ODI cricket.

Virat Kohli makes critical changes ahead of Gabba Test: Harbhajan breaks down

Star India batter Virat Kohli is training hard in the nets ahead of the 3rd Test vs Australia. Former India cricketer Harbhajan Singh pointed out the critical changes the India batter made. Kohli was working on his back-foot game as he geared up for the Brisbane Test. The Gabba pitch will also have a lot of pace and bounce to offer and the batters need to have a strong back-foot game. Harbhajan, who has played a lot of cricket with Kohli, highlighted that he has been a front-foot batter but is working on his back-foot game to tackle the bounce in the Gabba."Yes, whatever little I have seen him batting in the nets today. I have played a lot of crcket with him. He is a front foot player. Knowing the bounce on Indian soil, you have to be on your front foot. The people who have played here, the likes of Ricky Ponting, Steve Waugh, Langer, Hayden. They were good back foot

players, because of the bounce. It is the kind of bounce you get in Australia, you have to be good player of bounce. You need to have a good backfoot game. That's what he was practising," Harbhajan tols Star Sports.Kohli works on back-foot gameTeam India trained in Adelaide on Tuesday morning before they jet off for Brisbane the next day. The 3rd Test will kick off on December 14, Saturday. Harbhajan is hoping for Kohli to make a comeback in the 3rd Test after a rare failure at one of his hunting grounds in Adelaide.Find out more about India's training session: Here"Specifically I have noticed today. He was playig a lot of deliveries on the backfoot. He was going forward for the fuller ball but those balls which were slightly shorter than the length of full ball, he was either leaving or trying to play them. The ball from the back foot, he knows that Gabba will be a different wicket where he will get to face a lot of bounce and pace and that back foot game needs to be included in his game. Good to see him working on the game.

Justin Langer's sacking helped Travis Head flourish, reveals Tim Paine

Former Australia captain Tim Paine feels that the sacking of Justin Langer was key to Travis Head flourishing in all formats of the game. Paine said that the freedom that Pat Cummins and Andrew McDonald have given Head has helped him reach the peak of his prowess.

New Delhi. Former Australia captain Tim Pained has opened up on the relationship between Travis Head and Justin Langer. Speaking after the Adelaide Test match where Head scored a sensational hundred in Australia's 10-wicket win over India, Paine said that the sacking of Justin Langer was key to Head flourishing in international cricket.Speaking on SEN, Paine said that Langer did not rate Travis Head since the batter did not have a solid defence, and there was a huge difference of opinion between the two as Travis wanted to play the game in his natural aggressive manner without caring much for his defensive technique.Paine said that the confidence that Pat Cummins and Andrew McDonald gave Travis Head led to a massive turnaround in his career and made him an all format beast. Head has tormented India in key matches - the World Test Championship Final 2023, ODI World Cup Final 2023 and now in the Border-Gavaskar Trophy 2024-25."I don't think either of them will mind me saying this, but I think he (Travis Head) and JL (Justin Langer) used to have a real difference of opinion," Paine said on Tuesday."They were trying really hard for him to work on his defence and it wasn't the way he wanted to go about it, but he was a young Test player who was trying to impress and trying to stay in the team, so he was trying to please a bit of everyone. I think that's been the major shift in his output because he is sticking true to the way he wants to play," Tim Paine further added on Travis Head.Justin Langer resigned from his position of Australia head coach after winning the Ashes in 2021/22. There were reports of rift between the players and the coach at the time."The hardest thing about my last 12 months, and I say it hand on heart, was there was this narrative that I hated the players or the players hated me back. That literally broke my heart," Langer had said after his sacking."Everything I've done for literally the whole time – when I was in Western Australia coaching the Scorchers, when I was with Phil Hughes when I first started and with Steve Smith, I came up with them as kids (when I was) an assistant coach (was because I loved the players). Some of the players may not have liked my style. I am serious, I can be intense.

No change to India's batting order in intense training session in Adelaide

New Delhi. While the Australian team took an off day after their resounding victory in the pink ball Test, India team went straight into practice on Tuesday, December 10. The entire squad led by Rohit Sharma were present at the Adelaide Oval and went through an intense session. There were several takeaways from the Indian practice, the chief among them being - KL Rahul and Yashasvi Jaiswal might continue to open for the remainder of the Border-Gavaskar Trophy.The broadcaster revealed that there were no changes in the batting order for the Indian team, with KL Rahul and Yashasvi Jaiswal coming out for the hits first. They were followed by the rest of the Indian batting order, including Virat Kohli, Rohit

Sharma and Rishabh Pant. This could be an indication that Rohit Sharma continues to bat in the middle to let KL Rahul keep his opener's spot. India were also given a slight scare during the nets, after Rishabh Pant got hit on his helmet by a bouncer. Pant had to stop training and was attended by the medical staff of the team. KL Rahul and Virat Kohli, who were batting in the adjacent nets, stopped their training to look at Pant.

However, the good news was that Pant went back to batting in the nets after being attended by the team.The broadcaster reported that Virat Kohli worked on his backfoot game in the Adelaide nets. The batter has been dismissed multiple times while pressing on the front foot and edging the ball to the slips and it looks like he has been working to resolve that issue.Australia stormed their way into the Border-Gavaskar Trophy after winning the 2nd Test match of the series in Adelaide. Australian pacers made their presence felt, bowling India out for 180 and 175 in the two innings after their meek show in Perth. Tempers flared, and the crowd also got involved in Adelaide as the two teams went against each other in an intense contest.

Harbhajan Singh hopes Head-Siraj row ends after ICC sanctions: Enough is enough

Former spinner Harbhajan Singh is hoping that the Mohammed Siraj-Travis Head has come to an end after both men were given sanctions by the ICC for their actions during the Adelaide Test. Both Siraj and Head were given one demerit point for their actions and the Indian pacer was also fined 20 percent of his match fees.

New Delhi. Harbhajan Singh is hoping that the ICC sanctions will bring an end to the ongoing Travis Head vs Mohammed Siraj row, which happened during the Adelaide. Tempers flared on Day 2 of the pink-ball Test as Siraj gave an animated send-off to Head after dismissing him for 140 in the first innings.

This would ignite some fire in the series as the crowd started booing Siraj for his actions. Both men would present their version of the story during the match, and it seemed like they had patched up while Siraj was batting in the second innings. However, both men were sanctioned by the ICC on Monday, December 9, with the Indian pacer being fined 20 percent of his match fees. Speaking to Star Sports, Harbhajan started off by saying that the ICC was being too strict on the players as such things do happen on the field. The former spinner said that now since both men have patched up and been given sanctions by the ICC, it was time to end the matter and focus on the upcoming match at the Gabba. Well, I think ICC is a bit too strict on players. These

things happen in the ground. Obviously, forget what has happened and move forward. The players have patched up and talked to each other. Anyways, ICC being ICC has sanctioned the players. Let's put that aside now and let's move forward which is obviously, Brisbane. Let's focus on cricket rather than all these controversies. Enough is enough," said Harbhajan. Piyush Chawla would also weigh in on the matter and echoed the same comments as Harbhajan. While he admitted that things would heat up again in Brisbane, Chawla wanted the Head-Siraj feud to be left behind in Adelaide.

"You can't really say who was wrong, who was right here. What I feel is that this should be the end of this thing right now. There's no on this thing to the next match or the 4th test match, and just that what I feel personally is, the things will definitely get heated from the next Test match again, but what incident happened here, should leave it here in Adelaide," said Chawla.

Tamannaah Bhatia's

'Mocha Mousse' Look Gets A Thumbs Up From Orry

Tamannaah Bhatia, celebrated for her exceptional acting prowess, is basking in the success of her latest film, Sikandar Ka Muqaddar. Her fans adore her for her daring fashion choices, and she never fails to surprise them with her unique looks. The actress is now in Dubai for Salman Khan's Dabangg Reloaded Tour, and her recent look has certainly turned heads. Not only did it raise the temperature, but also came with a stunning request for Pantone, showcasing her bold and innovative fashion sense.On Instagram, Tamannaah Bhatia shared a series of photos featuring her latest look: a stunning Animal-printed gown from the renowned brand Zimmermann. The voluminous piece, with its sweetheart neckline and delicate noodle straps adorned with diamond embellishments, exuded sheer elegance. The corset bodice of the dress added a touch of sophistication to her overall look

Tamannaah's stylist Shaleena Nathani teamed her dress with pump heels in a shade one-tone dark. Her make-up artist Elton Fernandez, chose a sheen makeup to add an oomph factor to her radiant style. A striking eye makeup, including a blend of glittery and smokey eyeshadow with thin strokes of kohl in the lid and waterline alongside glossy lips and blushed and highlighted cheeks, made her look perfect. Side-parted, messy and open tresses wrapped her look.Sharing the photos shot inside her hotel with a breathtaking backdrop behind her, she wrote in the caption, "Okay Pantone, can do Mocha Mousse, but let's make it animal print." This intriguing request to Pantone adds another layer of excitement to its choice of colour for 2025. Pantone, best known for its proprietary colour order system, has revealed Mocha Mousse as the colour of 2025. This unique request from Tamannaah has sparked a new conversation about the future of fashion and colour trends. Sharing a post announcing the same on Instagram, they wrote that the warming, rich brown hue, Mocha Mousse transports our senses into the pleasure and deliciousness of chocolate blended with coffee.Many celebs including Orry and Wamiqa Gabbi were impressed with Tamannaah's look as they dropped their reactions on the comment box..On the work front, Tamannaah Bhatia played the role of Kamini Singh in Sikandar Ka Muqaddar, co-starring Jimmy Shergill and Avinash Tiwary.

Aaliyah Kashyap's

Unique Bridal Mehendi Showcases Her Love For Pets; Shane Gregoire Flaunts Her Name

Anurag Kashyap's daughter Aaliyah Kashyap will get married to Shane Gregoire in a few days, and their pre-wedding festivities are currently underway. After a fun-filled Haldi ceremony, looks the like couple is enjoying their Mehendi ceremony today. We came across a few pictures in which Aaliyah Kashyap and Shane Gregoire were seen flaunting the henna on their hands. Meanwhile, Aaliyah's bestie Khushi Kapoor also adorned her hand with minimal yet beautiful henna design.

Aaliyah Kashyap's bridal mehendi design is quite unique, and showcases her love for her pets! The pictures that have surfaced on Instagram show her flaunting the henna design, that include a dog at the centre on one hand, and a cat on the other palm. One of the pictures shows Aaliyah getting mehendi applied on her hands. In another picture, Shane is also seen posing behind his ladylove. He opted for minimal mehendi, with Aaliyah's name within a heart on one of his palms. Meanwhile, a tiny cat and dog were drawn on the other palm. He also flaunted the henna on his palms.

Aaliyah and Shane were seen twinning in pastel blue outfits. Aaliyah looked radiant in a sleeveless ethnic suit, while Shane donned a powder blue kurta pajama.

That's not all! Khushi Kapoor also shared a picture on her Instagram story that shows her flaunting the minimal mehendi she applied for Aaliyah and Shane's wedding festivities. Check out the picture below!

Meanwhile, Aaliyah and Shane's haldi ceremony took place yesterday in Mumbai, and it was attended by Khushi, Imtiaz Ali, his daughter Ida Ali, among many others. Pictures from the Haldi ceremony soon took over social media. One picture shows Anurag Kashyap hugging Shane, while Shane and Aaliyah were seen sharing a passionate kiss during the festivities.As per reports, Shane and Aaliyah will get married on December 11, at Bombay Club, Mahalakshmi Race Course in Mumbai. They have been dating for over four years now. Shane and Aaliyah got engaged in May last year, post which they threw an engagement bash for their loved ones in August 2023.

Amid Chiranjeevi-Allu Arjun Feud Rumours, Photo Megastar Feeding Pushpa 2 Laddoos

Megastar Chiranjeevi and Telugu superstar Allu Arjun have been rumoured to be in a feud this year. For the unversed, earlier this year, it was claimed that Chiranjeevi and family were upset with the Pushpa 2 actor after he supported a YSRCP candidate in the Andhra Pradesh Assembly Elections this year. Chiranjeevi and Allu Arjun did not address the claims yet. Amid this, an old photo of the duo is doing the rounds online.On Monday, a photo went viral in which Chiranjeevi was feeding Allu Arjun with a piece of laddoo. The superstars were exchanging sweets following the success of Pushpa 2. The film released last Thursday and has emerged as a blockbuster. It turns out, the photo was clicked when Allu Arjun was declared the Best Actor by the National Awards committee last year.

During the Andhra Pradesh Assembly Elections, Allu Arjun publicly extended his support to a YSRCP candidate despite his family connections with Pawan Kalyan, who was also contesting this year. For the unversed, Chiranjeevi's son Ram Charan and Allu Arjun are cousins.Eventually, Pawan Kalyan won and even emerged as the Deputy CM of the state. Allu Arjun had congratulated him but has not addressed rumours of his tiff with Chiranjeevi. Meanwhile, Niharika Konidela, a member of the family, addressed the rumours in August this year.In an interview, she said, "I don't know the reason behind whatever my father posted. But, they have their own reasons to whatever [they want]. It doesn't mean we can comment on it because they did something. We didn't actually talk too much about it. We didn't speak about it at home because everyone has their own reasons. Politically, religiously, spiritually, everyone has a choice to do what they want."Niharika added, "For me, it's always family first, and I can only speak for myself."Meanwhile, Allu Arjun is currently enjoying the success of Pushpa 2.

'Huge Admirer': Huma Qureshi Is All Praise For Jared Leto As They Meet At Grand Prix

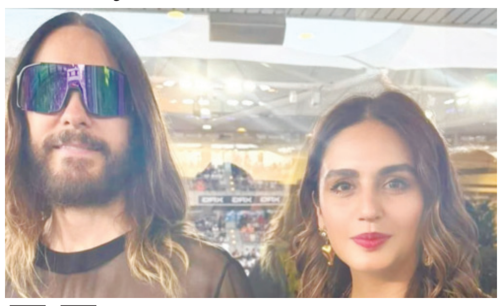

Huma Qureshi is over the moon as she recently bagged the Filmfare OTT Critics' Best Actress Award for her role in Maharani Season 3. Fans and critics praised the actress for her stint in the show. Now, as congratulatory posts continue to shower her, the actress recently attended the Formula 1 Etihad Airways Abu Dhabi Grand Prix 2024. The F1 event, which took place on Sunday, December 8, saw a flurry of celebrities watching the thrilling finale of this season's championship in Abu Dhabi.During the racing event, Huma Qureshi crossed paths with actor Jared Leto. She took to Instagram and shared a picture of their meeting with her fans and followers. In the pic, the Maharani actress can be seen clad in a V-necked long dress. The beige and black outfit comes with an overcoat to enhance its charm. Jared Leto, on the other hand, went for an all-black look that featured a sheer black T-shirt teamed with black jeans.

Dropping the image, she captioned, "So wonderful meeting the super talented @jaredleto at the Grand Prix yesterday… I am a huge admirer of his work, and meeting him was so lovely."Other than Huma Qureshi and Jared Leto, celebrities such as Tim Cook, Steve Harvey, Shraddha Kapoor, Disha Patani, Esther Yu, Terry Crews, Burak Ozcivit, Dwayne Bravo, Brooklyn Beckham & Nicola Peltz Beckham, Jake Paul, Evander Holyfield, Dom Howard and Matt Bellamy were present at the Formula 1 Etihad Airways Abu Dhabi Grand Prix 2024.

The event is held over 58 laps of the 5.281 km Yas Marina Circuit on Yas Island, featuring renowned racers like Lando Norris, Oscar Piastri and Carlos Sainz.

This year, Huma Qureshi earned applause for her role in Maharani 3 and Mithya: The Darker Chapter. Her upcoming projects include Geetu Mohandas's directorial Toxic. Starring South star Yash, Kiara Advani, Anil Kapoor, Tara Sutaria and Shruti Haasan in pivotal roles, the film is scheduled to release in theatres in 2025. It is rumoured that Huma will be playing the antagonist in the film.

Apart from this, she has the courtroom drama film Jolly LLB 3, co-starring Akshay Kumar and Arshad Warsi in lead roles. She also has an investigative drama, Bayaan and director Vipul Goyal's Gulaabi in her kitty.